THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 3 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.2 2083 शनिवार, 4 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

होर्मुज पर सरकार की नीतियों का किया समर्थन

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बने तनाव के बीच कांग्रेस के भीतर एक और ऐसा बयान सामने आया है, जिसने पार्टी की राजनीतिक लाइन पर नई चर्चा छेड़ दी है।

शशि थरूर और मनीष तिवारी के बाद अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने भी भारत सरकार की कूटनीतिक नीति का खुलकर समर्थन किया है। आनंद शर्मा ने कहा कि इस संकट के समय भारत के राजनयिक, दूतावास और अधिकारी बहुत मेहनत से काम कर रहे हैं और उनकी कोशिशों को राजनीतिक नजर से नहीं देखना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि इस तरह के संवेदनशील मुद्दे पर दलगत राजनीति करना देशहित के खिलाफ होगा।

आईएनएस अरिदमन नौसेना में शामिल

रक्षा मंत्री बोले-शब्द नहीं शक्ति है, 'अरिदमन', स्वदेशी पनडुब्बी से बढ़ी ताकत

विशाखापट्टनम, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में नौसेना के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस आयोजन के दौरान भारत की स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। परमाणु शक्ति और बैलिस्टिक मिसाइल से लैस देश की इस तीसरी पनडुब्बी के नौसेना में शामिल होने से सेना की ताकत बढ़ी है। कमीशन किए जाने से पहले रक्षा मंत्री ने आज अपने एक्स हैंडल पर लिखा- 'शब्द नहीं शक्ति है, 'अरिदमन'!'

पानी के भीतर करीब 44 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली अरिदमन का पता लगाना काफी मुश्किल है। के-15 और के-4 जैसी घातक बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस अरिदमन नौसेना की तीसरी ऐसी पनडुब्बी है जो परमाणु ताकत से लैस है।

बैलिस्टिक मिसाइल वाली इस पनडुब्बी से भारत की परमाणु प्रतिरोधक और मारक क्षमता उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगी। आईएनएस अरिदमन आकार और क्षमता के लिहाज से पहले वाली दोनों पनडुब्बियों से बड़ी और अधिक शक्तिशाली है। इस श्रृंखला में बनाई जा रही चौथी एसएसबीएन फिलहाल समुद्री परीक्षण (सी ट्रायल) के दौर में है। इसे अगले वर्ष नौसेना में शामिल किए जाने की संभावना है। चौथी पनडुब्बी भी अरिदमन श्रेणी की ही होगी। भारत की परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी (एसएसबीएन) परियोजना के तहत आईएनएस अरिहंत पहला पोत था। इसके बाद आईएनएस अरिघात को नौसेना में शामिल किया गया था।

आईएनएस अरिहंत को जुलाई 2009 में लॉन्च किया गया था जिसे 2016 में नौसेना में शामिल किया गया। दूसरी पनडुब्बी अगस्त 2024 में कमीशन की गई। पनडुब्बी के अलावा भारतीय नौसेना को आज 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री वाले युद्धपोत- आईएनएस तारागिरी की सौगात भी मिली। नौसेना में अरिदमन और तारागिरी की कमीशनिंग ऐसे समय में हुई है, जब क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्यों में तेजी से बदलाव हो रहे हैं।

> हिंसा रोकने के लिए ईसी ने उठाया कदम

केंद्रीय पुलिस बल की 500 कंपनियां रहेंगी तैनात

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। इस बीच चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को घोषणा की कि बंगाल में वोटिंग पूरी होने के बाद भी कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (सीएपीएफ) के जवान तैनात रहेंगे। एक प्रेस नोट में चुनाव आयोग ने कहा कि सीएपीएफ की 500 कंपनियां चुनाव के बाद कानून और व्यवस्था की ड्यूटी के लिए अगले निर्देश जारी होने तक राज्य में रहेंगी।

चुनाव आयोग ने क्या कहा :
चुनाव आयोग ने ये कदम चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उठाया है। ईसीआई ने कहा, मतगणना पूरी होने के बाद भी अगले आदेश तक सीएपीएफ की 500 कंपनियां चुनाव के बाद कानून और व्यवस्था की ड्यूटी के लिए पश्चिम बंगाल में तैनात रहेंगी। इसके अलावा चुनाव आयोग ने खास तौर पर चुनाव के इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा के लिए सीएपीएफ की 200 कंपनियों को बनाए रखने का भी फैसला किया है।

इन फोर्स को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम), स्ट्रॉन्ग रूम और काउंटिंग सेंटर की सुरक्षा का काम सौंपा जाएगा, और ये काउंटिंग प्रोसेस पूरी तरह से पूरा होने तक वहीं रहेंगी। बयान में आगे कहा गया, ईवीएम/स्ट्रांग रूम और काउंटिंग सेंटर की सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीएपीएफ की 200 कंपनियां राज्य में रहेंगी और राज्य में काउंटिंग पूरी होने तक तैनात रहेंगी। वहीं मालदा की घटना पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, डीजीपी और एसपी सभी नए नियुक्त किए गए हैं। सभी को सतर्क रहना चाहिए ताकि दंगे और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी घटनाएं न हों। हम लौटेंगे और उन घटनाओं के लिए न्याय मिलेगा। मालदा घटना की जांच सीआईडी ने कर ली है। मुंबई से लोगों को लाया गया था। उन्होंने व्यक्तियों को किराए पर लिया था और सब कुछ पहले से प्लान किया था। लेकिन जहां एनआईए उन्हें पकड़ नहीं पाई, वहीं हमारी सीआईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। इस स्थिति का फायदा उठाकर भाजपा अल्पसंख्यकों को भड़काने की कोशिश कर रही है और उन्हें गिरफ्तार करवाने की साजिश रच रही है। भाजपा सीआरपीएफ के वाहनों का इस्तेमाल करके पैसा ला रही है।

ममता बनर्जी ने कहा कि पांच राज्यों में चुनाव हो रहे हैं और कुल 506 अधिकारियों का तबादला किया गया है, जिनमें से 483 अकेले बंगाल से हैं।

ईरान और ओमान बना रहे प्रोटोकॉल! मित्र देशों के लिए खोलेंगे होर्मुज

भारत को दिया है भरोसा

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान ने ओमान के साथ मिलकर होर्मुज स्ट्रेट खोलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ईरान हाल ही में औपचारिक एलान कर चुका है कि वह भारत समेत पांच मित्र राष्ट्रों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने वाला है।

ईरान, ओमान के साथ मिलकर होर्मुज से गुजरने वाले ट्रैफिक की निगरानी के लिए एक प्रोटोकॉल तैयार करने पर काम कर रहा है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने गुरुवार को बताया कि उनकी सरकार एक ड्राफ्ट प्रोटोकॉल को अंतिम रूप दे रही है। जब इस प्रस्ताव को आंतरिक मंजूरी मिल जाएगी,तो फिर इसपर ओमान के साथ औपचारिक चर्चा शुरू होगी। ईरान की यह योजना उसकी पहले की घोषणा के अनुसार ही लग रही है, जिसका लक्ष्य वैश्विक तेल सप्लाई के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही की निगरानी और उनका समन्वय करना है। गरीबाबादी के अनुसार, इस रूट के टैंकर ट्रैफिक को ईरान और ओमान के द्वारा मिलकर निरक्षित और समन्वित की जानी चाहिए।

बेशक, इन आश्यकताओं का मतलब पाबंदियां नहीं होंगी, बल्कि जो जहाज इस रूट से होकर गुजरेंगे, उन्हें सुरक्षित मार्ग की सुविधा सुनिश्चित करना और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना होगा। ओमान ने सार्वजनिक तौर पर इस तरह के होर्मुज प्रोटोकॉल को लेकर कुछ नहीं कहा है।

अब कोई चार शादी नहीं कर पाएगा, हम यूसीसी लाएंगे : शाह

गोलपाड़ा, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने आदिवासियों के विकास के लिए एक रोडमैप तैयार किया है। उन्होंने इस रोडमैप को लागू करने के लिए राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सत्ता में वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया। गृह मंत्री ने कहा कि असम में बीजेपी की सरकार आने पर हम यूसीसी लाएंगे और यहां कोई चार शादी नहीं कर पाएगा।

गोलपाड़ा जिले के दुधनोई में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने कभी किसी आदिवासी महिला को राष्ट्रपति नहीं बनाया। लेकिन मोदी ने इसे बदल दिया और द्रौपदी मुर्मू भारत की राष्ट्रपति बनीं। उन्होंने कहा, केंद्र में प्रधानमंत्री हैं और यहां असम में मुख्यमंत्री हैं-दोनों के पास राज्य में आदिवासियों के विकास के लिए एक रोडमैप है। अगर लोग भाजपा को लगातार तीसरी बार जनादेश देते हैं तो इसे (रोडमैप) आगे बढ़ाया जाएगा। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने कभी आदिवासी कल्याण की बात नहीं की। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से कांग्रेस की सरकारों ने आदिवासियों के विकास पर केवल 25,000 करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों में उनके लिए 1.38 लाख करोड़ रुपये दिए। गृह मंत्री ने ग्वालपाड़ा को 'मिनी असम' करार दिया क्योंकि वहां राभा, बोडो, हाजोंग और कोच सहित कई जनजातियों के लोगों के अलावा आदिवासी चाय बागान श्रमिक रहते हैं।

उन्होंने दावा किया कि केवल भाजपा ही इन लोगों का विकास सुनिश्चित कर सकती है। शाह ने आगे कहा कि आप नरेंद्र मोदी और हिमंता बिस्वा सरमा की सरकार बना दो, हम असम में यूसीसी लाएंगे और अब कोई चार शादी नहीं कर पाएगा। शाह ने कहा कि आदिवासी क्षेत्र समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के दायरे में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा, कांग्रेस आदिवासियों को डराने के लिए अफवाहें फैला रही है कि वे यूसीसी से प्रभावित होंगे।

ईरान से भारत आ रहा था 6 लाख बैरल कच्चा तेल, अचानक चीन की ओर मुड़ गया

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान से करीब 6 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर आ रहा एस्वातिनी-फ्लैग वाला टैंकर 'पिंग शुन' गुजरात के वाडीनार पोर्ट पहुंचने से पहले ही अपना रास्ता बदल गया। कमोडिटी डेटा कंपनी केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक, टैंकर ने अंतिम समय पर अपना रूट बदल लिया। माना जा रहा है कि इसके पीछे पेमेंट से जुड़ी कुछ दिक्कतें हो सकती हैं। यह टैंकर पहले गुरुवार दोपहर तक वाडीनार पोर्ट पहुंचने का संकेत दे रहा था, लेकिन बाद में इसने अचानक दक्षिण दिशा की ओर मोड़ ले लिया और अपना गंतव्य बदल दिया।

आमतौर पर, प्रतिबंधित तेल ले जाने वाले टैंकर कई बार अपनी असली मंजिल छिपाने के लिए रास्ता बदलते हैं, ताकि निगरानी से बचा जा सके। हालांकि, इस मामले में स्थिति थोड़ी अलग है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अमेरिका ने 21 मार्च को एक अहम फैसला लिया था। अमेरिका ने उन टैंकरों पर लगे प्रतिबंधों को अस्थायी तौर पर हटा दिया था, जिनमें पहले से ईरानी तेल लोड था। इसका उद्देश्य वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति बढ़ाना और बढ़ती कीमतों पर काबू पाना था। ऐसा ही कदम अमेरिका रूस के तेल के मामले में भी उठा चुका है।

इस मामले में यह भी कहा जा रहा है कि अगर टैंकर को चीन ही जाना होता, तो वह शुरूआत से ही अलग रास्ता अपनाता। लेकिन आखिरी समय पर रूट बदलने से कई सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, 'पिंग शुन' टैंकर पर 4 मार्च को ईरान के खार्ग आइलैंड से कच्चा तेल लोड किया गया था। इसका मतलब है कि यह तेल अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में नहीं आता। केप्लर में मॉडलिंग और रिफाइनिंग के मैनेजर सुमित रितोलिया के मुताबिक, टैंकर का रास्ता बदलने की वजह पेमेंट से जुड़ी समस्या हो सकती है। उन्होंने कहा कि अब सप्लायर्स पहले की तरह 30-60 दिन का क्रेडिट नहीं देते, बल्कि एडवांस या तुरंत भुगतान की शर्तें रखते हैं।

पुद्दुचेरी में पीएम मोदी का मेगा रोडशो

> मुख्यमंत्री रंगासामी के साथ दिखाई ताकत, उमड़ा जनसैलाब

पुद्दुचेरी, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पुद्दुचेरी में रोड शो के जरिए राज्य विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंका। इस दौरान पीएम मोदी ने एनडीए गठबंधन के समर्थन में प्रचार किया और जनता से आशीर्वाद मांगा।

पुद्दुचेरी की सड़कों पर लोगों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा। भाजपा और उसके सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री का जोरदार स्वागत किया। पुदुचेरी में चुनावी माहौल को गरमाते हुए प्रधानमंत्री का काफिला अजंता सिग्नल से शुरू होकर कामराजर प्रतिमा तक चला। लगभग 2 किलोमीटर लंबे इस रास्ते को तय करने में करीब एक घंटे का समय लगा। इस दौरान पीएम के साथ मुख्यमंत्री और एआईएनआरसी नेता एन रंगासामी और गृह मंत्री ए नमसिवायम भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और जनता ने उन पर फूलों की बारिश की। रोड शो के दौरान पूरे शहर में भाजपा और एआईएनआरसी के झंडे नजर आ रहे थे। सडकों के दोनों ओर खड़े समर्थकों ने भारत माता की जय और जय श्री राम के नारे लगाए।

प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए जगह-जगह पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। पुलिस ने पीएम के दौरे को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे और ड्रोन कैमरों से भी निगरानी रखी गई। पार्टी नेताओं का मानना है कि प्रधानमंत्री के इस दौरे से चुनाव में गठबंधन को बड़ी बढ़त मिलेगी। इससे पहले पिछले महीने भी पीएम ने पुदुचेरी का दौरा किया था और वहां 2700 करोड़ रुपये से ज्यादा की योजनाओं का उद्घाटन किया था। केंद्र सरकार की विकास योजनाओं और पीएम की लोकप्रियता के दम पर एनडीए इस बार भारी बहुमत की उम्मीद कर रहा है। पुदुचेरी विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे के तहत एआईएनआरसी 16 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने 10 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। गठबंधन के अन्य साथी अन्नाद्रमुक और लक्ष्य जननायक पार्टी को 2-2 सीटें दी गई हैं। 9 अप्रैल को होने वाले इस चुनाव के लिए सभी दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है।

ईरान ने जिंदा पकड़ा अमेरिकी पायलट?

एक और एफ15ई लड़ाकू विमान गिराने का किया दावा

> व्हाइट हाउस ने साधी चुप्पी

तेहरान, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव कम होने का नाम ही नहीं ले रहा हैं। दोनों देश अपने-अपने हिसाब के कई बड़े दावे कर रहे हैं। कभी अमेरिका कहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो चुका है। वहीं, इन सबके बीच ईरान की ओर से भी बड़ा दावा किया गया है। ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा है कि उसकी सेना ने एक और अमेरिकीएफ15ई स्टील्थ लड़ाकू विमान को मार गिराया है। एजेंसी ने विमान के मलबे की तस्वीरें भी जारी की हैं और कहा है कि यह विमान अमेरिका के लेकनहीथ स्क्वाड्रन का था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि विमान पूरी तरह तबाह हो गया और पायलट के बचने की संभावना बहुत कम है।

ईरान के सरकारी टीवी से जुड़े एक स्थानीय चैनल ने दावा किया है कि दक्षिण-पश्चिमी ईरान में एक अमेरिकी लड़ाकू विमान का पायलट पैराशूट के जरिए बाहर निकल गया। चैनल ने लोगों से अपील की कि यदि कोई पायलट को जिंदा पकड़कर पुलिस को सौंपता है तो उसे इनाम दिया जाएगा। एजेंसी के मुताबिक, अमेरिका ने ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर और सी-130 विमान से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, लेकिन सफलता नहीं मिली। पायलट की स्थिति स्पष्ट नहीं है। हालांकि इस दावे पर अभी तक अमेरिका की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है और मामले की पुष्टि नहीं हो सकी है।

जन विश्वास बिल : कानून बनते ही 1000+ कृत्य अपराध के दायरे से बाहर होंगे

> नागरिकों के जीवन को आसान बनाने पर जोर

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) विधेयक को अभूतपूर्व सुधार बताते हुए कहा कि इस पैमाने पर बदलाव का उदाहरण न तो भारत में पहले देखा गया है और न ही दुनिया में कहीं और। उन्होंने बताया कि एक साथ 79 संसदीय अधिनियमों के करीब 1,000 प्रावधानों में संशोधन किया गया है, जिनमें आजादी के पहले के छह कानून भी शामिल हैं।

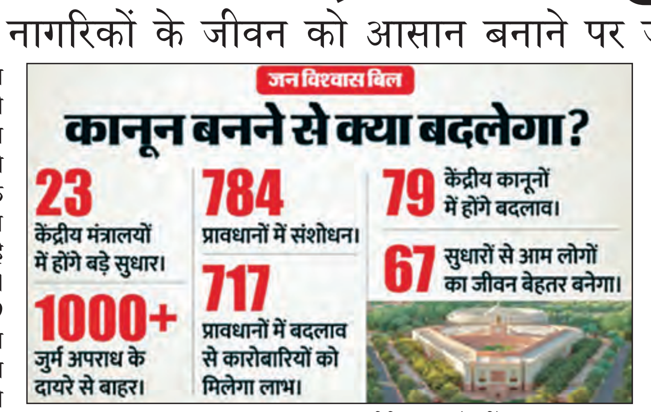

विधेयक संसद से हुआ पारित

संसद ने गुरुवार को जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) विधेयक, 2026 को पारित कर दिया। इस विधेयक के जरिए केंद्र सरकार ने विभिन्न कानूनों में मौजूद कई आपराधिक प्रावधानों को खत्म कर उन्हें सरल और तर्कसंगत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसका उद्देश्य कारोबार सुगमता और आम लोगों के जीवन को आसान बनाना है। यह विधेयक पहले लाए गए जन विश्वास विधेयक, 2025 का विस्तारित रूप है। शुरूआत में इसमें 17 कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव था, लेकिन सेलेक्ट कमेटी की सिफारिशों के बाद इसका दायरा काफी बढ़ा दिया गया।

जन विश्वास बिल 2026 : अपराध-मुक्ति के प्रमुख प्रावधान :

छोटे उल्लंघनों पर राहत : मामूली या तकनीकी गलतियों के लिए अब जेल की सजा नहीं होगी। ऐसे मामलों को आपराधिक अपराध के बजाय प्रशासनिक उल्लंघन माना जाएगा।

सार्वजनिक स्थानों से जुड़े नियम : मेट्रो में धूम्रपान, सड़क संकेतों को नुकसान पहुंचाना या सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने जैसे मामलों में एफआईआर दर्ज करने के बजाय जुर्माना लगाया जाएगा।

व्यापार और अनुपालन में सुधार

ड्रग्स और कॉस्मेटिक कानून के तहत कुछ मानकों के उल्लंघन पर पहले जहां जेल का प्रावधान था, अब उसकी जगह एक लाख रुपये तक का आर्थिक दंड लगाया जाएगा।

परिवहन नियमों में बदलाव : बिना बीमा के वाहन चलाने जैसे मामलों में भी कई स्थितियों में जेल के बजाय जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

श्रम कानूनों में नरमी : एप्रेंटिस एक्ट, 1961 के तहत पहले या दूसरे उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जगह केवल चेतावनी या सलाह दी जाएगी।

सजा से ज्यादा भरोसा : इस बिल का मूल उद्देश्य दंडात्मक व्यवस्था से हटकर भरोसे पर आधारित शासन को बढ़ावा देना है, जिससे व्यवसाय करने में आसानी हो और अदालतों पर अनावश्यक बोझ भी कम हो। >14

ट्रेनिंग में घायल कैडेट्स को क्या मिलेगा एक्स-सर्विसमैन का दर्जा?

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार से अहम सवाल पूछा कि क्या ट्रेनिंग के दौरान दिव्यांग हुए और बाद में बाहर कर दिए गए कैडेट्स को एक्स-सर्विसमैन का दर्जा दिया जा सकता है। ऐसा इसलिए ताकि उन्हें सरकारी और अर्ध-सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ मिल सके।

जस्टिस बी. वी. नागरत्ना और उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा कि सुनवाई के दौरान यह मुद्दा सामने आया कि क्या ऐसे कैडेट्स को पूर्व सैनिक माना जा सकता है। अदालत ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) से इस मुद्दे पर केंद्र का पक्ष स्पष्ट करने को कहा। यह मामला एक स्वतः संज्ञान केस के रूप में दर्ज किया गया था, जो द इंडियन एक्सप्रेस में छपी रिपोर्ट्स के आधार पर शुरू हुआ था। >14

मालदा में हाल ही में हुई घटना एक सोची समझी साजिश थी : सीएम ममता

कोलकाता, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक माहौल गरमाता जा रहा है। इसी बीच शुक्रवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। ममता बनर्जी ने कहा कि मालदा में हाल ही में हुई घटना एक सुनियोजित साजिश थी, जिसका उद्देश्य राज्य में अशांति फैलाना था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके लिए बाहर से लोगों को बुलाया गया था।

घटना की जांच सीआईडी कर रही

हाजरीपाड़ा मैदान में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया, मालदा की घटना की जांच सीआईडी कर रही है। लोगों को मुंबई से लाया गया था और पूरी योजना पहले से तैयार की गई थी। जहां एनआईए उन्हें पकड़ने में नाकाम रही, वहीं हमारी सीआईडी ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, यह घटना उस समय हुई जब बड़ी संख्या में लोग चुनावी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि करीब 1.20 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं या हटाने की प्रक्रिया में हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बीजेपी इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा किए गए बड़े पैमाने पर प्रशासनिक तबादलों पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि 506 अधिकारियों के ट्रांसफर में से 483 केवल बंगाल से हैं, जिसमें डीजीपी और मुख्य सचिव जैसे अहम पद भी शामिल हैं। ममता बनर्जी ने मतदाताओं, खासकर महिलाओं से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि मतदान के दिन झाड़ू लेकर निकलें और वोट के जरिए जवाब दें।

पति ने फोन नहीं उठाया तो पत्नी ने दे दी जान

करनाल, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल में नई नवेली दुल्हन ने मौत को गले लगा लिया। लगभग पांच महीने पहले उसने अपनी पसंद के लड़के से लव मैरिज की थी। मामूली सी बात पर पत्नी ऐसा खौफनाक कदम उठा लेगी शायद पति ने सपने में भी नहीं सोचा होगा। मृतका की पहचान महक के तौर पर हुई है। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना करनाल के मोती नगर की है। जानकारी के अनुसार मृतका महक का पति दीपक प्राइवेट गाड़ी का चालक है। बीती रात महक बार-बार पति दीपक को फोन कर रही थी। दीपक काम से वापस घर लौट रहा था। महक के बार बार फोन करने पर दीपक ने कुछ देर के लिए उसका नंबर ब्लॉक कर दिया।

खरगे ने हेट स्पीच मामले में अदालत के अधिकार क्षेत्र पर उठाए सवाल

रिविजन याचिका का जवाब किया दाखिल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उनके खिलाफ दायर रिविजन याचिका में अपना जवाब दाखिल करते हुए न केवल सभी आरोपों को खारिज किया है, बल्कि अदालत के अधिकार क्षेत्र पर भी सवाल खड़े किए हैं।

यह मामला अप्रैल 2023 में कर्नाटक की एक चुनावी रैली में हेट स्पीच से जुड़ा है। राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत में दाखिल अपने जवाब में खरगे ने कहा कि यह रिविजन याचिका उस आदेश के खिलाफ है, जो तीस हजारी कोर्ट के मजिस्ट्रेट ने पारित किया था, ऐसे में इस पर सुनवाई का अधिकार उसी अदालत को होना चाहिए, न कि विशेष अदालत को।

उन्होंने दलील दी कि विशेष अदालत को केवल सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों की सुनवाई का अधिकार है, उसे रिविजन याचिकाओं पर अधिकार प्राप्त नहीं है।

अमृतसर में बड़ी आतंकी साजिश नाकाम; आईईडी सहित आरोपी गिरफ्तार

अमृतसर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर देहात क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध व्यक्ति को आईईडी सहित गिरफ्तार कर संभावित आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के संपर्क में था और पंजाब में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहा था। पुलिस के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति आईईडी को ठिकाने लगाने के इरादे से घूम रहा है। यह भी जानकारी सामने आई कि उक्त विस्फोटक उपकरण रमदास इलाके से उठाया गया था।

अब शनिवार को छुट्टी पर रहेंगे वकील

हाई कोर्ट बार एसोसिएशन का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने फैसला लेते हुए घोषणा की कि उसके सदस्य हर महीने के पहले और तीसरे शनिवार को छुट्टी पर रहेंगे। यह फैसला उस व्यवस्था के विरोध में लिया गया जिसमें दिल्ली हाई कोर्ट ने इन शनिवारों को कार्य दिवस घोषित किया। बार एसोसिएशन ने सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव में कहा कि हाई कोर्ट से कई बार इस फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया गया लेकिन कोई बदलाव नहीं किया गया। इसके बाद कार्यकारिणी समिति ने यह कदम उठाया। प्रस्ताव के मुताबिक, वकीलों ने शनिवार की सुनवाई से जुड़ी कई व्यावहारिक कठिनाइयों की ओर ध्यान दिलाया। इनमें अन्य अदालतों, मध्यस्थता कार्यवाही और दिल्ली से बाहर की अदालतों में पेशी के कार्यक्रम प्रभावित होना शामिल है। एसोसिएशन ने यह भी कहा कि इस व्यवस्था से मामलों की तैयारी मुवक्किलों से मुलाकात और समग्र पेशेवर दक्षता पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

सुरक्षा बलों की कार्रवाई में तीन बंकर नष्ट
बड़ी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद बरामद

इंफाल, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को राज्य के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय कार्रवाई कर कई हथियार, गोला-बारूद और अन्य संदिग्ध सामग्री बरामद की। इसके साथ ही तीन बंकर भी नष्ट किए गए हैं। सबसे पहले उपोकपी खुनौ मामंग लेइकाई और इसके आसपास के लोकटक लेक एरिया (बिष्णुपुर-पीएस, बिष्णुपुर जिले) से सुरक्षा बलों ने पिस्टल, तीन कारतूस, एक सिंगल बैरल गन, एक हैंड ग्रेनेड, पांच कार्ट्रिज और एक ब्लैंक राउंड बरामद किया।

इसी दिन, इम्फाल ईस्ट जिले के सागोलमांग-पीएस के सटांग हिल रेंज में सुरक्षा बलों ने तीन बंकरों को नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई इलाके में सुरक्षा और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के उद्देश्य से की गई। इसके अलावा, टेंग्नौपाल जिले के मोरेह पीएस के होमगार्ड वेंग एरिया से लगभग 3.15 किलोग्राम वजन वाली तीन पैकेट डब्ल्यूवाई टैबलेट्स भी जब्त की गई। चुराचंदपुर जिले के डम्पी रिज इलाके से सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया।

इनमें दो 12-बोर राइफल, दो फ्रंट-लोडेड सिंगल-बैरल राइफल, एक मॉडिफाइड एके-47, दो 9एमएम पिस्टल, तीन अलग-अलग हथियारों के मैगज़ीन, चार पंपी, 81 कारतूस, दो बुलेटप्रूफ जैकेट, दो वॉकी-टॉकी और 1 किलो पंपी एक्सप्लोसिव पेलेट्स शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने राज्य के हिल और वेली क्षेत्रों में लगातार खोज व क्षेत्रीय प्रभुत्व बनाए रखने के लिए ऑपरेशन जारी रखा है। इस दौरान एनएच-37 पर आवश्यक वस्तुओं से भरे 290 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा काफिला प्रदान किया गया। राज्यभर में कुल 116 नाका/चेक पोस्ट लगाए गए, जिसमें हिल और वेली दोनों क्षेत्र शामिल थे।

चक्का जाम, डीएल रिन्यू में देरी या झूठा अलार्म देना अब जुर्म नहीं

आम आदमी की जिंदगी आसान करेगा जन विश्वास बिल

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। कभी ड्राइविंग लाइसेंस रिन्यू कराने में देरी, कभी जन्म-मृत्यु की सूचना देने में चूक, या फिर किसी विरोध में सड़क जाम।अब तक ऐसी छोटी-छोटी गलतियां भी आपको अपराधी बना सकती थीं। लेकिन अब यह तस्वीर बदलने जा रही है। संसद से पास हुआ जन विश्वास (संशोधन) विधेयक 2026 कानून के उस पुराने ढांचे को बदलने की कोशिश है, जहां हर गलती का जवाब जेल से दिया जाता था। अब सरकार 'सजा' की जगह 'सुधार' पर जोर देती दिख रही है।

इस विधेयक के तहत 79 केंद्रीय कानूनों के 784 प्रावधानों में संशोधन किया गया है, जिनमें से 700 से ज्यादा छोटे अपराधों को पूरी तरह डिक्रिमिनलाइज कर दिया गया है। यानी अब ये अपराध नहीं माने जाएंगे, बल्कि अधिकतर मामलों में जुर्माना या चेतावनी जैसे विकल्प अपनाए जाएंगे। सरकार का मानना है कि इससे आम आदमी को राहत मिलेगी और न्याय व्यवस्था पर अनावश्यक दबाव भी कम होगा। इस बदलाव का असर सीधे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ेगा। अब ड्राइविंग लाइसेंस एक्सपायर होने के बाद 30 दिन तक वैध रहेगा, यानी मामूली देरी पर आप अपराधी नहीं बनेंगे। राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाने जैसे मामलों में जेल का प्रावधान खत्म कर दिया गया है और इसे जुर्माने तक सीमित कर दिया गया है। इसी तरह आग का झूठा अलार्म देने, जन्म-मृत्यु की सूचना में देरी या बिजली नियमों के उल्लंघन जैसे मामलों में भी जेल की सजा हटाई गई है।

यह कानून छोटे कारोबारियों के लिए भी राहत लेकर आया है। पहले जहां कॉस्मेटिक्स के नियमों के उल्लंघन पर जेल हो सकती थी, अब केवल जुर्माना लगेगा। इससे खासकर एमएसएमई सेक्टर को फायदा मिलने की उम्मीद है, जो अक्सर जटिल नियमों और सख्त दंड के कारण दबाव में रहता था। हालांकि, इस बदलाव को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि इससे कानून का डर कम हो सकता है और लोग जुर्माना भरकर नियमों को हल्के में लेने लगेंगे। वहीं सरकार का तर्क है कि यह कदम न्याय व्यवस्था को ज्यादा मानवीय और व्यावहारिक बनाने की दिशा में है। कुल मिलाकर, जन विश्वास बिल सिर्फ कानूनों में बदलाव नहीं है, बल्कि शासन के नजरिये में बदलाव का संकेत है,

ढोंगी तांत्रिक अशोक खरात केस में नया मोड

रूपाली चाकणकर के परिवार का भी डार्क कनेक्शन

तांत्रिक अशोक खरात — अध्यक्ष रूपाली चाकणकर

मुंबई, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र का ढोंगी तांत्रिक अशोक खरात केस कई मोड लेता जा रहा है। राज्य की राजनीति में हलचल मचाने वाले कथित ढोंगी बाबा अशोक खरात के मामले ने अब बेहद गंभीर और विस्फोटक मोड़ ले लिया है। राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रूपाली चाकणकर को इस मामले के चलते अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था, और अब उनके परिवार के सदस्यों के 'डार्क कनेक्शन' भी सामने आ गए हैं। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि प्रतिभा गणेश चाकणकर (रुपाली चाकणकर की बहन) के नाम पर मौजूद एक संदिग्ध बैंक खाते से लगभग 40 से 50 करोड़ रुपये के चौंकाने वाले लेन-देन हुए हैं। विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा किए गए इस खुलासे से चाकणकर परिवार पूरी तरह से मुश्किलों में घिर गया है।

अब इस ढोंगी बाबा के आर्थिक साम्राज्य में और कितने बड़े नेताओं के नाम सामने आएंगे, इस पर पूरे महाराष्ट्र की नजरें टिकी हुई हैं। बता दें कि ढोंगी तांत्रिक अशोक खरात केस महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक बड़ा केस है। इसमें अशोक खरात नामक एक व्यक्ति पर महिलाओं के साथ दुष्कर्म और ठगी का आरोप है। खरात खुद को तांत्रिक और धार्मिक नेता बताता था और महिलाओं को अपने जाल में फंसाकर उनके साथ शारीरिक शोषण करता था।

भीषण सड़क हादसे ने छीन ली दो परिवारों की खुशियां तेज रफ्तार बोलेरो दीवार से टकराई, 2 की मौत; 4 घायल

बैतूल, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बैतूल में एक भीषण सड़क हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। तेज रफ्तार बोलेरो के अनियंत्रित होकर दीवार से टकराने से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। टीआई देवकरण डहरिया ने बताया कि परासिया स्टेट हाईवे पर स्थित कोतवाली थाना क्षेत्र के गौठाना इलाके में करीब 11:15 बजे एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई। यहां एक बोलेरो जीप अचानक नियंत्रण खो बैठी और मन मंदिर लॉन की दीवार से जा भिड़ी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में अर्जुन नगर निवासी 25 वर्षीय प्रफुल्ल अनिल ठोके और पुनीत ठाकरे की मौत हो गई। दोनों युवक घटनास्थल पर ही दम तोड़ बैठे। वहीं पप्पू प्रजापति (23), राजू यादव (26), अभिषेक वडिवा (26) और 14 वर्षीय संगम राठौर घायल हो गए। घायलों में से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है,

असम विधान सभा चुनाव में कांग्रेस ने झोंकी ताकत

जारी किया चुनावी घोषणा पत्र महिलाओं को 50 हजार देने का ऐलान!

नेता सुप्रिया श्रीनेत

गुवाहाटी, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। असम विधानसभा की 126 सदस्यीय सीट के लिए 9 अप्रैल को मतदान होगा। ऐसे में कांग्रेस पार्टी और भाजपा दोनो प्रचार में पूरी तकत झोक दी है। इसी कड़ी में कांग्रेस पार्टी की नेता सुप्रिया श्रीनेत ने असम विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार किया। इस दौरान कांग्रेस का आज घोषणापत्र जारी हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी पांच गारंटी पहले ही जारी हो चुकी हैं।

असम में हमने महिलाओं के खातों में 50 हजार रुपये का ऋण डालने की बात की है, वृद्धावस्था पेंशन को 1250 रुपये करने की बात की है, एक मंत्रालय बनाने की बात की जा रही है। हम जमीन के पट्टे की बात कर रहे हैं जिसमें 10 लाख लोगों को फायदा पहुंचेगा और हम जुबीन गर्ग के लिए न्याय की बात कर रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि असम में भ्रष्ट सरकार है जिसने पिछले 5 से 10 सालों में केवल जुमले दिए हैं और कोई भी काम नहीं किया है।

जरूरी है कि इस जुमलेबाज सरकार की कलई खोली जाए। आप को बता दें कि असम में हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में बीजेपी की सरकार है। यहां पर कांग्रेस पार्टी अपनी वापसी की राह तलाश रही है। असम कांग्रेस की कमान गौरव गोगोई के हाथों में है। हालांकि 126 सदस्यीय असम विधानसभा के लिए मतदान एक चरण में 9 अप्रैल को होगा जबकि वोटों की गिनती 4 मई को होगी। फिलहाल 4 मई को ही ये साफ होगा कि सत्ता में भाजपा कब्जा पर रहेगी या फिर कांग्रेस पार्टी वापसी करेगी।

पत्नी को धक्का देकर नीचे गिराया फिर पैर से कुचल दी गर्दन... इस बात को लेकर हुई थी लड़ाई

बेंगलुरु, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु से एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां 34 वर्षीय काव्या की उसके पति दरियाप्पा ने कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर डाली। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, हत्या की वजह आर्थिक विवाद और पति का अनैतिक व्यवहार बताया जा रहा है।

मामला नागासंद्रा (पीन्या पुलिस थाना क्षेत्र) का है। दरियाप्पा नामक शख्स शहर में ठेकेदारी का काम करता है। वो हाल ही में घर पर 2 लाख रुपये लेकर आया था। काव्या इन पैसों को अपने भाई को देना चाहती थी, जिसका दरियाप्पा कड़ा विरोध कर रहा था। विवाद इतना बढ़ा कि दरियाप्पा ने गुस्से में आकर पहले तो काव्या को धक्का देकर नीचे गिरा दिया। फिर उसकी गर्दन को अपने पैरों से कुचल दिया, जिससे काव्या की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका के परिचित वेंकटचलैया ने दरियाप्पा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वो अन्य महिलाओं के प्रति आकर्षित था। अक्सर काव्या को दूसरी लड़कियों के साथ अपनी तस्वीरें दिखाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था।

अरहामा एनकाउंटर पर राज्यपाल मनोज सिन्हा ने दिए मजिस्ट्रेट जांच के आदेश

परिवार ने राशिद को बताया निर्दोष

सीएम उमर अब्दुल्ला

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा

जम्मू, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर में सुरक्षाबलों ने 1 अप्रैल को गंदरबल जिले के अरहामा में एक शख्स का एनकाउंटर किया था, जिसकी पहचान राशिद अहमद मुगल के तौर पर हुई है। सुरक्षा बलों ने राशिद को आतंकी बताया है तो वहीं परिवार का आरोप है कि ये एक फर्जी एनकाउंटर है, जिसमें निर्दोष को मार दिया गया। इस मामले में अब जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिंहा ने फर्जी एनकाउंटर में जांच बुलाई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि मैंने अरहामा, गांदरबल की घटना की गहन और निष्पक्ष मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। यह जांच घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि न्याय मिले।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने भी की थी जांच की मांग

इस मामले पर सीएम उमर अब्दुल्ला ने 2 अप्रैल को कहा था कि मेरा मानना है कि परिवार के दावे को सीधे-सीधे खारिज नहीं किया जाना चाहिए। कम से कम ये मुठभेड़ की एक पारदर्शी और समय-सीमा के भीतर जांच होनी चाहिए और इससे जुड़ी जानकारी को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कहा था कि जांच की घोषणा को टालने या उसमें देरी करने का कोई भी प्रयास केवल विश्वसनीयता को ही नुकसान पहुंचाएगा और ये किसी के भी हित में नहीं है।

महबूबा मुफ्ती का आरोप

महबूबा मुफ्ती ने इस मामले पर कहा कि आरोप लग रहे हैं कि गांदरबल एनकाउंटर फर्जी है। उन्होंने मीडिया से कहा कि दो दिन पहले अरहामा में एक एनकाउंटर हुआ था, जिसमें 29 साल का एक नौजवान राशिद मुगल मारा गया था। आरोप हैं कि यह एक फर्जी नकाउंटर है। सेना ने पहले कहा था कि वह एक विदेशी आतंकवादी था, लेकिन बाद में कहा कि वह स्थानीय था और आतंकवाद से जुड़ा हुआ था। उन्होंने कहा कि वह एक अनाथ था और एक एनजीओ चलाता था। उन्होंने उसका शव परिवार को नहीं दिया, बल्कि उसे बारामूला में दफना दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि हमारे नौजवानों के साथ यही हो रहा है।

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने जारी किया एक और वीडियो

कहा- खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूं

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। जब भी मुझे संसद में बोलने का मौका मिलता है, मैं जनता के मुद्दे उठाता हूं। और शायद मैं ऐसे विषय उठाता हूं, जो आमतौर पर संसद में नहीं उठाए जाते। लेकिन क्या जनता के मुद्दे उठाना कोई अपराध है? क्या मैंने कोई अपराध किया है? क्या मैंने कोई गलती की है? क्या मैंने कुछ गलत किया है?

मैं यह सवाल इसलिए पूछ रहा हूं क्योंकि आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय से कहा है कि राघव चड्ढा को संसद में बोलने से रोका जाए। जी हां, आम आदमी पार्टी ने संसद को सूचित किया है कि राघव चड्ढा को संसद में बोलने की अनुमति न दी जाए। अब कोई मुझे बोलने से क्यों रोकना चाहेगा? जब भी मैं बोलता हूं, मैं देश के आम आदमी की बात करता हूं। एयरपोर्ट पर महंगे खाने का मुद्दा, जोमैटो-ब्लिंकिट डिलीवरी राइडर्स की समस्या, खाने में मिलावट का मुद्दा, टोल प्लाजा पर बैंक चार्जेज की लूट, मिडिल क्लास पर टैक्स का बोझ, कंटेंट क्रिएटर्स पर स्ट्राइक का मुद्दा, टेलीकॉम कंपनियों द्वारा 12 महीनों में 13 बार रिचार्ज कराने का मुद्दा, डेटा रोलओवर का मुद्दा, रिचार्ज के बाद इनकम बंद होने का मुद्दा-मैंने ये सभी मुद्दे संसद में उठाए हैं। और इन मुद्दों को उठाने के बाद देश के आम आदमी को फायदा हुआ। लेकिन इससे पार्टी के आम आदमी को क्या फायदा हुआ? कोई मुझे बोलने से क्यों रोकना चाहेगा? कोई मेरी आवाज क्यों दबाना चाहेगा? खैर, आप लोग मुझे असीम प्यार देते हैं।

जब भी मैं आपके मुद्दे उठाता हूं, आप मेरा समर्थन करते हैं, मेरी सराहना करते हैं, मुझे प्रोत्साहित करते हैं। मैं आपका धन्यवाद करना चाहता हूं। इसी तरह मेरा हाथ थामे रखिए और मेरा साथ दीजिए। मुझे मत छोड़िए। मैं आपके साथ हूं और आपके लिए हूं। और जिन्होंने संसद में बोलने का मेरा अधिकार छीन लिया, मेरी आवाज को दबा दिया, मैं उनसे भी कुछ कहना चाहता हूं। मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझिए। मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझिए। मैं वह नदी हूं, जो समय आने पर बाढ़ बन जाती है।

नाबालिग दुष्कर्म मामले में जांच अधिकारी को फटकार

जम्मू फास्ट ट्रैक कोर्ट का कड़ा रुख, जांच जल्द पूरी करने के निर्देश

जम्मू, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। फास्ट ट्रैक कोर्ट जम्मू ने नाबालिग दुष्कर्म मामले की जांच में लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए जांच अधिकारी को फटकार लगाई है। अदालत ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर जांच पूरी नहीं की गई तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की होगी। यह मामला स्पेशल जज फास्ट ट्रैक कोर्ट अमरजीत सिंह लंगेह के समक्ष सुनवाई के लिए पेश हुआ, जिसमें उन्होंने यह टिप्पणी की। इस संदर्भ में बिश्नाह पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता और पाक्सो एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आरोपित अर्जुन लखोत्रा उर्फ बालू निवासी डिग्याना पुली, जो मौजूदा समय टिंडे खुर्द, बिश्नाह में रह रहा है, को सुनवाई के दौरान वर्चुअल माध्यम से अदालत में पेश किया गया। अदालत में पुलिस की ओर से पेश हुए पब्लिक प्रासिक्यूटर जोगिंद्र लाल पेश हुए, जिन्होंने आरोपित की पंद्रह दिन की न्यायिक हिरासत की मांग की।

एमपी में 400 का खाना अब 800 तक पहुंचा

नाश्ता 10 रुपए तक महंगा, रीवा में पीने के पानी के भी बढ़ें दाम

इंदौर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। एमपी में एलपीजी की किल्लत और पीएनजी दरों में बढ़ोतरी का असर अब सीधे आम लोगों की थाली पर दिखने लगा है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच महंगाई और तेज हुई है। इंदौर और जबलपुर में नाश्ते के दाम बढ़ गए हैं, वहीं ग्वालियर और रीवा में ड्रायफ्रूट से लेकर पीने का पानी तक महंगा हो गया है, जिससे आमजन की परेशानी बढ़ती जा रही है। इंदौर में 56 दुकान, सराफा बाजार और अन्य चाट-चौपाटियों पर खाने-पीने की चीजों के दाम 1 से 10 रुपए तक बढ़ गए हैं। पोहा, चाय, समोसा, कचोरी से लेकर चाइनीज आइटम तक महंगे हो गए हैं। इसका सीधा असर ग्राहकी पर भी पड़ा है।

शहर के फूड हब 56 दुकान और सराफा बाजार में रेट बढ़ोतरी के बाद दुकानों पर ग्राहकों की संख्या में कमी देखने को मिल रही है। होटल और स्टॉल संचालकों का कहना है कि बढ़ती लागत के कारण दाम बढ़ाना मजबूरी हो गया है। ग्राहकों के मुताबिक, जहां पहले 400-500 रुपए में दो लोगों का खाना हो जाता था, अब वही खर्च 700-800 रुपए तक पहुंच गया है। मिडिल क्लास परिवारों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ा है। पहले जहां लोग हफ्ते में 2-3 बार बाहर खाना खाते थे, अब यह घटकर एक बार या उससे भी कम हो गया है। 56 दुकान स्थित विजय चाट हाउस के संचालक मृदुल ठाकर ने बताया कि इस बार रॉ मटेरियल के दाम में तेजी के कारण हमें खाने की चीजों के दाम 1 से 3 रुपए तक बढ़ाना पड़े हैं। मधुरम स्वीट्स के संचालक श्याम शर्मा ने कहा कि सभी वस्तुओं के दाम बढ़ने के कारण हमें अपने यहां 5 से 7 प्रतिशत तक दाम बढ़ाने पड़े हैं 7 जॉनी हॉट डॉग के संचालक ने बताया कि पहले हॉट डॉग 30 रुपए में दे रहे थे, लेकिन अब इसके दाम बढ़ाकर 35 रुपए किये गए है।

56 दुकान पर जो पानी पुरी 30 रुपए प्लेट मिल रही थी, उसके दाम बढ़कर 40 रुपए हो गए हैं। अनूप नगर स्थित पार्श्वनाथ रेस्टोरेंट के संचालक हितेश जैन ने बताया कि पहले मूंगफली तेल का डिब्बा 2600 रुपए में आ रहा था। लेकिन यही तेल अब 3100 से 3200 रुपए में मिल रहा है।

इसके चलते हमें नाश्ते के दाम में 5 रुपए बढ़ाना पड़े हैं। उत्साह होटल के संचालक राजेंद्र धनोतिया ने बताया कि दाल, तेल, मसाले और गैस सभी महंगे हो गए हैं। कच्चे माल की लागत 20-25% तक बढ़ चुकी है। कुछ आइटम्स के दाम बढ़ाने पड़े हैं, हालांकि हम पूरी तरह कीमत नहीं बढ़ाना चाहते। वहीं होटल संचालक रवि देवांग का कहना है कि सिलेंडर की कमी के कारण परेशानी बढ़ गई है।

सु वि चा र

सवाल घमंड का नहीं
इज्जत का है,
कोई अगर लहजा बदले
तो हम रास्ते बदल देते है!

कांग्रेस सरकार जनता कल्याण और विकास को प्राथमिकता दे रही है : विवेक

टीपीसीसी अध्यक्ष राज्यभर में पार्टी गतिविधियों को सुदृढ़ करने के लिए दौरे पर

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम और खनन मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार व्यापक कार्यक्रमों को लागू कर रही है, जिनका स्पष्ट ध्यान जनता कल्याण और विकास पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य भर में कई कल्याण योजनाएं सफलतापूर्वक लागू की जा रही हैं। मंत्री ने कहा कि पार्टी नेतृत्व सक्रिय रूप से प्रत्येक जिले का दौरा कर लोगों की समस्याओं को समझ रहा है, और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ राज्यभर में पार्टी गतिविधियों को सुदृढ़ करने के लिए दौरे पर हैं। विवेक ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के दौरान मंचेरियल जिले के लिए निर्धारित डीएमएफटी निधियों का अन्य क्षेत्रों में हस्तांतरण किया गया था, लेकिन वर्तमान कांग्रेस सरकार ने सुनिश्चित किया है कि ये निधियां पूरी तरह से मांचेरियल जिले को आवंटित हों। उन्होंने पिछली सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि बड़े भवन मुख्यतः आयोगों के लिए बनाए गए थे, न कि जनता के लाभ के लिए। मंत्री ने यह भी बताया कि इंदिराम्मा हाउसिंग योजना और 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी योजनाएँ सीधे गरीबों को लाभ पहुंचा रही हैं। उन्होंने कहा कि इंदिराम्मा घर केवल चेनूर में ही नहीं बल्कि सिद्दीपेट में भी स्वीकृत किए गए हैं। विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि कई कल्याण कार्यक्रम लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर लागू किए जा रहे हैं, और हाल के राज्य बजट में पर्याप्त निधियाँ आवंटित की गई हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राजीव युवा विकासम योजना जल्द ही लॉन्च की जाएगी। मंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों को जनस्तर तक पहुंचाएं और लोगों को विस्तार से समझाएं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जो लोग इसे सुदृढ़ करने में काम करेंगे, पार्टी उन्हें समर्थन और पहचान देगी। विवेक ने आगे कहा कि पिछली सरकार के दौरान भारी उधारी लेने के बावजूद वित्तीय दबाव के बावजूद वर्तमान प्रशासन जनता कल्याण पर ध्यान केंद्रित कर शासन जारी रख रहा है। कालेश्वरम परियोजना पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि लाखों करोड़ खर्च होने के बावजूद इसके परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहे। यह परियोजना विफल रही है। यह कार्यक्रम क्यातनपल्ली नगरपालिका में स्थित एक गार्डन में आयोजित किया गया, जिसमें टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव, तेलंगाना कांग्रेस सहप्रभारी व एआईसीसी सचिव सचिन सावंत, मंचेरियल विधायक प्रेम सागर राव और अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से एनडीडीबी चेयरमैन ने की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से जुबली हिल्स स्थित उनके आवास पर नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) के चेयरमैन डॉ. मीनश शाह और मदर डेयरी, दिल्ली के चेयरमैन जयतीर्था चारी ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य में डेयरी उद्योग के विकास को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, किसानों की आय में वृद्धि और डेयरी क्षेत्र को सशक्त बनाने से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर भुवनगिरि के सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी, आलेर के विधायक एवं सरकारी व्हिप बीरा इलैय्या, राज्य डेयरी डेवलपमेंट कोऑपरेटिव फेडरेशन के चेयरमैन गुत्ता अमित रेड्डी, प्रिंसिपल सेक्रेटरी इलाम्बर्ती और मदर डेयरी के चेयरमैन मधुसूदन रेड्डी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जीएचएमसी से 17,957 निर्माण और लेआउट अनुमतियां जारी की

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी ने बताया कि बिल्डिंग परमिट, ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट और लेआउट अनुमतियों को बिल्डनाऊ पोर्टल के माध्यम से प्रोसेस किया जा रहा है। इस संबंध में शुक्रवार को एक आधिकारिक घोषणा जारी की गई। बिल्डनाऊ पोर्टल को मार्च 2025 में मुख्यमंत्री द्वारा औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया था। पोर्टल के माध्यम से आवेदन इंस्टेंट रजिस्ट्रेशन, इंस्टेंट अप्रूवल और सिंगल विंडो प्रणाली के तहत समीक्षा करके अनुमतियां दी जा रही हैं। निर्माण अनुमतियों में कुल 15,536 निर्माण अनुमतियां जारी की गईं, जिनमें 12,014 इंस्टेंट अप्रूवल के तहत, 2,515 सिंगल विंडो के तहत, 972 इंस्टेंट रजिस्ट्रेशन के तहत, इसके अलावा 29 लेआउट अनुमतियाँ जारी की गईं। पिछले वित्तीय वर्ष में 2,427 ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट जारी किए गए। निर्माण अनुमतियों और ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट के माध्यम से कुल 1,172.08 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले वर्ष के 1,138.44 करोड़ रुपये की तुलना में बढ़ा है। कॉरपोरेशनवार संग्रह में सीएमसी 538.09 करोड़, जीएचएमसी 436.47 करोड़, एमएमसी 198.24 करोड़ शामिल है। जीएचएमसी ने बताया कि बिल्डनाऊ पोर्टल के माध्यम से अनुमतियों की प्रक्रिया तेज और पारदर्शी हुई है।

निजी स्कूलों में भारी फीस वृद्धि गंभीर चिंता का विषय : कविता

शिक्षकों और स्टाफ को उचित वेतन वृद्धि का लाभ नहीं

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने निजी स्कूलों में भारी फीस वृद्धि को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है और स्कूल प्रबंधन पर आरोप लगाया कि वे माता-पिता का शोषण कर रहे हैं, अचानक 30 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक फीस बढ़ा रहे हैं। शुक्रवार को तेलंगाना जागृति कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने सरकार से तुरंत फीस नियमन कानून लाने और इस कानून को पारित करने के लिए विधान सभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की। कविता ने कहा कि राज्य में लगभग 12 हजार निजी स्कूलों में लगभग 38 लाख छात्र पढ़ रहे हैं। उन्होंने इन संस्थानों की आलोचना करते हुए कहा कि ये माता-पिता पर अत्यधिक और अनुचित वित्तीय बोझ डाल रहे हैं। अतीत की राजनीतिक स्थिति याद करते हुए कविता ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पहले स्कूल फीस को नियंत्रित न करने के लिए पिछली सरकार की आलोचना की थी। अब मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी कोई कानून क्यों लागू नहीं किया गया। कविता ने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार के ढाई वर्षों से अधिक समय बीत जाने के बावजूद, फीस नियमन के मामले में कोई सार्थक प्रगति नहीं हुई है। राज्य शिक्षा आयोग की रिपोर्ट की आलोचना करते हुए उन्होंने इसे अपर्याप्त बताया और कहा कि इसमें केवल यही महत्वपूर्ण सुझाव था कि निजी स्कूलों और जूनियर कॉलेजों में फीस को नियंत्रित करने के लिए कानूनी ढांचा बनाना आवश्यक है। कविता ने चेतावनी दी कि अगर वर्तमान सरकार फीस शोषण को सहन करती रही, तो उसे पिछली सरकार जैसी आलोचना का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने सवाल उठाया कि गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार अचानक 40 प्रतिशत तक की फीस वृद्धि को कैसे सह पाएंगे, खासकर जब उनकी आय समान अनुपात में नहीं बढ़ रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि वार्षिक फीस वृद्धि को 7 प्रतिशत से 8 प्रतिशत तक सीमित किया जाना चाहिए। कविता ने स्थानीय युवाओं के लिए कॉर्पोरेट और गैर-स्थानीय निजी स्कूलों में रोजगार की कमी पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि ये संस्थान तेलंगाना के लोगों को नौकरियां देने में विफल हैं। उन्होंने कहा कि पर्याप्त फीस लेने के बावजूद, कई स्कूल शिक्षकों और स्टाफ को उचित वेतन वृद्धि या लाभ नहीं प्रदान कर रहे हैं।

आर्थिक तंगी से परेशान मजदूर ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। घाटकेसर क्षेत्र में आर्थिक परेशानी से जूझ रहे एक 50 वर्षीय व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। मृतक एम पोचैया औशापुर गांव के रहने वाले थे और सेंटरिंग मजदूर के रूप में काम करते थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने हाल ही में अपनी बेटी की शादी के लिए खर्च जुटाने हेतु अपना घर बेच दिया था। लगातार आर्थिक तंगी और कर्ज चुकाने में असमर्थता के कारण वे मानसिक रूप से परेशान रहने लगे और उन्हें शराब की लत भी लग गई थी। गुरुवार को उन्होंने अपने घर पर कीटनाशक पी लिया, जिससे उनकी मौत हो गई। घाटकेसर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रेत खनन पर बीआरएस का आरोप

सरकार पर आंकड़े छिपाने का दावा

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पर रेत खनन से जुड़े राजस्व आंकड़ों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने कहा कि सरकार भ्रामक आंकड़े जारी कर रही है और मुख्यमंत्री कार्यालय से इस पर स्पष्टीकरण मांगा है। बीआरएस प्रवक्ता मन्ने कृशांक ने बताया कि 2014 से पहले रेत से राजस्व 39 करोड़ रुपये था, जो बीआरएस सरकार में बढ़कर 2015 तक 886 करोड़ रुपये हो गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि अब रेत की कीमतें बढ़कर 1600 रुपये प्रति टन हो गई हैं, जबकि पहले इसे 645 रुपये प्रति टन के हिसाब से उपलब्ध कराया जाता था। इसके साथ ही सेवा शुल्क भी 3 रुपये से बढ़कर 100 रुपये प्रति टन तक पहुंच गया है।

बीआरएस का कहना है कि कीमतें बढ़ने के बावजूद राजस्व में उसी तरह बढ़ोतरी नहीं हुई, जिससे गड़बड़ी की आशंका है। कृशांक ने यह भी आरोप लगाया कि अब खनन और परिवहन 24 घंटे हो रहा है, जिससे पर्यावरण नियमों का उल्लंघन हो रहा है, लेकिन इसका कोई आर्थिक फायदा नहीं दिख रहा। पार्टी ने रेत माफिया की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए सरकार से पूरी जानकारी सार्वजनिक करने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की है।

भवन निर्माण से पहले जमीन की ताकत का परीक्षण करना आवश्यक : राव

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद खैरताबाद स्थित इंस्टिट्यशन ऑफ इंजीनियर्स, तेलंगाना स्टेट सेंटर में आयोजित तकनीकी सत्र 'इम्पॉर्टेंस ऑफ जियोटेक्निकल इन्वेस्टिगेशन एंड रिकमेंडेशंस' में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने भाग लिया। सत्र के दौरान रामचंदर राव ने कहा कि किसी भी भवन निर्माण से पहले जमीन की ताकत और क्षमताओं का परीक्षण करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने याद दिलाया कि हैदराबाद में पहले एक प्रमुख भवन के गिरने की घटना हुई थी, जिसके बाद साइट टेस्टिंग को अनिवार्य किया गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक डिजाइन तकनीक की मदद से बड़े और मल्टी-स्टोरी भवन तेजी से बन रहे हैं, लेकिन निर्माण की गति के बीच जियोटेक्निकल इन्वेस्टिगेशन की अहमियत नहीं भूलनी चाहिए। रामचंदर राव ने कहा कि सरकार और नगर पालिका विभागों को विशेष इकाइयाँ बनाकर प्रत्येक निर्माण में भू-संबंधित परीक्षण अनिवार्य करना चाहिए, ताकि भवनों की सुरक्षा और जीवनकाल बढ़ सके। उन्होंने भविष्य की चुनौतियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि जैसे-जैसे दुनिया ऊर्जा और युद्ध जैसी परिस्थितियों से गुजर रही है, निर्माण क्षेत्र में भी भवनों को और अधिक मजबूत और आपदा-प्रतिरोधी बनाना आवश्यक होगा। अंत में उन्होंने सभी इंजीनियर्स, अधिकारियों और निर्माण संस्थाओं से आग्रह किया कि जियोटेक्निकल इन्वेस्टिगेशन को प्राथमिकता दें और इसे अनिवार्य मानें।

सीपीआई विधायक ने सरकार पर साधा निशाना विकास कार्यों में कमी का आरोप

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार की सहयोगी सीपीआई ने विकास और जनकल्याण के मुद्दों को लेकर सरकार की आलोचना तेज कर दी है। सीपीआई विधायक कुनामनेनी सांबासिवा राव ने अपने क्षेत्र के लिए धन की कमी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि सरकार में दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प की कमी है।

कोत्तागुडेम बस स्टैंड पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि राज्य में बुनियादी ढांचे की स्थिति ठीक नहीं है। उन्होंने बताया कि 143 बस स्टैंडों के विकास के लिए करीब 700 करोड़ रुपये की जरूरत है, लेकिन सरकार पर्याप्त धन नहीं दे रही है। उन्होंने अपनी नाराजगी जताते हुए कहा कि इस स्थिति से वे काफी परेशान हैं और इसका असर उनके स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। विधायक ने कहा कि अगर उन्हें मौका मिलता तो एक साल में हालात बदल सकते थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विकास के लिए जरूरी योजना, सोच और निर्णय लेने की क्षमता सरकार में नहीं दिख रही है।

इससे पहले भी उन्होंने विधानसभा में धन जारी करने में देरी का मुद्दा उठाया था और कहा था कि वित्तीय कमी के कारण स्वीकृत कार्य भी समय पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं। साथ ही मंत्रियों के बीच तालमेल की कमी भी सामने आ रही है।

पूरे जोन में रेलवे बुनियादी ढांचे को बजट और मजबूत करने में मदद करेगा : जीएम

एससीआर के रेलवे बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रयास

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) का रेलवे नेटवर्क दक्षिण और उत्तरी भारत को जोड़ते हुए दक्षिण भारत के लिए एक मुख्य मार्ग के रूप में कार्य करता है। गूदूरु से बल्हर्षा तक का रेल मार्ग, माल परिवहन और कोचिंग ट्रेनों दोनों के लिए निरंतर प्रवाह के साथ एक ग्रैंड ट्रंक मार्ग के रूप में काम करता है। काजीपेट से सिकंदराबाद होते हुए वाड़ी तक जाने वाला रेल मार्ग भी एक उच्च घनत्व वाला नेटवर्क माना जाता है।

इस जोन का प्रमुख रेलवे नेटवर्क अत्यधिक व्यस्त है। इस व्यस्तता को कम करने और रेल आवागमन को सुगम बनाने के लिए, 2025-26 वित्तीय वर्ष में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया गया। अनुसार, जोन में कुल 194.57 किलोमीटर ट्रैक जोड़ने का काम किया गया। इसमें नए रेल मार्ग, रेलवे लाइनों का डबलिंग और ट्रिपलिंग शामिल हैं। नए रेल मार्ग में मल्लावरम- कनिगिरी: 35.93 किमी, डबलिंग-कुल 78.768 किमी, पण्यम- नंद्याल: 13.488 किमी, बासरा-नविपेट: 17 किमी, काजीपेट में बायपास लाइन: 21.46 किमी, वाड़ी में बायपास लाइन: 22.70 किमी, तांडूर में वाई कनेक्शन: 1.95 किमी, पेदापल्ली में बी बाईपास लाइन 2.17 किमी, ट्रिपलिंग-कुल 79.872 किमी, बल्हर्षा- माणिकघेर: 6.91 किमी, रिचनी रोड- बेल्लमपल्ली 9.636 किमी, बेल्लमपल्ली- मंड़मर्री 7.52 किमी, मोटुमर्री- मधीर: 5.80 किमी, महबूबाबाद- नेक्कोंडा: 30.416 किमी, खम्मम- डोर्नकल 19.59 किमी शामिल है। इसी प्रकार 2025-26 में कुल 325 किलोमीटर ट्रैक का विद्युतीकरण पूरा किया गया। जोन की निरंतर मेहनत के परिणामस्वरूप, गूदूरु से विजयवाड़ा और काजीपेट होकर बल्हर्षा तक विस्तारित प्रमुख 'ग्रैंड ट्रंक मार्ग' में तीसरी लाइन का काम लगभग पूरा हो गया है। लगभग 700 किलोमीटर का काम पूर्ण हो चुका है, केवल पेदावड्लपुडी-कृष्णा कैनाल (7 किमी), डोर्नकल- महबूबाबाद (20 किमी), और सिरपुर कागज़नगर-आसिफाबाद (11 किमी) के छोटे हिस्से शेष हैं। यह दक्षिण से उत्तर की ओर यात्री और माल परिवहन को सुगम बनाता है। इसके अलावा, इस ज़ोन के प्रमुख जंक्शन काजीपेट, वाड़ी और पेदापल्ली में बायपास लाइन का निर्माण भी रेल आवागमन को बिना किसी रुकावट के जारी रखने में सहायक है। टांडूर में बनाए गए 'वाई' कनेक्शन से तांडूर क्षेत्र से प्रारंभ होने वाले माल परिवहन और मुंबई मार्ग पर चलने वाली यात्री ट्रेन सेवाओं में सुधार हुआ है। मल्लावरम और कनिगिरी के बीच नए रेल मार्ग की स्थापना से आसपास के दूरदराज गांवों को रेलवे नेटवर्क से जोड़ा गया है और उनके विकास को बढ़ावा मिलेगा। बुनियादी ढांचे के विकास में इसी गति को बनाए रखने के लिए, पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में वर्तमान वित्तीय वर्ष (2026-27) में बजट आवंटन भी अधिक किया गया है।

पिछले वित्तीय वर्ष में 11,012 करोड़ रुपये के मूलधन व्यय (सीएपीईएक्स) की तुलना में इस वित्तीय वर्ष में 13,026 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें नई लाइनों के लिए 1,315 करोड़ रुपये, डबलिंग के लिए 5,083 करोड़, ट्रैक नवीनीकरण के लिए 1,908 करोड़, यातायात सुविधाओं के लिए 403 करोड़ और सड़क सुरक्षा कार्यों के लिए 683 करोड़ रुपये शामिल हैं। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास में विशेष रूप से निर्माण, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल, सिग्नल और टेलीकॉम और ऑपरेटिंग विभागों में ज़ोन अधिकारी और कर्मचारी सामूहिक प्रयासों के लिए सराहनीय रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में बढ़ाया गया बजट पूरे ज़ोन में रेलवे बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने में मदद करेगा। उन्होंने भविष्य में भी इसी उत्साह को बनाए रखने का निर्देश दिया।

गुड फ्राइडे पर नेताओं ने यीशु मसीह के बलिदान को किया नमन

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गुड फ्राइडे के अवसर पर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के नेताओं ने प्रभु यीशु मसीह के बलिदान को याद करते हुए लोगों को शांति और प्रेम का संदेश दिया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि प्रभु यीशु मसीह का प्रेम, कृपा और आशीर्वाद सभी पर बना रहे।

उन्होंने कहा कि मसीह का शांति, करुणा, सेवा और भाईचारे का संदेश पूरी मानवता को प्रेरित करता है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि यीशु मसीह ने मानवता के पापों से मुक्ति के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनकी शिक्षाएं आज भी प्रेम, त्याग और विश्वास का मार्ग दिखाती हैं। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर ने कहा कि गुड फ्राइडे यीशु मसीह के क्रूस पर चढ़ने की याद का दिन है, जो मानवता के लिए उनके महान बलिदान का प्रतीक है। पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि यीशु मसीह का बलिदान प्रेम और करुणा का सर्वोच्च उदाहरण है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस दिन आत्मचिंतन करें और उनके संदेश को अपने जीवन में अपनाएं।

IN THE HON'BLE COMMERCIAL APPELLATE COURT, CHIRANG AT KAJALGAON

DATE FIXED: 06-04-2026

NOTICE TO SHOW CAUSE

Misc.(J) Case No. 05/2026

[Arising out of Misc. Appeal No .... /2026]
[In connection with Misc. Arbitration No. 01/2020]

Petitioner-Appellant:- Indian Oil Corporation Limited, [Bongaigaon Refinery]

-Vs-

Opp. Party-Respondent:- M/S ECI Engineering & Construction Co. Ltd.

To,

1. M/S ECI Engineering & Construction Company Limited, Having its Registered Office at Plot No. A-12 & 13, Panchavati Township, Manikonda, Rajendranagar, Mandal (R.R. Dist.), Hyderabad, Telangana, PIN-500089.
2. M/S ECI Engineering & Construction Company Limited, Having its Registered Office at Plot No. 70, 3rd Floor, Anshu Colors, Road No. 1, Jubilee Hills, Hyderabad, Telangana, PIN-500033.

Whereas, the Petitioner-Appellant has filed an Appeal against the Judgment and Order dtd. 04.06.2025 (finally pronounced on 02.07.2025 on being rectified and corrected) passed by Ms. Syeda Sabina Afzal Zinnat, Ld. Judge, Commercial Court-cum-Civil Judge (Sr. Divn.), Chirang at Kajalgaon in Misc. Arbitration No. 01/2020 along with a Petition under Order 41 Rule 3-A read with Sec. 5 of the Limitation Act and also read with Sec. 151 of CPC for condonation of delay in filing the appeal.

You, the Opp. Party-Respondent, are hereby directed to appear before this Court either in person and/or through your appointed Advocate/Pleader on **06th day of April, 2026 at 10 O'clock in the forenoon** and to submit your written objection, if any, showing cause as to why the Petition for condonation of delay in filing the appeal shall not be allowed.

Take notice that if no appearance is made on your behalf by yourself/Your Pleader/Advocate and submit your written objection, if any, on the day and time before mentioned, the matter shall be heard ex-parte and be decided in your absence.

Given under my HAND & the SEAL of the Court, this 17th day of March, 2026.

Judge, Commercial Appellate
Court-cum-District Judge, Chirang

By Order
Chief Administrative Officer
District & Sessions Judge's Office
Chirang, Kajalgaon

IN THE HON'BLE COMMERCIAL APPELLATE COURT, CHIRANG AT KAJALGAON

DATE FIXED: 06-04-2026

NOTICE TO SHOW CAUSE

Misc.(J) Case No. 06/2026

[Arising out of Misc. Appeal No .... /2026]
[In connection with Misc. Arbitration No. 02/2020]

Petitioner-Appellant:- Indian Oil Corporation Limited, [Bongaigaon Refinery]

-Vs-

Opp. Party-Respondent:- M/S ECI Engineering & Construction Co. Ltd.

To,

1. M/S ECI Engineering & Construction Company Limited, Having its Registered Office at Plot No. A-12 & 13, Panchavati Township, Manikonda, Rajendranagar, Mandal (R.R. Dist.), Hyderabad, Telangana, PIN-500089.
2. M/S ECI Engineering & Construction Company Limited, Having its Registered Office at Plot No. 70, 3rd Floor, Anshu Colors, Road No. 1, Jubilee Hills, Hyderabad, Telangana, PIN-500033.

Whereas, the Petitioner-Appellant has filed an Appeal against the Judgment and Order dtd. 04.06.2025 passed by Ms. Syeda Sabina Afzal Zinnat, Ld. Judge, Commercial Court-cum-Civil Judge (Sr. Divn.), Chirang at Kajalgaon in Misc. Arbitration No. 02/2020 along with a Petition under Order 41 Rule 3-A read with Sec. 5 of the Limitation Act and also read with Sec. 151 of CPC for condonation of delay in filing the appeal.

You, the Opp. Party-Respondent, are hereby directed to appear before this Court either in person and/or through your appointed Advocate/Pleader on **06th day of April, 2026 at 10 O'clock in the forenoon** and to submit your written objection, if any, showing cause as to why the Petition for condonation of delay in filing the appeal shall not be allowed.

Take notice that if no appearance is made on your behalf by yourself/Your Pleader/Advocate and submit your written objection, if any, on the day and time before mentioned, the matter shall be heard ex-parte and be decided in your absence.

Given under my HAND & the SEAL of the Court, this 17th day of March, 2026.

Judge, Commercial Appellate
Court-cum-District Judge, Chirang

By Order
Chief Administrative Officer
District & Sessions Judge's Office
Chirang, Kajalgaon

बुर्के वाली महिला ने पिस्टल तानकर ज्वेलरी लूटी

अयोध्या, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। अयोध्या में बुर्के वाली एक महिला ने पिस्टल तानकर ज्वेलरी शॉप से एक सोने का हार और चेन लूट लिया। दुकानदार ने उसका पीछा किया तो उसने पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। महिला दुकान के बाहर बाइक लेकर पहले से खड़े अपने साथी के साथ फरार हो गई। दुकानदारों ने लुटेरी महिला का पीछा किया, लेकिन पकड़ नहीं पाए। व्यापारियों ने पुलिस को सचूना दी। पुलिस ने क्षेत्र में घेराबंदी कर संदिग्धों की तलाश शुरू की है, लेकिन अब तक आरोपियों का सुराग नहीं लग सका। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी की फुटेज खंगाले, इसमें आरोपी भागते हुए नजर आ रहे हैं। घटना रुदौली कोतवाली क्षेत्र का है।

सम्राट चौधरी सहित जितने नाम बिहार सीएम के दावेदार सबको बड़ा झटका

ऐसा क्या करने वाली है बीजेपी?

नीतीश कुमार संग और सम्राट चौधरी विजय कुमार सिन्हा

पटना, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में खरमास के बाद नई सरकार का गठन तय माना जा रहा है। नीतीश कुमार के बाद प्रदेश के अगले मुख्यमंत्री में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का नाम टॉप लिस्ट पर चर्चा में है। उनके साथ कई और नाम ऐसे हैं बीजेपी से जिनकी चर्चा मीडिया रिपोर्ट्स में हो रही है। इस बीच पूर्व सांसद आनंद मोहन ने ऐसा बयान दिया है कि इन सभी चर्चित नामों को बड़ा झटका लगने वाला है। आनंद मोहन ने बताया है कि बीजेपी कैसे मुख्यमंत्री का चयन करेगी।

आनंद मोहन मुजफ्फरपुर पहुंचे थे। यहां मीडिया ने उनसे सवाल किया कि अगला मुख्यमंत्री आप किसे देखना चाहते हैं। इस पर उन्होंने कहा, हमारे-आपके देखने से क्या होगा। बीजेपी में पर्ची निकलती है। सभी जानते हैं। किसके भाग्य से कौन पर्ची निकलती है, इसका इंतजार कीजिए। आनंद मोहन ने कहा, मुख्य बात है कि आपने क्या कहकर वोट मांगा? 2025 से 30 फिर से नीतीश, यही तो नारा था। अचानक कौन सी आफत आ गई? लोग तो चाहते हैं कि आपने वादा किया (2025 से 2030 तक का) तो इसको पूरा करना चाहिए।

आनंद मोहन कहा कि अगर ये दबाव में लिया गया फैसला है तो जिन लोगों ने ऐसा किया है इससे जेडीयू को नुकसान तो होगा ही सबसे बड़ा भविष्य में नुकसान बीजेपी को होगा। क्योंकि जो पिछड़ा, अतिपिछड़ा, दलित और अल्पसंख्या वोट है ये बीजेपी का नहीं है। नीतीश कुमार के माध्यम से बीजेपी को मिलता रहा है। ऐसे में इसका नुकसान बीजेपी को हो सकता है। इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

बता दें कि पिछले दिनों मुजफ्फरपुर के अहियापुर में एक प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या हुई थी। इस मामले को लेकर पूर्व सांसद आनंद मोहन मुजफ्फरपुर के एसएसपी से मुलाकात करने पहुंचे थे। उन्होंने पुलिस-प्रशासन से इस हत्याकांड में शामिल दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस और एसओजी की बदमाशों से मुठभेड़

मथुरा, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। मथुरा जनपद के बरसाना थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम के साथ हुई मुठभेड़ में दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। आत्मरक्षार्थ की गई फायरिंग में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से बिना नंबर की बाइक और अवैध हथियार भी बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार, बरसाना पुलिस और एसओजी की टीम क्षेत्र में वांछित अपराधियों की तलाश में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने भरना खुर्द माइनर के पास घेराबंदी की। सहार से कमई वाले नाले की तरफ से आ रहे दो संदिग्धों को जब पुलिस ने रोकने का प्रयास किया, तो उन्होंने खुद को घिरा देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी।

'अखिलेश यादव दगा हुआ कारतूस'

यूपी चुनाव से पहले ओम प्रकाश राजभर का तंज

अखिलेश यादव और ओम प्रकाश राजभर

मऊ, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर उत्तर प्रदेश के मऊ जिले पहुंचे और जनता से मुलाकात की। यहां उन्होंने गुज्जर समाज को 'कट्टर हिंदू' और भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण का उपासक बताया। वहीं, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए उन्हें 'नास्तिक' करार दिया।

ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव को लेकर दावा किया कि कन्नौज सांसद न तो श्रीराम को मानते हैं और न ही श्रीकृष्ण को। ओपी राजभर ने कहा, जब राम मंदिर बना तो अखिलेश यादव ने जाने से इनकार कर दिया। वह मथुरा जाने से भी कतराते हैं। उनका यही इतिहास है। इसके आगे ओम प्रकाश राजभर ने कहा, गुज्जर समाज के महापुरुष मिहिर भोज की मूर्ति को गंगा जल से धोया गया। जब अखिलेश यादव से पत्रकारों ने सवाल किया तो साहब नजरे बचाने लगे।

इसी बीच ओम प्रकाश राजभर समाजवादी पार्टी पर बिफर गए और बोले, सपा को जो अहंकार है, उनके लोग उनकी सरकार नहीं बनने देंगे। लाखों यादव बीजेपी का झंडा लेकर घूम रहे हैं। उन्होंने अखिलेश यादव को 'दगा हुआ कारतूस' बताया और एनडीए की तारीफ की। एनडीए गठबंधन को लेकर ओपी राजभर ने कहा, बीजेपी अपने आप में कुब्बत है। अपने वोट की ताकत दिखाते हुए ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि बीजेपी सरकार में जयंत चौधरी, अनुप्रिया पटेल, संजय निषाद, ओपी राजभर।।। इन चारों नेताओं के पास कुब्बत है प्रदेश में वोट दिलाने की।

अखिलेश यादव पर फिर तंज कसते हुए ओम प्रकाश राजभर ने कहा, सपा के पास कौन सा लीडर है? कोई दिखाई नहीं देता। सरकार कहां से बनेगी? जस करनी बस भोग विधाता नर्क जात कहे पछताता। वहीं, अखिलेश यादव की रैली के बारे में जब पूछे जाने पर ओपी राजभर ने कहा कि सपा गुज्जरों का बहिष्कार कर रही है। मैंने सोशल मीडिया पर देखा, जब उनका समर्थन है तो बहिष्कार क्यों कर रहे हैं?

जब समता एक्सप्रेस के एसी कोच के पहियों से निकलने लगा धुआं-चिंगारी, आगरा में स्टेशन पर मचा हड़कंप

आगरा, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। समता एक्सप्रेस के एक एसी कोच में सुबह बिल्लोचपुरा रेलवे स्टेशन पर हाट एक्सल हो गया। 30 किमी की गति से चल रही ट्रेन के पहियों से चिंगारियां निकलने और धुआं उठने पर इसे रोकना पड़ा। रेलवे की तकनीकी टीम और आरपीएफ ने कोच की जांच की। अनहोनी के डर से बड़ी संख्या में यात्री कोच से नीचे उतर गए। ट्रेन 23 मिनट तक खड़ी रही। इस घटना के चलते गतिमान एक्सप्रेस, ताज एक्सप्रेस, होशियारपुर एक्सप्रेस सहित आधा दर्जन ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा। ट्रेन के आगरा कैंट स्टेशन पहुंचने पर फिर से कोच की जांच हुई। 32 मिनट तक ट्रेन फिर से खड़ी रही। इसके बाद आगे के लिए रवाना किया गया। नई दिल्ली से विशाखापट्टनम जा रही समता एक्सप्रेस के एसी तृतीय श्रेणी के कोच बी-5 में मथुरा स्टेशन से निकलने के बाद चिंगारियां निकलने लगीं। हाट एक्सल होने से धुआं भी उठने लगा। कोच में धुआं पहुंचनेलगा। ट्रेन को कुछ देर के लिए रोका गया फिर आगरा के लिए रवाना हो गई।

'डॉन नहीं मानता, मगर बाहुबली कहना गलत नहीं'

बृजभूषण सिंह पर बोले अवध ओझा

पूर्व नेता अवध ओझा बीजेपी

नेता बृज भूषण शरण सिंह

लखनऊ, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता और शिक्षक अवध ओझा ने आज मीडिया से बात करते हुए बीजेपी नेता बृज भूषण शरण सिंह को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 'हमारे शहर में लोग उन्हें 'बाहुबली' मानते हैं। वहीं बाबा रामदेव का जिक्र करते उन्होंने बोला कि, उसने भी कुछ लोगों ने पूछा था कि क्या वे बृज भूषण शरण सिंह को बाहुबली मानते हैं या नहीं? हालांकि, ओझा ने यह भी स्पष्ट किया कि वे उन्हें 'डॉन' नहीं मानते, लेकिन उनके व्यक्तित्व और प्रभाव को देखते हुए 'बाहुबली' कहना गलत नहीं होगा। क्योंकि बाहुबली वो होता है, जो हर बात को राजनीतिक मंच से नहीं कहता, बल्कि उसकी बातों और फैसलों का असर अपने आप दिखाई देता है।

बृज भूषण शिंह भी ऐसे ही व्यक्तित्व के आदमी हैं। ओझा ने आगे बताया कि बृज भूषण का खुद का यह मानना हैं कि जब कोई राजनेता बयान देता है और कोई बाहुबली बयान देता है तो उसमें जमीन-असमान का फर्क होता है।

'आप जहां से बोलेंगे, मैं वहां से चुनाव जीत कर आऊंगा'

ओझा ने आगे बताया कि, किसी व्यक्ति ने बृज भूषण से पूछा था कि वे किस सीट से चुनाव लड़ना पसंद करेंगे? जिस पर उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हम कहीं से भी चुनाव लड़ सकते हैं, आप जहां से बोलेंगे मैं वहां से चुनाव लड़ जाऊंगा और जीत कर भी आऊंगा। इसके बाद ओझा ने कहा कि इस तरह का आत्मविश्वास और बयान केवल एक बाहुबली ही दे सकता है। इसलिए बाहुबली के ये नाम उनके लिए बहुत अच्छा है।

बरेली उपद्रव के तीन आरोपियों को हाई कोर्ट से झटका, स्टे खारिज; होगी गिरफ्तारी

बरेली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। उपद्रव के तीन आरोपितों की हाई कोर्ट ने प्राथमिकी रद करने की याचिका को खारिज कर दिया है। याची ने तर्क दिया था कि पुलिस ने गलत मुकदमा लिखा है। तीनों आरोपितों साजिद सकलैनी, अजमल रफी और नईम कुरैशी में से साजिद सकलैनी ने स्टे और बाकी अजमल और नईम ने अग्रिम जमानत ले ली थी। कोर्ट ने साजिद का स्टे भी खारिज कर दिया है। इसके बाद से अब उनकी मुसीबतें बढ़ चुकी हैं। कानपुर के आइ लव मुहम्मद प्रकरण की आड़ में मौलाना तौकीर रजा ने शहर में 26 सितंबर को उपद्रव कराया था। उपद्रवियों ने पुलिस पर पेट्रोल बम, एसिड की बोतल फेंकी और फायरिंग की। जिसमें कई पुलिसकर्मियों को चोट लगी। उपद्रवियों ने शहर में आगजनी का प्रयास किया और तोड़फोड़ भी की थी। मामले में पुलिस की तरफ से शहर के पांच थानों में 10 मुकदमे लिखे गए। इसमें से कोतवाली में पांच, बारादरी में दो, किला प्रेमनगर और कैंट थाने में एक-एक मुकदमा लिखा गया। इसमें से दो प्रमुख मुकदमों की विवेचना क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर संजय धीर को दी गई।

विवाद के बहाने दिखी लालू परिवार की एकजुटता

रोहिणी आचार्य ने संभाली कमान

रोहिणी आचार्य

पटना, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर आयोजित लौंडा नाच को लेकर शुरू हुआ विवाद अब सियासी रंग लेने लगा है। इस कार्यक्रम का वीडियो तेजस्वी यादव ने साझा किया था। इसमें राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद भी नाच का आनंद उठाते दिख रहे हैं। वीडियो साझा किए जाने के बाद आलोचना तेज हुई, जिस पर अब रोहिणी आचार्य ने कड़ा जवाब दिया है। सिंगापुर में रह रहीं रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लंबा पोस्ट करते हुए आलोचकों को आड़े हाथों लिया।

उन्होंने कहा कि 'लौंडा नृत्य' बिहार और पूर्वांचल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा है, जिसे बिना समझे निशाना बनाया जा रहा है। रोहिणी ने अपने पोस्ट में लिखा कि यह नृत्य परंपरा सदियों पुरानी है और सामाजिक संदेश देने का एक सशक्त माध्यम रही है। उन्होंने इसे लोकप्रिय बनाने का श्रेय भिखारी ठाकुर को देते हुए कहा कि उन्होंने इस विधा के जरिए पलायन, दहेज, शराबखोरी और लैंगिक समानता जैसे मुद्दों को उठाया।

उन्होंने यह भी कहा कि जब महिलाओं के मंच पर आने पर सामाजिक पाबंदियां थीं, तब पुरुषों ने महिला वेश में यह नृत्य कर परंपरा को जीवित रखा। आज भी भोजपुरी भाषी क्षेत्रों और विदेशों खासकर कैरिबियन देशों में यह परंपरा जीवित है। रोहिणी आचार्य ने आलोचकों पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकारी मंचों पर फूहड़ गीतों पर होने वाले नृत्य पर चुप रहने वाले लोग, पारंपरिक कला पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने रामचंद्र मांझी जैसे कलाकारों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने उम्र के अंतिम पड़ाव तक इस परंपरा को जीवित रखने में योगदान दिया।

सियासी और पारिवारिक संकेत

इस पूरे घटनाक्रम के बीच लालू परिवार में रिश्तों की बदलती तस्वीर भी नजर आ रही है। हाल के दिनों में तेज प्रताप यादव की परिवार से बढ़ती नजदीकियों के साथ ही रोहिणी आचार्य की सक्रियता भी बढ़ी है। कुल मलिाकर देखें तो लौंडा नाच को लेकर शुरू हुआ विवाद अब सांस्कृतिक बनाम राजनीतिक बहस का रूप ले चुका है।

गुजारा भत्ता न देने पर लगातार हिरासत

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मांगा मथुरा फैमिली कोर्ट से जवाब

प्रयागराज, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मथुरा की फैमिली कोर्ट से उस व्यक्ति को लगातार हिरासत के बारे में स्पष्टीकरण मांगा है, जिसने गुजारा भत्ता नहीं चुकाया है। संबंधित व्यक्ति 23 मई 2025 से लगातार हिरासत में है। न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि की कोर्ट ने यह स्पष्टीकरण तब मांगा, जब वह प्रेम सिंह की क्रिमिनल रिवीजन याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

प्रेम सिंह ने मथुरा की फैमिली कोर्ट द्वारा नौ जनवरी 2026 को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 (3) के तहत पारित आदेश को चुनौती दी है। याची के वकील ने दलील दी कि किसी व्यक्ति को हिरासत से रिहा किए बिना नए आदेश जारी करके लगातार हिरासत में नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने कहा, दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125(3) के तहत वारंट जारी होने के बाद बिना चुकाए गुजारा भत्ते की राशि के लिए अधिकतम सजा एक महीने तक हो सकती है। वकील ने सुप्रीम कोर्ट के रजनीश बनाम नेहा फैसले का हवाला दिया, जिसमें यह कहा गया कि गुजारा भत्ते की राशि की वसूली एक मनी सूट (पैसे के मुकदमे) के तौर पर की जानी चाहिए। इसके लिए उसकी संपत्ति कुर्क की जा सकती है।

याची के अधिवक्ता ने इलाहाबाद हाई कोर्ट मोहम्मद शहज़ाद बनाम उत्तर प्रदेश राज्य और दो अन्य में दिए गए फैसले का भी हवाला दिया, जिसमें यह कहा गया है कि गुजारा भत्ते के आदेश को लागू करवाने के लिए नियमित गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं किए जा सकते। इन दलीलों पर संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने मथुरा की फैमिली कोर्ट के प्रिंसिपल जज को निर्देश दिया कि वह अगली सुनवाई छह अप्रैल, 2026 तक या उससे पहले इस मामले पर अपना स्पष्टीकरण पेश करें।

दिल्ली से बिहार जा रही डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर पलटी, एक दर्जन से अधिक लोग घायल

बाराबंकी, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली से बिहार जा रही डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर बाराबंकी में पलट गई। हादसे में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि ये हादसा बस का अचानक संतुलन बिगड़ने के चलते हुआ। हादसे की वजह से अफरा-तफरी मच गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हादसे की शिकार बस (यूपी 72एटी1781) में करीब 70 यात्री सवार थे। हादसे में 14 यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। किसी की मृत्यु नहीं हुई। बताया जा रहा है कि एक प्राइवेट बस हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर पलट गई। यह बस दिल्ली से सवारियां लेकर बिहार के मधुबनी जा रही थी। बीच सड़क पर बस पलटते ही मौके पर चीज पुकार मच गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए सीएचसी हैदरगढ़ में भर्ती करवाया। कई घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने बस को हटाकर यातायात बहाल किया। पुलिस ने बताया कि हादसा बस के अनियंत्रित होने के कारण हुआ। सभी घायलों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

जहरीली शराब का कहर जारी

अब तक चार लोगों की मौत, कई की हालत नाजुक

मोतिहारी, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। मोतिहारी रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा गांव में जहरीली स्प्रिट (शराब) पीने से लोगों की मौत का सिलसिला लगातार जारी है। कल एक व्यक्ति की मौत हुई थी, वहीं दो अन्य गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। इसके अलावा एक व्यक्ति की आंखों की रोशनी चले जाने की खबर ने इलाके में हड़कंप मचा दिया। मिली जानकारी के अनुसार, मृतकों की संख्या दो से बढ़कर चार हो गई है। कल जहरीली शराब पीने से चंदू की मौत हुई थी। वहीं आज सुबह तुरकौलिया थाना क्षेत्र के शंकर सरैया परसौना निवासी प्रमोद यादव, परीक्षण मांझी और हीरालाल महतो की मौत हो गई।

उनका इलाज शहर के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। सूत्रों के अनुसार, अभी भी कई लोग ऐसे हैं जो जहरीली शराब पीने से बीमार हैं और चोरी-चुपके इलाज करा रहे हैं। बताया जा रहा है कि गांव के कुछ लोगों ने शराब समझकर स्प्रिट का सेवन कर लिया। सेवन के कुछ ही देर बाद सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों ने उन्हें तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान अबतक दो लोगों की मौत हो चुकी है। अभी अन्य कई पीड़ितों का इलाज जारी है।

डॉक्टरों के अनुसार, इस जहरीली शराब के सेवन से पहले आंखों की रोशनी प्रभावित होती है। इससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। फिलहाल चिकित्सकों की निगरानी में सभी घायलों का इलाज किया जा रहा है। घटना के बाद पूरे गांव में भय और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध शराब और स्प्रिट का कारोबार चल रहा है, लेकिन इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। पुलिस प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

अधिकारियों का कहना है कि मौत के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। साथ ही अवैध शराब के कारोबार में शामिल लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर राज्य में लागू शराबबंदी कानून और उसकी प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

'सरकार नाम की कोई चीज नहीं है'

नालंदा में महिला से छेड़छाड़ की जघन्य वारदात पर भड़के पप्पू यादव

पटना, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के नालंदा जिले में एक महिला के साथ सरेआम छेड़छाड़ कर उसे सड़क पर घुमाने के मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस घटना पर सियासत तेज हो गई है। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने मामले पर प्रतिक्रिया दी है। पप्पू यादव ने कहा कि हम बच्ची के सवाल पर नालंदा जा रहे हैं। मेरे लिए वह महत्वपूर्ण है। घटना तो घटित हो चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। आरोप लगाया कि कहां क्या हो रहा है इससे सरकार को मतलब नहीं है।

नालंदा की घटना पर भड़के सांसद

उन्होंने महिला के साथ छेड़छाड़ के मामले पर कहा कि महिला के प्राइवेट पार्ट से छेड़खानी करना, भीड़ के द्वारा वीडियो बनाना दुखद है। उन्होंने आगे कहा कि समाज ज्यादा गंदी सोच का हो गया है। बार-बार कहूंगा की समाज में जिस तरीके से 80-85 प्रतिशत सूखा नशा और अश्लील वीडियो देखने की प्रवृति और फिर बेटी को बेटी न समझना, समाज के अंदर इसका विरोध न करके आनंद लेना

सांसद पप्पू यादव

यह मेरे लिए बहुत दुखद बात है। पप्पू यादव ने नेताओं पर साधा निशाना इस दौरान उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद सत्ताधारी या विपक्ष के एक भी विधायक द्वारा पीड़ित महिला से मिलने न जाना यह महादुखद है। उन्होंने आगे कहा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु वहां पहुंची थी, लेकिन बेटियों के लिए एक शब्द नहीं किया गया। बिहार में लगातार बेटियों के साथ घिनौनी हरकतें की जा रही हैं। इससे बड़ी घटना धरती पर क्या हो सकती है। उन्होंने आगे कहा कि बेटी जब कॉलेज में सुरक्षित नहीं, छात्रावास में सुरक्षित नहीं,गांव में सुरक्षित नहीं। उन्होंने आगे कहा कि नालंदा की घटना ने शर्मसार किया है। इस दौरान उन्होंने सरकार से कार्रवाई की मांग की है।

घटना का वायरल हुआ था वीडियो

घटना का एक कथित वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। यह घटना कुछ दिन पहले नूरसराय क्षेत्र में हुई थी। पुलिस द्वारा अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और मामले में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने लोगों से मामले से संबंधित कोई भी आपत्तिजनक या संवेदनशील सामग्री साझा नहीं करने की अपील की। पुलिस ने बताया कि ऐसी सामग्री प्रसारित करते पाए जाने वालों के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नालंदा के शीतला मंदिर में मची भगदड़ पर क्या कहा?

उन्होंने नालंदा के मंदिर में मची भगदड़ के मामले पर कहा कि कहा कि यह एक बार की घटना नहीं है ऐसा जहानाबाद में भी हो चुका है। बड़ी भगदड़ मची थी। देशभर में लगातार इस तरह की भगदड़ देखने को मिल रही है। मंदिर के प्रधान और प्रबंधक के जो तरीके भक्त के साथ जो लूट की प्रवृति है वह बिल्कुल अनैतिक तरीके से हो रही है। जिसका नतीजा होता है कि जल्दी दर्शन की वजह इस तरह की भगदड़ मच जाती है।

चिराग पासवान ने बताया मुख्यमंत्री पद को लेकर एनडीए में क्या चल रहा? बंगाल चुनाव को लेकर क्या कहा?

वैशाली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। वैशाली महोत्सव के समापन समारोह में पहुंचे केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बंगाल में जिस तरह एसआईआर कार्य में लगे कर्मचारियों को बंधक बनाया गया है, वह वहां की सरकार की तानाशाही को दर्शाता है। चिराग ने दावा किया कि आगामी चुनाव में पश्चिम बंगाल में डबल इंजन की सरकार बनेगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच वाली सरकार वहां स्थापित होगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं, और यह तभी संभव है जब बिहार भी विकसित होगा। ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम राज्य के विकास को गति देने में प्रेरणा देते हैं। इधर, बिहार में मुख्यमंत्री के चेहरे की घोषणा को लेकर पूछे गए सवाल पर चिराग पासवान ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के भीतर इस पर चर्चा जारी है और बहुत जल्द मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

2 सप्ताह में 3 पश्चिमी विक्षोभ दिखाएंगे असर

दिल्ली एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में बारिश-ओला गिरने के आसार

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली एनसीआर में सुबह तेज हवाओं के कारण मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया। मौसम विभाग ने पूरे उत्तर भारत में बारिश की संभावना भी जताई है। जम्मू कश्मीर में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने बताया कि आज उत्तर मध्य भारत में बारिश के साथ ओला गिरने की आशंका है। जम्मू कश्मीर, दिल्ली एनसीआर, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के आईएमडी ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में आने वाले दिनों में भी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार मौजूदा पश्चिमी विक्षोभ और अगले पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से (अगला पश्चिमी विक्षोभ 7 तारीख से असर दिखाएगा) उत्तर पश्चिम भारत में 5 अप्रैल तक बारिश हो सकती है। इसके बाद अगले पश्चिमी विक्षोभ के कारण भी बारिश होने के आसार हैं। वहीं,

दिल्ली में तेज हवा और बारिश के आसार

जम्मू कश्मीर में भारी बारिश के आसार हैं।

तापमान सामान्य से कम रहने के आसार

अरुणाचल प्रदेश में 5 और 6 तारीख को बारिश हो सकती है। पंजाब और पहाड़ी राज्यों में सामान्य से ज्यादा बारिश हो सकती है। आने वाले दो सप्ताह में तीन पश्चिमी विक्षोभ मौसम पर असर डाल सकते हैं। एक विक्षोभ एक्टिव है। दूसरा 7 तारीख से एक्टिव होगा और इसके बाद तीसरा विक्षोभ भी एक्टिव होगा। बारिश का दौर जारी रहने के कारण देश के अधिकतर हिस्सों में तापमान सामान्य से कम रहने के आसार हैं। इस वजह से कहीं भी हीटवेव की स्थिति नहीं बन रही है।

राजस्थान में कई जगह हल्की बारिश

पश्चिमी विक्षोभ के असर से बीते 24 घंटे में राजस्थान में कई जगह हल्की बारिश हुई। मौसम केंद्र के अनुसार इस दौरान सबसे अधिक 12 मिलीमीटर बारिश देवगढ़ (राजसमन्द) में हुई। वहीं, इस अवधि में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान (38.6 डिग्री सेल्सियस) चित्तौड़गढ़ में तथा सबसे कम न्यूनतम तापमान (18.2 डिग्री सेल्सियस) अलवर में दर्ज किया गया। मौसम केंद्र के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के असर से दो अप्रैल को दोपहर बाद जैसलमेर, बाड़मेर, फलोदी व बीकानेर संभाग के जिलों व आसपास के क्षेत्र में आंधी बारिश की गतिविधियों में पुनः बढ़ोतरी हो सकती है।

मौसम केंद्र ने बताया कि 3-4 अप्रैल को एक और पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव रहेगा। इससे जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में आंधी चलने व बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी हो सकती है। इसी तरह एक और पश्चिमी विक्षोभ 7-8 अप्रैल को राज्य के कुछ भागों में सक्रिय रहेगा।

झारखंड में चार अप्रैल से आंधी और बारिश की संभावना

झारखंड के 14 जिलों में चार अप्रैल से गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलेंगी। मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि चार और पांच अप्रैल को कुछ जिलों में ओलावृष्टि होने की भी संभावना है। इसमें कहा गया है, झारखंड के उत्तर-पश्चिमी और मध्य भागों में चार और पांच अप्रैल को गरज, बिजली, ओलावृष्टि और 50 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए कहा कि तूफान से प्रभावित होने वाले जिले गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, हजारीबाग, कोडरमा, रामगढ़, रांची, खूंटी, गिरिडीह, धनबाद, बोकारो और गुमला हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तेज हवाओं से खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।

उद्योग विहार की एक फैक्ट्री में लगी आग, दमकल टीम ने पाया काबू

गुरुग्राम, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। गुरुग्राम के उद्योग विहार फेज-1 स्थित प्लॉट नंबर 896 की एक फैक्ट्री में अचानक आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने बेसमेंट से ऊपरी हिस्सों तक फैलना शुरू कर दिया। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

रेस्क्यू टीम ने इमारत का शीशा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और फंसे कर्मचारियों को बाहर निकाला। इसी दौरान अंदर से तीन पुरुष और दो महिला कर्मचारी मिले, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक आग बेसमेंट से शुरू हुई, जिससे धुआं तेजी से पूरी बिल्डिंग में फैल गया।फायर टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया । आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

फतेहगढ़ साहिब में संदिग्ध हालात में महिला की मौत मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप; पुलिस जांच में जुटी

फतेहगढ़ साहिब, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले के गांव भद्दलथूआ में दो बच्चों की मां की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव और चिंता का माहौल बन गया है। प्रारंभिक तौर पर जहां इस घटना को आत्महत्या से जोड़कर देखा जा रहा है, वहीं मृतका के मायके पक्ष ने इसे हत्या बताते हुए ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतका की पहचान रूपिंदर कौर (उम्र करीब 35 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, रूपिंदर कौर का विवाह करीब 14 वर्ष पहले गांव भद्दलथूआ में हुआ था और उसके दो बच्चे हैं। घटना की सूचना मिलते ही गांव में लोगों की भीड़ एकत्र हो गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। मृतका के मायके पक्ष ने आरोप लगाया है कि रूपिंदर कौर को लंबे समय से ससुराल में प्रताड़ित किया जा रहा था।

चाचा को फोन पर कहा- 'पेपर अच्छा गया'

फिर फंदे से झूल गई होनहार सानिका, गुत्थी उलझी

नांदेड़, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के विष्णुपुरी से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां ग्रामीण तकनीकी महाविद्यालय के हॉस्टल में 19 साल की एक छात्रा का शव फासी के फंदे से लटका हुआ मिला। यह घटना बुधवार की सुबह करीब 10 बजे की बताई जा रही है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। हिमायतनगर तालुका के वाघी गांव की रहने वाली मृतका की पहचान सानिका खांडे के रूप में हुई है, जो कॉलेज में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार शाखा के द्वितीय वर्ष में पढ़ रही थी। उसका भाई भी उसी क्लास में पढ़ रहा था। घटना वाले दिन महाविद्यालय में आंतरिक परीक्षाएं चल रही थी। सानिका की परीक्षा बुधवार सुबह 8 से 9:30 बजे तक हुई थी।

परीक्षा खत्म होने के बाद वह अपनी दोस्त के साथ हॉस्टल चली गई। जानकारी के मुताबिक, सानिका हॉस्टल जाने के बाद अपने चाचा को फोन करके बताया कि परीक्षा अच्छी गई। इसके बाद दोनों दोस्त एक साथ टहलने चली गई। कुछ समय बाद दोस्त दोपहर का खाना खाने चले गए और जब वह वापस लौटे, तो उन्होंने हॉस्टल में सानिका का शव लटका हुआ पाया।

घटना की सूचना मिलते ही कॉलेज परिसर में अफरा-तफरी मच गई। कॉलेज स्टाफ ने तुरंत शव को नीचे उतारा और सरकारी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि सानिका एक बेहद होशियार और मेहनती छात्रा के रूप में जानी जाती थी। उसका सपना इंजीनियर बनने का था। उसकी अचानक मौत से उसके दोस्तों और कॉलेज के शिक्षकों में गहरा शोक का माहौल है।

मालदा कांड का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

बागडोगरा एयरपोर्ट से भागने की फिराक में था एडवोकेट मोफक्कारुल इस्लाम

मालदा, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। श्चिम बंगाल के मालदा (कालियाचक) में न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने और हिंसा भड़काने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इस पूरे कांड के मास्टरमाइंड माने जा रहे एडवोकेट मोफक्कारुल इस्लाम को बंगाल पुलिस ने शुक्रवार सुबह गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, मोफक्कारुल इस्लाम राज्य छोड़कर भागने की फिराक में था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि वह बागडोगरा एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाला है।

इससे पहले कि वह फरार हो पाता, बंगाल पुलिस की टीम ने जाल बिछाकर उसे एयरपोर्ट परिसर से ही धर दबोचा। जांच एजेंसियों का दावा है कि कालियाचक में जिस तरह से भीड़ ने सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाया और सरकारी काम में बाधा डाली, उसके पीछे मोफक्कारुल इस्लाम का ही दिमाग था। उस पर भीड़ को भड़काने और कानून व्यवस्था को चुनौती देने की साजिश रचने का गंभीर

आरोप है। यह गिरफ्तारी बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि आज ही नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की टीम मालदा पहुंचकर मामले की कमान संभालने वाली है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है ताकि इस कांड से जुड़े अन्य सहयोगियों और साजिश की गहरी परतों को खोला जा सके।

मालदा पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए अब तक इंडियन सेकुलर फ्रंट (आईएसएफ) के उम्मीदवार मौलाना शाहजहां अली सहित 17 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के पास इन आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत होने का दावा किया जा रहा है। गिरफ्तार किए गए सभी 17 आरोपियों को गुरुवार को जिला अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस का मानना है कि इन लोगों से पूछताछ के बाद इस साजिश की और भी परतें खुलेंगी।

गिरफ्तारी के बाद आईएसएफ उम्मीदवार शाहजहां अली ने खुद को बेगुनाह बताया है। कोर्ट ले जाते समय उन्होंने पत्रकारों से कहा कि उन्हें उनकी राजनीतिक पहचान के कारण बलि का बकरा बनाया जा रहा है। अली का दावा है कि घटना के वक्त वह वहां मौजूद भी नहीं थे, बल्कि एक धार्मिक कार्यक्रम से लौट रहे थे। हालांकि, पुलिस का कहना है कि उनके पास इस घटना में इन लोगों की संलिप्तता के तकनीकी और चश्मदीद सबूत मौजूद हैं।

मामला बीते बुधवार का है, जब मालदा के कालियाचक में एसआईआर का काम चल रहा था। इस दौरान कुछ लोगों के नाम लिस्ट से हटाए जाने पर भीड़ उग्र हो गई। प्रदर्शनकारियों ने तीन महिला अधिकारियों सहित कुल सात न्यायिक अधिकारियों को करीब 9 घंटे तक एक ब्लॉक ऑफिस में बंधक बनाए रखा। हैरानी की बात यह है कि इन अधिकारियों को न खाना मिला और न पानी।

सुप्रीम कोर्ट ने भी इस घटना पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए इसे न्याय प्रशासन में बाधा डालने की एक ढीठ कोशिश करार दिया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद चुनाव आयोग ने मामले की जांच एनआईए को सौंप दी है। फिलहाल, चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि बिना अनुमति के कहीं भी भीड़ इकट्ठा होने या जुलूस निकालने पर सख्त पाबंदी है। राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी को भी कोर्ट ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

आकाशीय बिजली का कहर मां और बेटी बुरी तरह झुलसीं, गांव में मचा हड़कंप

छिंदवाड़ा, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में आकाशीय बिजली के कहर से मां और बेटी झुलस गई। वहीं, दो मवेशियों की भी मौके पर मौत हो गई और दो अन्य मवेशी घायल हो गए। इधर घायल मां और बेटी को परिजनों ने जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है, जहां दोनों का इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि सेजवाड़ा निवासी 55 वर्षीय पुनियाबाई पति बृजलाल परतेती और उसकी बेटी 21 वर्षीय शोभा बुधवार शाम को घर पर काम कर रही थी।

इसी दौरान घर के समीप आकाशीय बिजली आ गिरी। बिजली गिरते ही जोरदार धमाका हुआ। पुनियाबाई और शोभा आकाशीय बिजली से झुलस गई। परिजनों ने तुरंत घायलों को अमरवाड़ा अस्पताल लाकर भर्ती कराया। प्राथमिक इलाज के बाद घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया था। जिला अस्पताल में घायल मां और बेटी इलाजरत हैं।

नरोत्तम मिश्रा को हराने वाले कांग्रेस विधायक की सदस्यता गई

अब इस सीट पर फिर होगा चुनाव?

नेता नरोत्तम मिश्रा

भोपाल, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश से कांग्रेस के विधायक राजेंद्र भारती को धोखाधड़ी के एक मामले में दोषसिद्धि के बाद राज्य विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अब माना जा रहा है कि इस सीट पर उपचुनाव का ऐलान हो सकता है। अधिकारियों ने बताया कि इस मुद्दे पर बृहस्पतिवार रात विचार-विमर्श के बाद विधानसभा सचिवालय ने दतिया सीट से भारती की सदस्यता समाप्त करने की अधिसूचना जारी कर दी। भारती ने 2023 के विधानसभा चुनाव में पूर्व गृह मंत्री एवं बीजेपी नेता नरोत्तम मिश्रा को हराया था।

अधिसूचना में दिल्ली की एक अदालत द्वारा भारती को तीन साल के कारावास की सजा सुनाए जाने का उल्लेख करते हुए दतिया सीट को रिक्त घोषित किया गया है। यह अधिसूचना विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा ने दो अप्रैल की रात जारी की, जिसे शुक्रवार सुबह मीडिया को उपलब्ध कराया गया। दिल्ली की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को भारती और बैंक के एक पूर्व कर्मचारी को 1998 से 2011 के बीच बैंक रिकॉर्ड में हेराफेरी कर अवैध ब्याज भुगतान हासिल करने से जुड़े धोखाधड़ी के मामले में तीन साल के कारावास की सजा सुनाई थी। विशेष न्यायाधीश दिग विनय सिंह ने भारती और पूर्व कैशियर रघुवीर शरण प्रजापति पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। दोनों को आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, मूल्यवान प्रतिभूति की जालसाजी, धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी और जाली दस्तावेज को असली के रूप में इस्तेमाल करने के आरोपों में दोषी ठहराया गया है।

'वैवाहिक कलह को आत्महत्या के लिए उकसावा नहीं मान सकते'

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

मुंबई, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने एक मामले की सुनवाई करते हुए साफ कर दिया कि वैवाहिक जीवन में सामान्य मतभेद या कलह को जीवनसाथी को आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं माना जा सकता है।

हाईकोर्ट ने साफ किया है कि भारतीय दंड संहिता की धारा 306 (अब भारतीय न्याय संहिता) के तहत अपराध सिद्ध करने के लिए, आरोपी का मृतक को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का प्रत्यक्ष इरादा या वैसी कोई ठोस क्रिया होना आवश्यक है। केवल वैवाहिक जीवन के तनाव या झगड़ों को कानूनी दायरे में 'उकसाना' नहीं कहा जा सकता है। दरअसल एक महिला की आत्महत्या के मामले में उसके पति और ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। आरोपियों ने इस केस को रद्द कराने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अभियोजन पक्ष का आरोप था कि पति के उत्पीड़न और लगातार होने वाले झगड़ों के कारण पीड़िता ने यह आत्मघाती कदम उठाया।

पति को दोषी नहीं मान सकतेः बॉम्बे हाईकोर्ट

हाईकोर्ट ने कहा कि केवल इसलिए कि आत्महत्या से पहले झगड़ा हुआ था, पति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने कहा कि इस मामले में ऐसी स्थिति नहीं पैदा हुई कि आरोपी ने पीड़िता के पास आत्महत्या के अलावा कोई दूसरा विकल्प न बचा हो। अदालत ने कहा कि हर व्यक्ति की मुश्किलों का सामना करने की क्षमता अलग-अलग होती है। वैवाहिक जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन हर विवाद का अर्थ उत्पीड़न या क्रूरता नहीं होता है।

केस रद्द करने का आदेश

न्यायालय के अनुसार, आत्महत्या के लिए उकसाने के उद्देश्य से आरोपी ने सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया हो या कोई साजिश रची हो, ऐसे सबूत होना अनिवार्य है। हाईकोर्ट ने संबंधित पति और उसके रिश्तेदारों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी (एफआईआर) को रद्द करने का आदेश दिया है।

टिंडर पर देखते ही दे बैठा दिल

महिला ने होटल बुलाया और फिर कर गई कांड... थाने पहुंच युवक ने लगाई गुहार

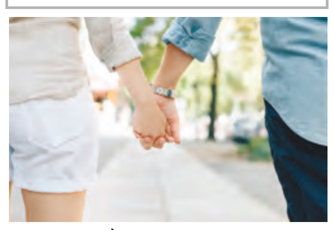

सूरत, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। सूरत में टिंडर ऐप पर महिला के दोस्ती करना एक युवक को भारी पड़ गया। महिला ने खुद को सुपारी कारोबारी बताकर युवक को अपने जाल में फंसा लिया। महिला ने युवक को होटल में मिलने के लिए बुलाया और उसके खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे बेहोश कर दिया और उसके करीब 8.95 लाख रुपये के सोने के गहने लेकर फरार हो गई। घटना जिले के पाल थाने क्षेत्र की है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, शाहपोर के चिंतामणि जैन देरासर के सामने रहने वाले 39 वर्षीय प्रशांतभाई शशिकांतभाई शाह शेयर बाजार और प्रॉपर्टी डीलिंग काम करते है। कुछ समय पहले डेटिंग ऐप टिंडर पर उनकी मुलाकात सारिका गुप्ता नाम की एक महिला से हुई थी। दोनों के बीच लगातार बातचीत होने लगी। बातचीत के दौरान महिला ने खुद को सुपारी के व्यापार से जुड़ा बताया और कहा कि वह अक्सर व्यापारिक काम से सूरत आती रहती है।

महिला ने सूरत पहुंचने के बाद पालनपुर कैनाल रोड स्थित एक होटल में कमरा लिया और प्रशांतभाई को मिलने बुलाया। शुरुआती दो दिन तक मुलाकात टलती रही, लेकिन बाद में दोनों की मुलाकात तय हुई। प्रशांतभाई खाना लेकर होटल पहुंचे। इस दौरान महिला ने कहा कि अन्य व्यापारी आने में देर करेंगे, तब तक दोनों साथ खाना खा लेते हैं। प्रशांतभाई ने पाल थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी महिला की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अब होटल के सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल कॉल डिटेल्स और डेटिंग ऐप पर महिला की प्रोफाइल की जांच कर रही है।

संजय राउत का बड़ा आरोप

अजित गुट की एनसीपी और शिंदे की शिवसेना के विधायक तोड़ रही बीजेपी

मुंबई, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। अजित पवार गुट की एनसीपी में जारी अंदरूनी कलह के बीच शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने बीजेपी पर नेताओं को तोड़ने के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि अजित गुट के कई विधायक बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। वहीं, एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना के भी कुछ विधायक भाजपा में आ सकते हैं।

एनसीपी में सुनेत्रा पवार ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर कहा था कि उनकी पार्टी की तरफ से पहले लिखे गए पत्रों पर कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता और सांसद संजय राऊत ने जलगांव में बड़ा राजनीतिक बयान दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी आने वाले समय में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) को तोड़ सकती है। एनसीपी में मचे घमासान पर राऊत ने कहा कि अजित पवार की एनसीपी के करीब 25 विधायक बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि यही स्थिति शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के साथ भी हो सकती है और वहां से भी कुछ विधायक बीजेपी का रुख कर सकते हैं। शिवसेना (उद्धव गुट) का कहना है कि एनसीपी (अजित पवार गुट) के भीतर जो मतभेद सामने आ रहे हैं, उससे संकेत मिलता है कि आने वाले दिनों में पार्टी में बड़ी टूट हो सकती है। शिवसेना और एनसीपी में बगावत के बाद दोनों दल टूट गए। अब संजय राउत ने दोनों राजनीतिक दलों में फूट की भविष्यवाणी की है। प्रफुल पटेल और सुनील तटकरे पर पार्टी को हथियाने की कोशिश करने के आरोप लगे थे। इसके बाद सुनेत्रा पवार ने चुनाव आयोग को एक पत्र लिखा था, जिसमें कहा गया था कि वह ही पार्टी की मुखिया हैं और अगर किसी ने पार्टी से जुड़ी कोई अपील की है तो उसे अमान्य कर दिया जाए।

मिडिल ईस्ट संकट पर कांग्रेस के इन दिग्गज नेताओं ने लिया अलग स्टैंड, मोदी सरकार का किया समर्थन

भोपाल, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के दो और नेताओं ने मिडिल-ईस्ट में चल रहे युद्ध पर एनडीए सरकार के रवैये का समर्थन किया है। कांग्रेस के इन दो नेताओं का रवैया पार्टी के आधिकारिक रुख से एकदम ही अलग है।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए साफ तौर पर कहा कि एलपीजी की कोई समस्या नहीं है। इनके अलावा यूपीए सरकार में विदेश मंत्री रहे आनंद शर्मा ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करके भारत के संकट से निपटने के लिए अपनाई गई कूटनीति की तारीफ की। इससे पार्टी के अंदर की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए समझदारी भरा जवाब देना ही इस समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

इससे पहले, कांग्रेस के शशि थरूर और मनीष तिवारी ने मिडिल-ईस्ट में चल रहे युद्ध को लेकर पार्टी के रुख से हटकर बयान दिया था। हालांकि, पार्टी ने इस मामले पर कोई जवाब नहीं दिया था। इन दोनों नेताओं की बयानबाजी की वजह से पार्टी को पहले भी शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी। खासतौर पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के मामले में कांग्रेस को ये झेलना पड़ा था। संसद में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर हुई बहस के दौरान पार्टी ने इन दोनों नेताओं को किनारे कर दिया था। इस बार फिर दो और नेताओं ने पार्टी की तय लाइन से हटकर बयान दिया है। आनंद शर्मा ने इस मामले पर पोस्ट

आनंद शर्मा और कमलनाथ

शेयर करते हुए कहा कि इस संकट से निपटने में भारत की कूटनीति काफी परिपक्व और कुशल रही है, जिसने आने वाली मुश्किलों से सफलतापूर्वक बचाव किया है। उन्होंने लिखा कि भारत की प्रतिक्रिया को राष्ट्रीय आम सहमति और दृढ़ संकल्प का समर्थन मिलना चाहिए।

आनंद शर्मा ने कहा कि सरकार ने एक अप्रत्याशित और अस्थिर स्थिति में लिए गए नीतिगत फैसलों के बारे में राजनीतिक नेताओं को जानकारी देने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। उन्होंने यह भी साफ किया कि फारस के साथ हमारे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों के अलावा ऊर्जा संकट का मुद्दा भी अहम है। उन्होंने लिखा कि इस युद्ध ने ऊर्जा, आर्थिक और वैश्विक सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में रुकावट, दुनिया भर के बाजारों में उथल-पुथल और रुपये व अन्य राष्ट्रीय मुद्राओं के मूल्य में तेजी से आई गिरावट

महिला मरीज के साथ बदसलूकी, जड़ दिया थप्पड़ स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल कर्मी को सस्पेंड किया

पटियाला, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ। बलबीर सिंह ने पटियाला के माता कौशल्या अस्पताल में महिला मरीज के साथ हुई मारपीट की घटना का गंभीरता से संज्ञान लिया। अस्पताल के एक ठेका कर्मचारी द्वारा महिला को थप्पड़ मारने और शीशा तोड़ने की वायरल वीडियो के बाद मंत्री ने तत्काल एक्शन लेते हुए संबंधित कर्मचारी गुरप्रीत सिंह को निलंबित कर दिया और विभागीय जांच के आदेश दिए। वीरवार को डॉ। बलबीर सिंह ने अस्पताल का औचक दौरा किया और ओपीडी में मरीजों से उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सख्त शब्दों में कहा कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस घटना का वीडियो देखकर मुझे गहरा दुख हुआ है क्योंकि कर्मचारी द्वारा महिला मरीज को थप्पड़ मारने और शीशा तोड़ने से न केवल महिला को चोट लगी बल्कि अन्य मरीजों के लिए भी यह खतरनाक हो सकता था। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस घटना में शामिल ठेका कर्मचारी गुरप्रीत सिंह को एक महीने का नोटिस देकर सेवा से हटा दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने ओपीडी रजिस्ट्रेशन काउंटर का निरीक्षण करते हुए एसएमओ डॉ। विकास गोयल और डॉ।

जैदीप भाटिया को निर्देश दिए कि मरीजों को पर्ची बनाने में कम से कम समय लगे, इसके लिए अतिरिक्त स्टाफ तैनात किया जाए। डॉ। बलबीर सिंह ने इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार का विशेष ध्यान मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित है और आम आदमी पार्टी सरकार का उद्देश्य लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर शिक्षा प्रदान करना है। स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल के स्टाफ से आह्वान किया कि वे मरीजों के प्रति संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार रखें। उन्होंने कहा, कई बार मरीज मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं

जंग के बीच ट्रम्प सरकार में उथल-पुथल

24 घंटे में निकाले गए आर्मी चीफ और अटॉर्नी जनरल काश पटेल-तुलसी गबार्ड को भी हटाने की चर्चा

वॉशिंगटन, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी को हटाए जाने के बाद अब ट्रम्प सरकार में कुछ और बड़े अफसरों को निकाले जाने की आशंका बढ़ गई है। अमेरिकी वेबसाइट द अटलांटिक की रिपोर्ट के मुताबिक अगला नंबर FBI चीफ काश पटेल और नेशनल इंटेलिजेंस चीफ तुलसी गबार्ड का हो सकता है।

रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने गुरुवार को आर्मी चीफ जनरल रैंडी जॉर्ज को तुरंत रिटायर होने का आदेश दिया। व्हाइट हाउस के प्लान से जुड़े कई लोगों ने बताया कि और भी अधिकारियों को हटाने पर चर्चा चल रही है। इसमें आर्मी सेक्रेटरी डेनियल ड्रिस्कॉल और लेबर सेक्रेटरी लोरी चावेज-डीरेमर का नाम भी शामिल है।

ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में बड़े अधिकारियों को हटाने से बचते रहे थे। उन्हें लगता था कि ऐसा करना डेमोक्रेट्स और मीडिया के सामने झुकना होगा। पिछले कुछ महीनों तक यह आदेश था कि मिडटर्म चुनाव से पहले किसी कैबिनेट अधिकारी को नहीं हटाया जाएगा, लेकिन ईरान युद्ध के बाद ट्रम्प की लोकप्रियता घटने से स्थिति बदल गई है।

ईरान से जंग के बीच अमेरिकी सरकार में तेजी से प्रशासनिक बदलाव हो रहे हैं। सबसे पहले होमलैंड सिक्योरिटी चीफ क्रिस्टी नोएम को बेदखल किए जाने से इसकी शुरुआत हुई। उन्हें किस वजह से हटाया गया इस बारे में आधिकारिक तौर पर कोई वजह नहीं बताई गई है।

कुछ समय से उनकी काम करने की शैली और फैसलों पर सवाल उठ रहे थे। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की जिम्मेदारी होती है कि देश को अंदर और बाहर से आने वाले खतरों से सुरक्षित रखा जाए। उनकी राजनीतिक छवि भी विवादों में रही, जिससे सरकार पर दबाव बढ़ रहा था। आलोचकों का कहना था कि वे ज्यादा राजनीतिक बयानबाजी कर रही हैं।

व्हाइट हाउस के एक करीबी ने द अटलांटिक से कहा कि क्रिस्टी नोएम को हटाने पर जो प्रतिक्रिया मिली, उससे ट्रम्प को हिम्मत मिली और उन्होंने बॉन्डी को हटाने का फैसला आगे बढ़ाया।

माना जा रहा है कि पैम बॉन्डी ने एपस्टीन मामले को ठीक से नहीं संभाला। दरअसल, एपस्टीन मामले से जुड़ी सच्चाई सामने लाने की मांग लंबे समय से हो रही थी, खासकर 'क्लाइंट लिस्ट' को लेकर, जिसमें यह बताया जाता है कि किन-किन प्रभावशाली लोगों का उससे संबंध था।

एपस्टीन पर आरोप था कि वह नाबालिग लड़कियों का शोषण करता था और एक बड़ा नेटवर्क चलाता था, जिसमें ताकतवर और अमीर लोग शामिल हो सकते थे। इसी वजह से लोग यह जानना चाहते हैं कि उस नेटवर्क में कौन-कौन शामिल था।

इसी दबाव में बॉन्डी ने कुछ लोगों को व्हाइट हाउस बुलाया और उन्हें एपस्टीन फाइल्स फेज 1 नाम का फोल्डर दिया। फोल्डर देने के बाद मामला उल्टा बॉन्डी के लिए परेशानी बन गया। दरअसल उम्मीद थी कि कोई बड़ी जानकारी या खुलासा सामने आएगा। लेकिन जब लोगों ने उन्हें देखा, तो पता चला कि उनमें कोई नई या चौंकाने वाली जानकारी नहीं थी।

राफेल एफ5 जेट पर यूएई ने फ्रांस को दिया बड़ा झटका

साझा फंडिंग डील से पीछे हटा, भारत पर भी होगा असर!

दुबई, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने फ्रांस के साथ मिलकर राफेल एफ5 लड़ाकू विमान की फंडिंग के फैसले से कदम पीछे खींच लिए हैं। ऐसे में फ्रांस को अपने अगली पीढ़ी के राफेल एफ5 फाइटर जेट बनाने के लिए अकेले खर्च करना होगा। इससे फ्रांस पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और खाड़ी देशों में राफेल बेचने की उसकी कोशिश पर असर हो सकता है। इस पूरे घटनाक्रम पर भारत की भी नजर होगी। भारत राफेल का इस्तेमाल कर रहा है और 100 से ज्यादा राफेल खरीदने की डील फ्रांस से की है। फ्रांसीसी अखबार 'ला ट्रिब्यून' ने गुरुवार को अपनी रिपोर्ट में बताया है कि संयुक्त अरब अमीरात ने फ्रांस के साथ मिलकर राफेल की फंडिंग के प्रस्तावित समझौते से हाथ खींच लिया है। फ्रांस ने इस उन्नत लड़ाकू विमान कार्यक्रम के लिए यूएई से आर्थिक मदद मांगी थी। इस प्रोग्राम की अनुमानित लागत 5 अरब यूरो (5.7 अरब डॉलर) है। इसमें से फ्रांस को आधे से ज्यादा यानी 3.5 अरब यूरो यूएई से मिलने थे।

पाकिस्तान को भारी पड़ गई ईरान युद्ध में 'चतुराई'

यूएई ने वापस मांगे 2 अरब डॉलर, बुरे फंसे शहबाज-मुनीर

इस्लामाबाद, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने पाकिस्तान पर अपना कर्ज लौटाने का दबाव बढ़ा दिया है। यूएई ने पाकिस्तान से कहा है कि वह उसका दो अरब डॉलर का कर्ज अप्रैल (इसी महीने) में वापस कर दे। माना जा रहा है कि पाकिस्तान ने ईरान युद्ध में जिस तरह का रुख दिखाया है, उससे यूएई खुश नहीं है। यूएई को लगता है कि पाकिस्तान का झुकाव ईरान की तरफ है। ऐसे में यूएई ने पाकिस्तान पर दबाव बढ़ाने के लिए कर्ज में आगे छूट ना बढ़ाने का फैसला लिया है।

पाकिस्तान के पत्रकार अबसार आलम ने अपने एक वीडियो में दावा किया है कि यूएई की ओर से पाकिस्तान को दो अरब डॉलर के लोन पर पिछले कुछ महीनों से छूट दी जा रही थी लेकिन अब उन्होंने इस रकम को वापस मांगा है। 17 अप्रैल पैसे वापस करने की आखिरी तारीख है और यूएई ने इसे आगे बढ़ाने के संकेत नहीं दिए हैं। इसकी वजह कथित तौर पर पाकिस्तान की ईरान युद्ध में मध्यस्थता की कोशिश है।

अबसार आलम ने दावा किया है कि यूएई पूरी तरह से इजरायल और भारत के प्रभाव में है। वह ईरान में ज्यादा तेज हमलों का तरफदार है। ऐसे में वह युद्ध रोकने की पाकिस्तान की कोशिशों से खफा है। अबसार का कहना है कि यूएई ने इजरायल और भारत के इशारे पर पाकिस्तान को दो अरब वापस करने का आदेश दिया है। इसके बाद पाकिस्तान पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ असीम मुनीर के बीच बैठकों का दौर जारी है।

अमेरिका और इजरायल के हमलों के जवाब में ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया है। इसमें खासतौर से यूएई पर ईरान ने हमले किए हैं। ईरान के हमलों से यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान खफा हैं। उनको लगता है कि पाकिस्तान ने इस दौरान उनके देश के साथ जुड़ाव नहीं दिखाया है। ऐसे में वह पाकिस्तान पर दबाव बढ़ाने के लिए कदम उठा रहे हैं। पाकिस्तान ने यूएई से कुल 3 अरब डॉलर का लोन ले रखा है। इसमें से 2 अरब डॉलर का लोन इस साल जनवरी में महीने मैच्योर हो गया था, जबकि 1 अरब डॉलर की किश्त जुलाई में मैच्योर हो जाएगी। यूएई ने पाकिस्तान को 2 अरब डॉलर के लोन को फरवरी में अप्रैल तक के लिए 6.5 फीसदी की ब्याज दर परआगे बढ़ा दिया था।

टॉड ब्लांश अमेरिका के अटॉर्नी जनरल बने

ट्रम्प का केस लड़ने के लिए नौकरी छोड़ दी थी

वाशिंगटन, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में पैम बॉन्डी को हटाए जाने के बाद टॉड ब्लांश को कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल बना दिया गया है। उन्हें पहले डिप्टी अटॉर्नी जनरल के तौर पर काम करने का अनुभव था और अब वह जस्टिस डिपार्टमेंट की कमान संभाल रहे हैं।

टॉड ब्लांश पहले राष्ट्रपति ट्रम्प के निजी वकील भी रह चुके हैं। उन्होंने ट्रम्प के कई अहम आपराधिक मामलों में उनकी पैरवी की थी, जिसमें न्यूयॉर्क का हश मनी केस भी शामिल है, जहां ट्रम्प को 34 आरोपों में दोषी ठहराया गया था। इसके अलावा उन्होंने 2020 चुनाव में दखल और गोपनीय दस्तावेजों से जुड़े मामलों में भी ट्रम्प का बचाव किया।

ट्रम्प ने उन्हें बेहद काबिल और कानूनी दिमाग वाला शख्स बताया है। ब्लांश का करियर काफी लंबा और मजबूत रहा है। वह पहले एक फेडरल प्रॉसीक्यूटर (सरकारी वकील) रहे हैं और करीब 8 साल तक इस पद पर काम किया। उन्होंने कई बड़े आपराधिक मामलों को संभाला, जिनमें हत्या और किडनैपिंग जैसे केस शामिल थे। 2014 में उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़कर प्राइवेट लॉ फर्म में काम शुरू किया। बाद में 2023 में उन्होंने ट्रम्प का केस लड़ने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी और उनके डिफेंस टीम में शामिल हो गए।

ट्रम्प के केस में उन्होंने ऐसी रणनीति अपनाई, जिससे मामलों को 2024 के चुनाव तक टाला जा सके। जब ट्रम्प चुनाव जीत गए, तो कई केस अपने आप खत्म हो गए, क्योंकि अमेरिका में बैठे राष्ट्रपति पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता।

पाकिस्तान में गाय-भैंस पालने पर गोबर टैक्स लगाने की तैयारी

हर पशु पर रोजाना 30 रुपए वसूलेगी सरकार विपक्ष बोला- यह रेवेन्यू जुटाने का तरीका

इस्लामाबाद, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब राज्य में गाय और भैंस पालने पर अब 'टैक्स' लगाने की तैयारी हो रही है। पाकिस्तानी अखबार डेली टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मरियम नवाज की सरकार हर गाय और भैंस पर रोजाना 30 पाकिस्तानी रुपए फीस देने का नियम बना सकती है।

सरकार इस कदम को ग्रीन एनर्जी के रूप में पेश कर रही है। यह योजना 'सुथरा पंजाब' बायोगैस प्रोग्राम का हिस्सा बताई जा रही है। यह प्रोग्राम दिसंबर 2024 में पंजाब राज्य में शुरू किया गया था। इसका मकसद कचरे को साफ करना और उससे बायोगैस बनाकर ऊर्जा तैयार करना है।

वहीं विपक्षी दलों ने इस फैसले की कड़ी आलोचना कर इसे 'गोबर टैक्स' का नाम दिया है। उनका कहना है कि यह कदम दिखाता है कि सरकार आर्थिक दबाव में है और अब नए-नए तरीकों से पैसा जुटाने की कोशिश कर रही है।

विपक्ष ने दावा किया कि 'ग्रीन एनर्जी' का नाम बस दिखावा है।

असली कहानी कुछ और है। सरकार का फैसला पहले से महंगाई और महंगे चारे से जूझ रहे किसानों से जबरन पैसा निकालने का तरीका है।

सरकार ने इस फीस को लागू करने के लिए राज्य की करीब 168 कैटल कॉलोनियों को चिन्हित किया है। इन कॉलोनियों की लगभग 50 लाख गाय-भैंसों पर यह फीस लग सकती है।

इस नई योजना के तहत पशुपालकों से हर पशु के हिसाब से रोजाना शुल्क लिया जाएगा। पहले चरण में लाहौर की दो प्रमुख डेयरी कॉलोनियों हरबंसपुरा और गुज्जरपुरा से शुरू होगा। बाद में पूरे पंजाब में फैलाया जाएगा।

सरकार का कहना है कि इस पैसे का इस्तेमाल गोबर इकट्ठा करने, कचरा मैनेजमेंट और बायोगैस प्लांट चलाने में किया जाएगा, ताकि पर्यावरण को भी फायदा हो।

इतनी ज्यादा गाय-भैंसों का रोजाना कितना गोबर निकल रहा है, इसे ठीक-ठीक नापना लगभग नामुमकिन है। इसी वजह से सरकार ने प्रति पशु तय दर से फीस वसूली का मॉडल अपनाने का फैसला किया है। चाहे गाय या भैंस ज्यादा गोबर दे या कम मालिक को हर पशु के हिसाब से रोज एक तय फीस देनी होगी।

विपक्ष का कहना है कि यह शासन का सही मॉडल नहीं है। यह इस बात का साफ इशारा है कि पाकिस्तान के सबसे बड़े राज्य के पास अब कमाई के असली रास्ते ही खत्म हो गए हैं।

वहीं, किसानों और पशुपालकों की चिंता अलग है। उनका कहना है कि वे पहले से ही महंगे चारे, बढ़ती बिजली कीमतों और महंगाई से जूझ रहे हैं। ऐसे में यह नया टैक्स उनके खर्च को और बढ़ा देगा।

एक पाकिस्तानी इंडस्ट्री एक्सपर्ट ने कहा, "एक तरफ भ्रष्ट नेता और अफसर लग्जरी गाड़ियां, विदेश यात्राएं और मोटी सैलरी का मजा ले रहे हैं। दूसरी तरफ किसान, जो पहले ही अपने पशुओं का पेट भरने के लिए जूझ रहा है, अब उससे कहा जा रहा है कि अपनी भैंस के गोबर के लिए भी सरकार को पैसा दो।

फ्रांस ने मुस्लिमों के सबसे बड़े सम्मेलन पर लगाई रोक

मैक्रों सरकार का बड़ा फैसला भड़के इस्लामिक संगठन

पेरिस, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। फ्रांस की सरकार ने मुसलमानों के सालान सबसे बड़े महा-सम्मेलन पर रोक लगा दी है। राजधानी पेरिस की पुलिस के प्रमुख पैट्रिस फॉर ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी है। इसमें बताया गया है कि फ्रांस के मुसलमानों की 40वीं सालाना बैठक नहीं होगी।

उन्होंने इस कार्यक्रम को बैन करने के पीछे आतंकी हमले की आशंका जताई है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि 'गृह मंत्री लॉरेंट नूनेज के अनुरोध पर मैंने एक आदेश जारी किया है जिसमें 3 अप्रैल से 6 अप्रैल तक पेरिस-ले बॉर्गेट प्रदर्शनी केंद्र में होने वाली फ्रांस के मुसलमानों की सालाना बैठक के 40वें संस्करण पर रोक लगा दी गई है।'

पेरस के पुलिस प्रमुख ने लिखा है कि 'यह फैसला फ्रांस के भीतर बढ़े हुए तनाव के साथ-साथ आतंकवाद और सार्वजनिक अशांति के बढ़े हुए जोखिम के कारण लिया गया है जबकि आने वाले दिनों में सड़कों पर बड़ी संख्या में पुलिस मौजूद रहेगी।' उन्होंने इस कार्यक्रम के मद्देनजर राजधानी पुलिस की संख्या बढ़ान की भी जानकारी दी है और फ्रांस की सुरक्षा को खतरा का हवाला दिया है। पैट्रिस फॉर ने कहा है कि 'यह फैसला फ्रांस के भीतर बढ़े हुए तनाव, आतंकवाद और सार्वजनिक अशांति के बढ़े हुए जोखिम के चलते लिया गया है खासकर तब जब आने वाले दिनों में सड़कों पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहेगा।' यह घोषणा तब की गई है जब पिछले हफ्ते के अंत में बैंक ऑफ अमेरिका के दफ्तरों पर एक बम हमले की साजिश रची गई थी और पुलिस ने उसे नाकाम कर दिया था। इस हमले की कोशिश के बाद राजधानी पेरिस समेत फ्रांस के कई संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा काफी बढ़ा दी गई है।

राफेल से टकराने वाले जे-10सी के जनक गायब

चीन में घटिया हथियार बनाने वाले वैज्ञानिकों पर गाज, ईरान में भी नाकाम

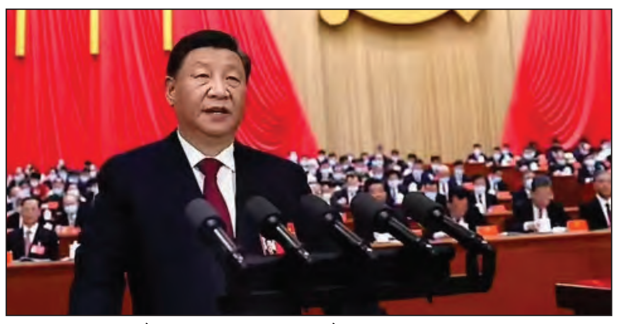

बीजिंग, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान और वेनेजुएला के बाद ईरान में भी चीन के कई हथियार बुरी तरह से नाकाम हो गये हैं। पाकिस्तान की तरह ईरान भी चीन के एयर डिफेंस सिस्टम, रडार समेत कई सैन्य सामानों पर निर्भर था। लेकिन चीनी रडार अमेरिका और इजरायल के ड्रोन, मिसाइलों और लड़ाकू विमानों के सामने बुरी तरह से नाकाम हो गये हैं। जिसके बाद अब ईरान रूसी सैटेलाइट की मदद से जंग लड़ने पर मजबूर है। ईरान से पहले वियतनाम में भी चीनी रडार और दूसरे साजो सामान फेल हो गये थे। पिछले साल भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीनी एचक्यू-9बी एयर डिफेंस सिस्टम भारतीय मिसाइलों के सामने कबाड़ साबित हुआ था।

तीन-तीन देशों में हथियारों की नाकामी के बाद चीन में कड़ी कार्रवाई की जा रही है। देश के अंदर कई अहम मिलिट्री डेवलपर्स गायब हो गए हैं। अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट के पूर्व पॉलिसी-मेकर माइल्स यू ने कहा कि 'चीनी मिलिट्री सिस्टम, जिन्हें स्टील्थ एयरक्राफ्ट जैसे बड़े खतरों का पता लगाने और उन्हें रोकने में काबिल बताया गया था वो हाल के अमेरिकी मिलिट्री ऑपरेशन्स के खिलाफ बेअसर साबित हुए हैं।' उन्होंने आगे कहा कि 'इन नाकामियों ने सिर्फ कुछ खास सिस्टम्स को ही कमजोर नहीं किया है बल्कि इन्होंने चीन के दावों और उसकी असल क्षमताओं के बीच के फर्क को भी उजागर कर दिया है।'

हमलों के बाद चीन के एयर डिफेंस सिस्टम एचक्यू-9बी की सबसे ज्यादा पोल खुली है। इसे तेहरान ने 2025 में चीन से खरीदा था।

बैंककर्मी दोस्त ने वकील से 3 करोड़ ठगे

बिलासपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में कैंसर अस्पताल खोलने के नाम पर वकील से करीब 3 करोड़ रुपए की ठगी हुई है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने पीड़ित को स्कॉटलैंड से 103 करोड़ रुपए का डिमांड ड्राफ्ट भेजने का झांसा दिया।

इस रकम को क्लियर कराने के नाम पर अलग-अलग प्रोसेसिंग फीस और टैक्स के बहाने 3 करोड़ रुपए वसूल लिए गए। काफी समय तक डिमांड ड्राफ्ट क्लियर नहीं होने पर पीड़ित को संदेह हुआ। जांच करने पर खुद के साथ ठगी होने का एहसास हुआ।

इसके बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में पीड़ित के बैंक कर्मी दोस्त पर ठगी के आरोप लगे हैं, जिसे पुलिस ने हिरासत में लिया है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक पीड़ित वकील का नाम अरुण मिश्रा है, जबकि उसका दोस्त एचडीएफसी बैंक में काम करता है। आरोप है कि उसने ही इस पूरे वारदात को अंजाम दिया है। हालांकि पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

यह भी बताया रहा है कि आरोपी ने भरोसा जीतने के लिए फर्जी दस्तावेज और ट्रांजैक्शन से जुड़े नकली सबूत भी पेश किए। इससे पीड़ित को पूरी तरह विश्वास हो गया कि रकम जल्द मिल जाएगी, लेकिन उसे पैसे नहीं मिले।

'भारत को घुसकर मारेंगे', पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की गीदड़भभकी

ऑपरेशन सिंदूर पर बघारी शेखी

इस्लामाबाद, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान की ओर से एक बार फिर भारत के लिए आक्रामक और उकसाने वाली बयानबाजी की गई है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शेखी बघारते हुए दावा किया कि उनकी सेना ने बीते साल भारत के खिलाफ लड़ाई में जीत हासिल की और आगे भी लड़ने को तैयार है। ख्वाजा आसिफ ने भारत को गीदड़भभकी देते हुए कहा कि बीते साल मई में सिर्फ हवाई लड़ाई हुई लेकिन इस बार पाकिस्तान की सेना इंडिया की सीमा में घुस जाएगी। एक टीवी कार्यक्रम में बोलते हुए ख्वाजा आसिफ ने कहा, 'भारत ने बीते साल हमारी ऊपर हमला किया था और अगर वे फिर से कोशिश करेंगे हैं तो उन्हें पिछले साल से बड़ी शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी।

इस बार टकराव 200 से 250 किलोमीटर तक सीमित नहीं रहेगा। हम उनके इलाके में घुसेंगे और अंदर घुसकर उन्हें मारेंगे।' पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार में रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ अपनी बयानबाजी के लिए जाने जाते हैं। बीते साल मई में भारत और पाकिस्तान की चार दिन की लड़ाई के बाद से लगातार वह कुछ ना कुछ बोलते रहे हैं। बड़बोलेपन की वजह से आसिफ की बातें अक्सर दुनिया का ध्यान खींचती हैं। ख्वाजा आसिफ की हालिया टिप्पणी भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयानों के बाद आई है। राजनाथ सिंह ने हाल ही में केरल में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया था। इस दौरान राजनाथ सिंह ने कहा था कि पाकिस्तान की ओर से की गई कोई भी दुस्साहस एक अभूतपूर्व और निर्णायक जवाब को न्योता देगा।

छत्तीसगढ़ के 4 आईपीएस ट्रेनिंग के लिए जाएंगे हैदराबाद

रायपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के डीजीपी अरुण देव गौतम ने 4 जिलों में प्रभारी एसपी की नियुक्ति की है। इन जिलों के एसपी के इंडक्शन ट्रेनिंग पर जाने के कारण यह व्यवस्था की गई है। प्रभारी एसपी की नियुक्ति का आदेश पुलिस मुख्यालय से जारी किया गया है। पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ कैडर के 4 आईपीएस अधिकारी श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा, पंकज चंद्रा, वेदव्रत सिरमौर और विजय पांडेय को इंडक्शन ट्रेनिंग के लिए चुना गया है। आईपीएस श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा रायपुर ग्रामीण में, विजय पांडेय जांजगीर-चांपा, पंकज चंद्रा कोंडागांव, वेदव्रत सिरमौर गरियाबंद के पुलिस अधीक्षक हैं। यह उच्च स्तरीय प्रशिक्षण हैदराबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल नेशनल पुलिस अकादमी में आयोजित किया जाएगा। रायपुर ग्रामीण की जिम्मेदारी मनीषा ठाकुर रावटे को सौंपी गई है। जांजगीर-चांपा का प्रभार विमल कुमार बैस को दिया गया है। कोंडागांव की जिम्मेदारी प्रभारी कप्तान त्रिलोक बंसल को सौंपी गई है।गरियाबंद में प्रभारी एसपी के रूप में नीरज चंद्राकर को जिम्मेदारी दी गई है। इन एसपी रैंक के अधिकारियों के नेतृत्व में अब संबंधित जिलों का कानून-व्यवस्था संचालन किया जाएगा। डीजीपी कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि जब तक मूल अधिकारी ट्रेनिंग से वापस नहीं लौटते, तब तक ये चारों अधिकारी अपने-अपने जिलों में पुलिस अधीक्षक (एसपी) के सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

सौतेली बेटी-पत्नी की हत्या करने वाला गिरफ्तार

रायपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर में 1 अप्रैल को बर्खास्त पुलिसकर्मी ने अपनी पत्नी और सौतेली बेटी की हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी और लोटा भी बरामद कर लिया है। मामला विधानसभा थाना क्षेत्र के सेमरिया गांव का है। बुधवार को आरोपी गुलाब साहू ने पहले पत्नी हेमलता साहू (35) पर कुल्हाड़ी से हमला किया और फिर बेटी चित्रा साहू (22) को भी मार डाला। जांच में सामने आया कि गुलाब अपनी पत्नी हेमलता के चरित्र पर शक करता था।

बालेन शाह की पहली अग्निपरीक्षा

भारत और चीन के बीच लिपुलेख से ट्रेड ने बढ़ाई नेपाल की टेंशन

काठमांडू, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। बालेन शाह के नेतृत्व में नेपाल एक नये सफर पर निकल चुका है। पिछले साल हुए प्रदर्शन के बाद जब केपी शर्मा ओली की सरकार गिरी और इस साल जब नये चुनाव हुए तो नेपाल ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया। बालेन शाह अब प्रधानमंत्री बन चुके हैं लेकिन सत्ता का सफर चुनौतियों के साथ आता है। नेपाल, जो भारत और चीन के बीच पिछले कुछ वर्षों से रणनीतिक अखाड़ा रहा है उसके सामने कई मुश्किले हैं। बालेन शाह के सामने कई मुश्किल हैं। भारत और नेपाल के संबंध सदियों पुराने हैं और दोनों देशों के बीच आर्थिक, सांस्कृतिक और मजबूत राजनीतिक संबंध रहे हैं लेकिन केपी शर्मा ओली के समय राजनीतिक संबंध काफी खराब हुए। ओली ने चीन से करीबी संबंध बनाए लिहाजा अब बालेन शाह पर नजर है कि उनकी विदेश नीति कैसी होगी। हालिय समय में जिन देशों में नेताओं ने चुनाव से पहले भारत विरोधी सुर अपनाए, चुनाव होने के बाद वो सभी भारत के कैंप में लौट आए। चाहे वो मालदीव हो, श्रीलंका हो या फिर बांग्लादेश। लेकिन बालेन शाह की राजनीति से अभी तक राजनीतिक एक्सपर्ट अनजान हैं तो उनका नीति भारत-चीन को लेकर कैसी होगी, इसका पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता। बालेन ने काठमांडू के मेयर के रूप में लोकप्रियता हासिल की थी लेकिन एक शहर को चलाने और पूरे देश को संभालने में बहुत अंतर है।

क्या सच में भगवान शिव की कोई पुत्री थी?

भगवान शिव जी को हम सभी देवों के देव महादेव के रूप में जानते हैं, जिनकी पूजा पूरे भारत में बड़े श्रद्धा भाव से की जाती है। उनकी छवि एक ऐसे देवता की है जो बेहद सरल, भोले और जल्दी प्रसन्न होने वाले हैं। आम तौर पर जब भी शिव परिवार की बात होती है तो सबसे पहले माता पार्वती, गणेश जी और कार्तिकेय का नाम सामने आता है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि कुछ पौराणिक मान्यताओं में शिव जी की एक पुत्री का भी जिक्र मिलता है। यही कारण है कि लोगों के मन में सवाल उठता है कि क्या सच में शिव जी की कोई बेटी थी, अगर थी तो उसका नाम क्या था और उसकी कहानी क्या है।

इस विषय को लेकर अलग-अलग पुराणों और कथाओं में अलग अलग बातें कही गई हैं, जिससे कंफ्यूजन और भी बढ़ जाता है। आज हम इसी सवाल का सरल और साफ जवाब देने की कोशिश करेंगे, ताकि आपको पूरी जानकारी एक ही जगह मिल सके।

शिव जी की पुत्री का नाम क्या था

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार शिव जी की पुत्री का नाम अशोकसुंदरी बताया जाता है। यह नाम बहुत कम लोगों ने सुना होगा, क्योंकि उनकी पूजा और कथा उतनी प्रचलित नहीं है जितनी गणेश जी या कार्तिकेय की है। कहा जाता है कि अशोकसुंदरी का जन्म माता पार्वती की इच्छा से हुआ था। इस वजह से उन्हें शिव और पार्वती की बेटी माना जाता है।

अशोकसुंदरी की उत्पत्ति की कहानी

अशोकसुंदरी की कहानी बहुत दिलचस्प है। एक कथा के अनुसार, माता पार्वती एक बार अकेलापन महसूस कर रही थीं। तब उन्होंने कल्पवृक्ष से एक पुत्री की कामना की। कल्पवृक्ष को इच्छाएं पूरी करने वाला वृक्ष माना जाता है। जैसे ही माता पार्वती ने इच्छा की, वहां से एक सुंदर कन्या प्रकट हुई, जिसे अशोकसुंदरी नाम दिया गया। इस नाम का मतलब भी खास है। "अशोक" यानी दुख दूर करने वाली और "सुंदरी" यानी सुंदर। यानी ऐसी सुंदर कन्या जो दुखों को दूर कर दे। इस तरह अशोकसुंदरी को सुख और खुशी का प्रतीक माना जाता है।

अशोकसुंदरी का विवाह और जीवन

कथाओं के अनुसार अशोकसुंदरी का विवाह राजा नहुष से होना तय था। नहुष एक शक्तिशाली और तेजस्वी राजा थे। लेकिन उनके जीवन में भी कई उतार चढ़ाव आए। एक राक्षस ने अशोकसुंदरी को पाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने हमेशा अपने धर्म और वचन का पालन किया। अंत में अशोकसुंदरी का विवाह नहुष से ही हुआ और उन्होंने एक आदर्श जीवन जिया। उनकी कहानी हमें यह सिखाती है कि चाहे कितनी भी कठिनाइयां आएं, अगर इंसान अपने रास्ते पर अडिग रहता है तो अंत में जीत उसी की होती है।

क्या शिव जी की और भी बेटियां थीं

अब सवाल आता है कि क्या शिव जी की सिर्फ एक ही बेटी थी या और भी बेटियां थीं। अधिकतर पौराणिक ग्रंथों में सिर्फ अशोकसुंदरी का ही जिक्र मिलता है। हालांकि कुछ लोक कथाओं और क्षेत्रीय मान्यताओं में अलग अलग नामों का उल्लेख किया गया है, लेकिन उनका कोई ठोस प्रमाण नहीं मिलता। इसलिए अगर प्रमाणिक और प्रसिद्ध मान्यता की बात करें तो शिव जी की पुत्री के रूप में अशोकसुंदरी का ही नाम सबसे ज्यादा स्वीकार किया जाता है।

क्यों कम सुनी जाती है अशोकसुंदरी की कथा

आप सोच रहे होंगे कि अगर शिव जी की बेटी थी तो फिर उनके बारे में ज्यादा क्यों नहीं बताया जाता। इसका कारण यह है कि हिंदू धर्म में कुछ देवी देवताओं की पूजा और कथाएं ज्यादा लोकप्रिय हो गई हैं, जैसे गणेश जी और कार्तिकेय। अशोकसुंदरी की कथा मुख्य रूप से पद्म पुराण में मिलती है, लेकिन आम लोगों तक यह उतनी नहीं पहुंच पाई। यही वजह है कि उनके बारे में जानकारी कम मिलती है।

इस कथा से क्या सीख मिलती है

अशोकसुंदरी की कहानी हमें कई बातें सिखाती है। सबसे पहली बात यह कि जीवन में धैर्य रखना बहुत जरूरी है। दूसरी बात यह कि सच्चाई और विश्वास हमेशा जीतते हैं। तीसरी बात यह कि हर रिश्ते का अपना महत्व होता है, चाहे वह कम प्रसिद्ध ही क्यों न हो। यह कहानी हमें यह भी बताती है कि हर पौराणिक कथा के पीछे एक गहरा संदेश छुपा होता है, जिसे समझना जरूरी है।

खिलौने के व्यापारी की राजा को सीख

अगर हम सही तरीके से सुनना, समझना और बोलना सीख जाएं, तो जीवन सफल और संतुलित हो जाएगा

पुराने समय में एक राजा को नए-नए खिलौने खरीदने का बहुत शौक था। उसके दरबार में समय-समय पर दूर-दूर से व्यापारी आते और अनोखी वस्तुएं प्रस्तुत करते। एक दिन एक व्यापारी दरबार में आया और आत्मविश्वास से बोला, "राजन, आज मैं आपको ऐसे खिलौने दिखाने वाला हूं, जो आपने पहले कभी नहीं देखे होंगे।"

राजा उत्सुक हो उठा। उसने तुरंत व्यापारी को अपने खिलौने दिखाने का आदेश दिया। व्यापारी ने अपने झोले से तीन सुंदर पुतले निकाले। देखने में तीनों बिल्कुल एक जैसे थे, पर उनकी कीमतें अलग-अलग थीं। पहले की कीमत एक लाख मोहरें, दूसरे की एक हजार मोहरें और तीसरे की केवल एक मोहर।

राजा और दरबारियों को यह बात बहुत अजीब लगी। सभी ने पुतलों को ध्यान से देखा, पर उनमें कोई अंतर समझ नहीं आया। तब राजा ने अपने बुद्धिमान मंत्री से इस रहस्य को समझाने के लिए कहा।

मंत्री ने ध्यानपूर्वक पुतलों का निरीक्षण किया और एक सेवक से कुछ तिनके मंगवाए। उसने पहले पुतले के कान में तिनका डाला। तिनका उसके पेट में चला गया और थोड़ी देर बाद उसके होंठ हिले और फिर बंद हो गए। दूसरे पुतले के कान में तिनका डाला तो वह सीधे दूसरे कान से बाहर निकल गया। तीसरे पुतले के कान में तिनका डालते ही उसका मुंह खुल गया और वह जोर-जोर से हिलने लगा।

मंत्री ने मुस्कुराते हुए समझाया, "राजन, ये पुतले हमें जीवन की गहरी सीख देते हैं। पहला पुतला उन लोगों का प्रतीक है जो बातों को ध्यान से सुनते हैं, उन्हें समझते हैं, सत्यता परखते हैं और फिर ही कुछ कहते हैं। इसलिए इसकी कीमत सबसे अधिक है।"

"दूसरा पुतला उन लोगों को दर्शाता है जो एक कान से सुनते हैं और दूसरे से निकाल देते हैं। उन्हें किसी बात से फर्क नहीं पड़ता, वे लापरवाह होते हैं।" "तीसरा पुतला उन लोगों जैसा है जो बिना सोचे-समझे हर बात पर प्रतिक्रिया देते हैं और बिना सत्य जाने उसे फैलाते हैं। ऐसे लोगों का मूल्य बहुत कम होता है।" राजा और दरबारियों को यह सीख समझ में आ गई कि अगर हम सही तरीके से सुनना, समझना और बोलना सीख जाएं, तो जीवन सफल और संतुलित हो जाएगा। राजा ने उस व्यापारी से तीनों पुतले खरीद लिए।

प्रसंग की सीख

सुनने की कला विकसित करें

पहले पुतले की तरह बनें। जब कोई कुछ कहे, तो उसे ध्यान से सुनें। अधूरी जानकारी पर प्रतिक्रिया देने से गलतफहमियां पैदा होती हैं। एक अच्छा श्रोता ही सही निर्णय ले सकता है।

प्रतिक्रिया देने से पहले सोचें

आज के समय में लोग तुरंत प्रतिक्रिया देने लगते हैं, लेकिन समझदारी इसी में है कि पहले सोचें, फिर बोलें।

बातों को इधर-उधर करने से बचें

तीसरे पुतले की तरह बिना जांचे-परखे बातें इधर-उधर फैलाना आपके व्यक्तित्व को कमजोर करता है। इससे विश्वास कम होता है और रिश्ते भी खराब हो सकते हैं। इसलिए सोच-विचार कर किसी बात को आगे बढ़ाएं।

आत्म-नियंत्रण रखें

अपनी भावनाओं और शब्दों पर नियंत्रण रखना जीवन की सबसे बड़ी ताकत है। जो व्यक्ति अपने विचारों को नियंत्रित कर सकता है, वही सफल होता है।

सही लोगों की पहचान करें

जीवन में ऐसे लोगों के साथ रहें जो समझदारी से बात करते हैं और सोच-समझकर निर्णय लेते हैं। गलत संगति आपके जीवन को प्रभावित कर सकती है।

ज्ञान और विवेक को प्राथमिकता दें

कीमत हमेशा बाहरी चीजों से नहीं, बल्कि अंदर की समझ और विवेक से तय होती है। इसलिए अपने ज्ञान को बढ़ाने पर ध्यान दें।

संतुलित दृष्टिकोण अपनाएं

हर स्थिति को अलग नजरिए से देखने की कोशिश करें। इससे निर्णय बेहतर होते हैं और जीवन में स्थिरता आती है।

विपरीत वातावरण में सिर्फ अध्यात्म से मिलेगी शांति

झूठ बोलना एक विकल्प है, जिसे हम चुनते हैं। क्योंकि जिसे झूठ बोलना आता है, वो सच तो बोल ही सकता है। लेकिन जब भी हमारे पास चयन का अवसर आता है, हम सच को कठिन और झूठ को आसान मान लेते हैं। पहले कहा जाता था कि गांव के लोग सच्चे हैं और शहर में गली-गली, डगर-डगर झूठ बसता है।

लेकिन अब बेईमानी, निकम्मापन, झूठ- सब जगह पसर गया, क्या शहर, क्या गांव? वर्तमान युद्ध ने शहरी जीवन को हिला के रख दिया है। बचत में गिरावट आ गई, जिसके परिणाम भविष्य में दिखेंगे। ये तो तय है कि मनुष्य के शहरी जीवन में पिछले 20 सालों में हमने जो परिवर्तन और प्रगति की है, वो पिछले 2 हजार साल में नहीं हुई।

डिजिटल मीडिया ने एक नियम पकड़ लिया कि लोगों को इतना प्रभावित कर दिया जाए कि वो उसकी बात मानें। प्रदूषण, ट्रैफिक जाम और अपराध शहर के विकास का हिस्सा बन गए। ऐसे में सिर्फ आध्यात्मिक गलियारे हैं, जहां मनुष्य को ऐसे विपरीत वातावरण में रहते हुए भी शांति मिल सकती है।

अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता हैं वीर हनुमान

हनुमान जी को प्राप्त 8 सिद्धियां

सिद्धियां आठ प्रकार की दिव्य संपत्तियां हैं, जिन्हें पा लेने के बाद किसी अन्य धन-संपत्ति की जरुरत नहीं रहती।

अणिमा यानि बहुत सूक्ष्म रूप धारण करने की शक्ति।

महिमा, इच्छानुसार बहुत बड़ा रूप धारण करने की शक्ति।

गरिमा यानि शरीर को अत्यंत भारी बनाने की शक्ति।

लघिमा यानि शरीर को अत्यंत हल्का बनाने की शक्ति।

प्राप्ति या किसी भी वस्तु को तुरंत प्राप्त कर लेने की शक्ति।

प्राकाम्य यानि इच्छानुसार किसी भी जगह पहुंचने, पानी में रहने या आकाश में उड़ने की शक्ति।

ईशित्व यानि दैवीय शक्तियों का नियंत्रण करना।

वशित्व यानि इंद्रियों और मन पर पूर्ण नियंत्रण।

हनुमान जी को प्राप्त 9 निधियां

9 निधियां नौ प्रकार की दिव्य संपत्तियां हैं, जिन्हें पा लेने के बाद किसी अन्य धन-संपत्ति की जरुरत नहीं रहती।

पद्म निधि या स्वर्ण-चांदी का संग्रह कर दान करने वाला सात्विक स्वभाव।

महापद्म निधि धार्मिक कार्यों में धन लगाने वाला स्वभाव।

नील निधि यानि तीन पीढ़ियों तक चलने वाली संपत्ति।

मुकुंद निधि यानि राज्य और सत्ता से संबंधित संपत्ति।

नंद निधि यानि कुल का आधार बनने वाली संपत्ति।

मकर निधि यानि अस्त्र-शस्त्रों का संग्रह।

कच्छप निधि में स्वयं उपभोग करने वाली संपत्ति।

शंख निधि में एक पीढ़ी तक रहने वाली संपत्ति।

खर्व निधि यानि मिश्रित फलों वाली संपत्ति।

इन 8 सिद्धियों और 9 निधियों की वजह से हनुमान जी अद्भुत और चमत्कारी हैं। उनके लिए कोई भी काम असंभव नहीं है।

इन सिद्धियों की वजह से श्रीरामदूत किसी भी रूप में प्रकट हो सकते हैं, पल भर में कहीं भी पहुंच सकते हैं और असंभव कार्यों को भी संभव बना देते हैं।

हनुमान चालीसा के पाठ से भक्तों को इन दिव्य शक्तियों और संपत्तियों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। संकटमोचन की कृपा से भक्तों के सभी कष्ट दूर होते हैं, साहस बढ़ता है और जीवन में सफलता मिलती है।

वैशाख माह में करें इन चीजों का दान

जल: वैशाख मास में जल का दान सबसे पुण्यकारी माना गया है। इस माह में जल का अर्घ्य अर्पित करने से सूर्य देव बहुत प्रसन्न होते हैं। वैशाख में जल से भरा घड़ा यानी मटके का दान करें।

फल: वैशाख महीने में ऐसे फलों का दान अवश्य करें, जिनको खाने से शितलता मिलती हो। इस माह में मौसमी फल जैसे- तरबूज, **खरबूजा और बेल का दान** बहुत शुभ माना गया है। फल का दान करने से घर में सुख-समृद्धि रहती है।

छाता और चप्पल: वैशाख महीने में गर्मी बहुत रहती है। ऐसे में गरीब और जरूरतमंदों को छाता और चप्पल दान में दें। इन दोनों चीजों का दान कुंडली से राहु-केतु जैसे दोष दूर करता है।

वस्त्र: वैशाख मास में जरूरतमंदों को वस्त्र का दान करें। इस माह में वस्त्रों के दान से कुंडली में सूर्य कि स्थिति मजबूत होती है।

सत्तू: गर्मियों में सत्तू का सेवन पेट को ठंडा रखता है। इसलिए इस माह में सत्तू का सेवन जरूर करें। साथ ही सत्तू का दान भी अवश्य करें।

अनोखा मंदिर, जहां कैद में हैं संकटमोचन क्यों हनुमान जी के पैरों में डाली गई बेड़ियां?

जगन्नाथ मंदिर के पास ही रामदूत हनुमान जी का भी एक मंदिर है, जिसे बेड़ी हनुमान मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में हनुमान जी के पैरों में बेड़ियां डाली गई हैं। आइए जानते हैं कि ऐसा क्यों है?

जगन्नाथ भगवान के धाम (मंदिर) को चारों धामों में से एक माना जाता है। भगवान जगन्नााथ का मंदिर उड़ीसा के पुरी में स्थित है। भगवान जगन्नाथ कोई और नहीं, बल्कि श्री हरि विष्णु के अवतार श्रीकृष्ण हैं। भगवान इस मंदिर में अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विराजते हैं। शायद ही कोई ऐसा होगा, जिसे इस मंदिर के बारे में पता न हो। ये मंदिर देश के साथ-साथ विदेशों में भी प्रसिद्ध है।

लोग देश-विदेश से इस मंदिर में भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए आते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि यहां मंदिर की रक्षा कौन करता है। आप जानकर हैरान होंगे कि इस मंदिर की रक्षा स्वयं भगवान राम के परम भक्त हनुमान जी करते हैं। जगन्नाथ मंदिर के पास ही रामदूत हनुमान जी का भी एक मंदिर है, जिसे बेड़ी हनुमान मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में हनुमान जी के पैरों में बेड़ियां डाली गई हैं। आइए जानते हैं कि ऐसा क्यों किया गया है?

बेड़ी हनुमान मंदिर को लेकर ये है मान्यता

लोक मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ के मंदिर का निर्माण राजा इंद्रद्युम्न ने कराया था। कहा जाता है कि उनको स्वयं भगवान विष्णु ने दर्शन देकर इस मदिर का निर्माण कराने का आदेश दिया था। कहते हैं कि यहां कण-कण में बजरंगबली का वास है। वहीं बेड़ी हनुमान मंदिर को लेकर ये मान्यता है कि समय समुद्र की तेज लहरों ने तीन बार जगन्नाथ मंदिर को तोड़ने का प्रयास किया।

आज भी हनुमान जी कर रहे हैं आदेश का पालन

उस समय भगवान जगन्नाथ ने हनुमान जी को आदेश दिया कि वो मंदिर में पहरा दें और समुद्र की लहरों को नियंत्रित करें। भगवान जगन्नाथ के आदेश पर हनुमान जी ने अपनी जिम्मेदारी बहुत अच्छे निभाई, लेकिन जब भी हनुमान जी कहीं पर भी श्रीराम का भजन या किर्तन सुनते है वो पहरेदारी छोड़कर उस जगह पर चले जाते। ऐसे में समुद्र की लहरें अवसर पाकर मंदिर में प्रवेश कर लेतीं।

यही वजह है कि भगवान जगन्नाथ ने हनुमान जी को वहां सोने की बेड़ियों से बांध दिया। ताकि हनुमान हमेशा-हमेशा उस जगह पर रहें और मंदिर की रक्षा करते रहें। आज भी हनुमान जी भगवान के आदेश का पालन कर रहे हैं।

अप्रैल 2026 में 15 अप्रैल से गूंजेंगी शहनाइयां

अप्रैल 2026 के विवाह के शुभ मुहूर्त

15 अप्रैल 2026 (बुधवार)
20 अप्रैल 2026 (सोमवार)
21 अप्रैल 2026 (मंगलवार)
25 अप्रैल 2026 (शनिवार)
26 अप्रैल 2026 (रविवार)
27 अप्रैल 2026 (सोमवार)
28 अप्रैल 2026 (मंगलवार)
29 अप्रैल 2026 (बुधवार)

15 अप्रैल से क्यों शुरू होते हैं शुभ कार्य?

हिंदू पंचांग के अनुसार, खरमास के दौरान सूर्य देव गुरु की राशि (धनु या मीन) में होते हैं, जिस कारण विवाह जैसे मांगलिक कार्य वर्जित माने जाते हैं। अप्रैल 2026 में खरमास की समाप्ति 14 अप्रैल को हो रही है, इसलिए 15 अप्रैल से सभी शुभ कार्यों की शुरुआत हो जाती है। इस दिन के बाद ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति अनुकूल हो जाती है, जिससे विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों के लिए शुभ संयोग बनते हैं।

अक्षय तृतीया का विशेष महत्व

अप्रैल के महीने में ही 19 अप्रैल 2026 को अक्षय तृतीया का पावन पर्व भी पड़ रहा है। शास्त्रों में अक्षय तृतीया को अबूझ मुहूर्त माना गया है। यानी इस दिन बिना पंचांग देखे भी विवाह संपन्न किए जा सकते हैं। यही कारण है कि अप्रैल के माह में शादियों की सबसे ज्यादा धूम रहती है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 4 अप्रैल - 2026

मालदा से उठे सवाल

पश्चिम बंगाल में मालदा के कालियाचक की हालिया घटना और उस पर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी केवल एक प्रशासनिक विफलता का मामला नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर उठे गंभीर सवालों का संकेत भी है। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले जिस तरह एसआईआर को लेकर जमीनी स्तर पर असंतोष सामने आया है, उसने साफ कर दिया है कि चुनावी प्रक्रिया केवल तकनीकी नहीं, बल्कि विश्वास का विषय भी है। मालदा में भीड़ द्वारा सात न्यायिक अधिकारियों को करीब नौ घंटे तक बंधक बनाकर रखना किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए बेहद चिंताजनक है। घटना बताती है कि असहमति का स्वर अब संवैधानिक सीमा पार कर अराजकता की ओर बढ़ रहा है। विरोध-प्रदर्शन में कानून को हाथ में लेना किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकता। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में कड़ी टिप्पणी करनी पड़ी, जो राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगाती है। देखा जाए तो यह स्थिति अचानक नहीं बनी। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लंबे समय से कर्मचारियों को असुरक्षित परिस्थितियों में काम करते समय कई जगहों पर विरोध के स्वर पहले से ही उभर रहे थे। ऐसे में यदि प्रशासन हालात की गंभीरता का समय रहते आकलन नहीं कर पाया, तो यह उसकी तैयारी और संवेदनशीलता दोनों पर सवाल खड़े करता है। चुनाव जैसे संवेदनशील दौर में प्रशासनिक मशीनरी की छोटी चूक भी बड़े संकट का रूप ले सकती है। इस पूरे विवाद के केंद्र में मतदाता सूची का मुद्दा है, जिसने आम नागरिकों के बीच अविश्वास का माहौल पैदा किया है। पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन से पहले लगभग 7.6 करोड़ मतदाता सूची में दर्ज थे, लेकिन अब इसमें करीब 10 प्रतिशत की कमी आई है। फाइनल लिस्ट जारी होने से पहले करीब 60 लाख नामों को तकनीकी विसंगतियों के आधार पर चिन्हित किया गया था, जिनमें से लगभग 47 लाख आपत्तियों का निपटारा किया जा चुका है। इसके बावजूद 35 से 40 प्रतिशत तक के रिविजन रेट की चर्चा ने लोगों के मन में यह आशंका पैदा कर दी है कि कहीं उनका नाम सूची से बाहर न हो जाए। यही आशंका सड़कों पर असंतोष के रूप में दिखाई दे रही है। चुनाव आयोग ने भरोसा दिलाया है कि कोई भी योग्य मतदाता सूची से बाहर नहीं रहेगा और सुप्रीम कोर्ट भी पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। न्यायिक अधिकारियों को इस प्रक्रिया में शामिल करना भी इसी भरोसे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। लेकिन केवल आश्वासन से ही भरोसा नहीं बनता, उसके लिए जमीनी स्तर पर पारदर्शिता और संवाद की भी उतनी ही जरूरत होती है। पूरे घटनाक्रम में राजनीतिक दलों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। चुनावी माहौल में दलों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वे संवेदनशील मुद्दों को भड़काने के बजाय समाधान की दिशा में सहयोग करें। यदि चुनावी प्रक्रिया पर जनता का भरोसा कमजोर होता है, तो उसका नुकसान केवल किसी एक दल को नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे को उठाना पड़ता है। आज जरूरत इस बात की है कि प्रशासन सख्ती और संवेदनशीलता के साथ हालात को संभाले, चुनाव आयोग पारदर्शिता बढ़ाए और राजनीतिक दल जिम्मेदारी का परिचय दें। क्योंकि लोकतंत्र की असली ताकत केवल चुनाव कराने में नहीं, बल्कि चुनाव पर जनता के भरोसे को बनाए रखने में होती है। यही भरोसा कमजोर हुआ, तो लोकतंत्र की बुनियाद भी डगमगाने लगेगी।

देश की सर्वांगीण प्रगति का मूल राष्ट्रीय जागरण

संजीव ठाकुर

1947 में भारत एवं पाकिस्तान ने एक साथ स्वतंत्रता की प्राप्ति की थी किंतु पाकिस्तान एक मुस्लिम राष्ट्र की अवधारणा धारण कर अलग दिशा में आगे बढ़ता गया जिसके फलस्वरुप आज पाकिस्तान विपन्न और गरीब देश बन गया है। दूसरी तरफ भारत एक लोकतांत्रिक, जनतांत्रिक अवधारणा की दिशा में नई-नई विकास के सोपनो को प्रतिपादित कर आगे बढ़ता गया। भारत वैश्विक स्तर पर सामरिक आर्थिक एवं अन्य विषयों पर काफी हद तक प्रगति प्राप्त कर चुका है।भारत ने आश्चर्यजनक रूप से देश को विकसित मजबूत एवं सशक्त बना दिया है ।

भारतीय परिदृश्य और संदर्भ में भारत में विगत एक दशक में व्यापक तथा आमूल चूल परिवर्तन देखे गये हैं। राजनीतिक परिदृश्य में उत्तरदायित्व आधारित शासन प्रशासन-प्रणाली, सांस्कृतिक विमर्श में सनातनी सांस्कृतिक सभ्यता-गौरव की पुनर्प्राप्ति और आर्थिक नीतियों के संरचनात्मक सुधारों ने देश की दिशा और दशा तय की है। इन नई विचारधारा एवं रणनीति ने भारत को न केवल आंतरिक रूप से सशक्त किया बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

भारतीय राजनीति में पिछले दो दशकों का सबसे बड़ा परिवर्तन रिपोर्ट कार्ड राजनीति का उदय रहा, जिसमें आम जनता और राजनीतिक नेताओं और दलों का मूल्यांकन उनके किए गए कार्यों और परिणामों के आधार पर कसौटी पर कसा जाने लगा है ।संवैधानिक और नीतिगत स्तर पर कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए। 2019 में अनुच्छेद 370 का निरसन और जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन केंद्र की सख्त और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति तथा विचारधारा का प्रतीक बना। तीन तलाक कानून ने मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रखा। वहीं नागरिकता संशोधन अधिनियम ने राष्ट्रीयता और शरणार्थी नीति पर नई विचारों की श्रृंखला को जन्म दिया। भारत की परंपरागत लोकतांत्रिक विरासत को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए नया संसद भवन, ई-संसद और डिजिटलीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य को शामिल किया गया है। दूसरी तरफ विपक्ष की भूमिका, मीडिया की स्वतंत्रता और चुनावी राजनीति में सोशल मीडिया तथा धनबल के प्रभाव ने लोकतांत्रिक विमर्श को चुनौतीपूर्ण और प्रभावशाली भी बनाया गया है।

नये भारत की संकल्पना और अवधारणा को केवल राजनीति या अर्थव्यवस्था तक सीमित परिसीमित नहीं रखा गया है बल्कि सांस्कृतिक क्षेत्र के व्यापक फलक पर भी इसका गहरा असर और परिणाम परिलक्षित हुए हैं । भारत की महान अर्वाचीन योग और आयुर्वेद जैसी परंपरा को वैश्विक स्तर प्रचारित प्रसारित कर नई अवधारणा तथा पहचान प्रदान की गई है।

अयोध्या में राममंदिर निर्माण ने भारतीय परंपरा और धार्मिक-सांस्कृतिक आकांक्षाओं की विशाल अवधारणा को मूर्त रूप दिया गया है। शिक्षा और पाठ्यपुस्तकों में भारतीय आख्यानों और इतिहास को नवीन स्वरूप देने के प्रयास किए गए हैं। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को पुष्पित पल्लवित करने के प्रयासों को संपूर्ण प्रोत्साहन दिया गया। साथ ही, सांस्कृतिक कूटनीति नवीन अवधारणा के माध्यम से भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान और अधिक सुदृढ़ रूप से विस्तारित की है। हालाँकि, इस सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ अनेक कठिन एवं दुष्कर चुनौतियाँ भी रहीं हैं।

शीतला माता मंदिर में हुए हादसे से उभरते सवाल मांग रहे जवाब?

कमलेश पांडेय

जब दुनियादारी से परेशान व्यक्ति ईश्वरीय आस्था की शरण में जाता है तो उसके बेचैन मन को असीम शांति मिलती है। फलस्वरूप वह नाना प्रकार के रोगों से प्रभावित होते रहने से बच जाता है। वहीं उसकी मनोकामनाएं रूपीं मन्नतें भाव मार्ग द्वारा सम्बन्धित हृदय को प्रभावित करते हुए द्रवित करती हैं जिससे श्रद्धालु के मनोरथ पूरे हो जाते हैं। यही वजह है कि ईश्वरीय आस्था व विश्वास हर धर्म में किसी न किसी रूप में व्याप्त और सर्वव्यापी है।

मौजूदा दौर में धर्म-कर्म को भी मुनाफे का धंधा बना दिया गया है। जहां अमीर मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण कसा हुआ है, वहीं गरीब मंदिरों की व्यवस्था भगवान भरोसे या मंदिर स्वयंसेवक के जरिए संचालित होते हैं। इनमें से कुछ मंदिरों में भारी भीड़ होती है, लेकिन स्थानीय सिविल प्रशासन की अदूरदर्शिता और पुलिस प्रशासन की लापरवाही से जब तब हादसे होते रहते हैं। लिहाजा सुव्यवस्था व सुशासन अक्सर सवालों के घेरे में रहते आये हैं।

ताजा मामला बिहार के अभागे जिला नालंदा का है जहां के मूल निवासी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अस्ताचलगामी राजनीतिक साम्राज्य के लिए शीतला माता मंदिर भगदड़ से उपजी टीस सालों तक लोगों को सालती रहेगी। उनके पास से गृह मंत्रालय क्या गया, उनका गृह जिला भी मानवीय आपदा का शिकार हो गया। उनका मन जरूर अफसोस करता होगा, यदि अपनी मिट्टी से थोड़ा सा भी प्यार बचा रह गया होगा तो!

गौरतलब है कि बिहार के नालंदा जिले के बिहारशरीफ स्थित शीतला माता मंदिर में 31 मार्च 2026 को चैत्र मास के अंतिम मंगलवार को भगदड़ मच गई, जिसमें 8-9 श्रद्धालुओं (ज्यादातर महिलाओं) की मौत हो गई और कई घायल हुए। बताया गया कि यह हादसा भारी भीड़, अपर्याप्त सुरक्षा और प्रबंधन की कमी के कारण हुआ। नीतिगत दृष्टि से यह घटना राज्य की भीड़ प्रबंधन व्यवस्था पर सवाल उठाती है। लिहाजा, स्थानीय पुलिस अधीक्षक ने लोकल थाना प्रभारी को कर्तव्य हीनता के आरोप में निलंबित कर दिया है। इस गम्भीर हादसे के कारण के तौर पर मंदिर का छोटा होना, बैरिकेडिंग न होना और पुलिस की अनुपस्थिति से हुई धक्कामुक्की आदि बताया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि महावीर जयंती के संयोग से भीड़ बढ़ गई, लेकिन कोई पूर्व तैयारी नहीं की गई। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की गाइडलाइन का पालन न होने से हादसा हुआ, जो टलने योग्य था। इस हादसे पर प्रशासनिक प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अफसोस जताया और

मृतकों के परिजनों को 6 लाख रुपये मुआवजा घोषित किया और अधिकारियों को इसे अविलंब पीड़ितों को प्रदान करने के निर्देश दिए। दीपनगर थानाध्यक्ष को निलंबित किया गया तथा जांच शुरू हुई। क्योंकि विपक्ष ने इसे प्रशासनिक लापरवाही करार दिया। इस हादसे के नीतिगत निहितार्थ निम्नलिखित हैं- पहला, यह घटना धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन नीति को मजबूत करने की जरूरत बताती है, जैसे अतिरिक्त पुलिस तैनाती और सीसीटीवी बढ़ाना। दूसरा, बिहार में पूर्व हादसों (जैसे पटना 2012-14) के बावजूद दोहराई जाने वाली चूक से केंद्रीय स्तर पर एकरूप नीति की मांग तेज हो सकती है। इसलिए अन्य मंदिरों में सुरक्षा सख्ती इसका प्रत्यक्ष प्रभाव है। यदि पिछले मंदिर भगदड़ हादसों से तुलना की जाए तो ऐसा करने पर शीतला माता हादसा भीड़ प्रबंधन की पुरानी कमियों को दोहराता दिखता है। बिहार में विशेष रूप से सावन या चैत्र जैसे उत्सवों पर ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं।वहीं, प्रमुख हादसों की तुलना इस प्रकार हैः- यदि हादसा, स्थान, तारीख, मौतें, मुख्य कारण और प्रतिक्रिया की बात की जाए तो इससे पूर्व बाबा सिद्धेश्वर मंदिर, जहानाबाद, में 7 अगस्त 2024 को हादसा हुआ जो पुलिस लापरवाही और भारी भीड़ के चलते हुए थी। वहीं, गरीबनाथ मंदिर, मुजफ्फरपुर, में 13 अगस्त 2018 को हुए हादसे में 25 घायल हुए थे। क्योंकि सावन सोमवार पर जलाभिषेक के दौरान धक्कामुक्की हुई थी। वहीं, महाबोधि मंदिर/पटना दशहरा, पटना, में 3 अक्टूबर 2014 को हुए हादसे में 32 से ज्यादा लोग मर गए थे क्योंकि तार गिरने की अफवाह से भगदड़ मची थी। वहीं पड़ोसी राज्य उत्तरप्रदेश में हाथरस सत्संग के दौरान जुलाई 2024 में हादसा हुआ जिसमें 121 लोग मारे गए क्योंकि भगदड़ सत्संग में मची थी। फिर मुख्य आरोपी गिरफ्तार हुए। उपर्युक्त हादसों से जुड़ीं समानताएं और सबक यह हैं कि सभी मामलों में कारण भारी भीड़, अपर्याप्त सुरक्षा और अफवाहें रहीं। बिहार के हादसे छोटे मंदिरों में ज्यादा, जबकि यूपी जैसे राज्यों में बड़े आयोजनों पर हो ही जाते हैं, इसलिए नीतिगत रूप से एसओपी,, सीसीटीवी और पूर्व चेतावनी प्रणाली की कमी उजागर होती है।आपको यह पता होना चाहिए कि मंदिर भगदड़ रोकने के लिए एनडीएमए दिशानिर्देशों और राज्य एसओपी का कड़ाई से पालन जरूरी है। ये उपाय पूर्व तैयारी, तकनीक और समन्वय पर आधारित हैं। वहीं पूर्व योजना के तहत भीड़ का अनुमान लगाकर ऑनलाइन पंजीकरण और समयबद्ध प्रवेश लागू करें। मास गेदरिंग प्लान बनाएं जिसमें आयोजक, पुलिस और एनजीओ की भूमिका स्पष्ट हो। मॉक ड्रिल नियमित करें। जहां तक भीड़ प्रबंधन की बात है तो प्रवेश-निकास द्वार अलग रखें, बैरिकेडिंग लगाएं और चौड़ी राहें सुनिश्चित करें। एआई-सीसीटीवी, ड्रोन से रीयल-टाइम मॉनिटरिंग करें (6 व्यक्ति/वर्गमीटर पर अलर्ट)। पर्याप्त प्रशिक्षित पुलिस/स्वयंसेवक तैनात करें। वहीं, बुनियादी ढांचा जैसे आपातकालीन द्वार, अग्निशामक यंत्र, पानी/आराम सुविधाएं उपलब्ध रखें। संकेतक चिन्ह, पीए सिस्टम से निर्देश दें और पार्किंग रोकें।वहीं, भविष्योन्मुखी कदम उठाते हुए डीएमए 2005 के तहत जिलों में मास गेदरिंग नीति लागू करें। भक्तों को जागरूकता दें किभीड़ में हाथ छाती से सटाकर खड़े रहें।

शिक्षक, शोध और शिक्षा : सबका केंद्र बनेगा एनसीईआरटी

आरके जैन

जब किसी देश की शिक्षा व्यवस्था करवट लेती है, तो बदलाव केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की दिशा और दशा दोनों बदल जाती हैं। भारत की शिक्षा यात्रा में 2026 का आरंभ ऐसा ही एक निर्णायक पड़ाव बन गया है। पिछले 6 दशकों से करोड़ों विद्यार्थियों को अपनी पुस्तकों के माध्यम से मार्ग दिखाने वाली एनसीईआरटी अब 'डीम्ड-टू-बी-यूनिवर्सिटी' बनने जा रही है। अब वह केवल किताबें तैयार करने वाली संस्था नहीं रहेगी, बल्कि डिग्री प्रदान करेगी, शोध को बढ़ावा देगी, नए शिक्षकों का निर्माण करेगी और शिक्षा की नई नीतियों की आधारशिला रखेगी। यह बदलाव महज एक प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था को भीतर तक बदल देने वाली उस ऐतिहासिक क्रांति की शुरुआत है, जिसकी नींव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने रखी थी।

1961 में स्थापित एनसीईआरटी ने दशकों तक भारतीय विद्यालयी शिक्षा की आधारशिला बनकर कार्य किया। देश के अधिकांश स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली पुस्तकें, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन पद्धतियां इसी संस्था की दृष्टि से आकार लेती रहीं। इसकी किताबों ने गांव के छोटे विद्यालय से लेकर महानगरों के प्रतिष्ठित स्कूलों तक शिक्षा का एक समान आधार तैयार किया। लेकिन समय बदलने के साथ यह स्पष्ट हो गया कि केवल पाठ्यपुस्तकें तैयार कर देना पर्याप्त नहीं है। नई शिक्षा व्यवस्था को ऐसे विशेषज्ञों की जरूरत है, जो शिक्षा को गहराई से समझें, उस पर शोध करें और बदलते समय के अनुसार उसे नया स्वरूप दे सकें। यही सोच एनसीईआरटी को विद्यालयी शिक्षा की सीमाओं से आगे बढ़ाकर उच्च शिक्षा के केंद्र में ले आई। वर्ष 2023 में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पहली बार सार्वजनिक रूप से संकेत दिया था कि एनसीईआरटी को शोध और शिक्षक शिक्षा का राष्ट्रीय केंद्र बनाया जाएगा। लगभग 3 वर्षों की तैयारी, विशेषज्ञों की सिफारिशों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के बाद अब यह निर्णय अंतिम रूप लेने जा रहा है। दिल्ली स्थित एनसीईआरटी मुख्यालय के साथ-साथ अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर, मैसूर और शिलांग के क्षेत्रीय संस्थान भी इस नए स्वरूप का हिस्सा बनेंगे। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि एनसीईआरटी का दायरा बढ़ेगा, बल्कि यह कि देश के अलग-अलग हिस्सों में शिक्षा और शोध के नए केंद्र उभरेंगे। पहली बार विद्यालयी शिक्षा और विश्वविद्यालयी शोध एक ही मंच पर साथ दिखाई देंगे।

डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा मिलने के बाद एनसीईआरटी को व्यापक शैक्षणिक अधिकार प्राप्त हो जाएंगे। अब वह स्वतंत्र रूप से डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी स्तर तक के पाठ्यक्रम संचालित कर सकेगा। शिक्षा, मनोविज्ञान, बाल विकास, समावेशी शिक्षा, डिजिटल शिक्षण, बहुभाषी अध्ययन और शिक्षक-प्रशिक्षण जैसे विषयों में विशेष डिग्रियां दी जा सकेंगी। संस्था को अपने पाठ्यक्रम स्वयं बनाने, शैक्षणिक ऋण बैंक प्रणाली लागू करने और राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचे में शामिल होने की स्वतंत्रता मिलेगी। इसके साथ ही विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी, छात्र-शिक्षक आदान-प्रदान तथा नए परिसर खोलने का मार्ग भी प्रशस्त होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एनसीईआरटी का उद्देश्य लाभ कमाना नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाई तक पहुंचाना होगा। दशकों से भारतीय शिक्षा व्यवस्था दो हिस्सों में बंटी हुई दिखाई देती रही है-एक ओर स्कूल, दूसरी ओर विश्वविद्यालय। विद्यालयों में पढ़ाई जाने वाली सामग्री और विश्वविद्यालयों में होने वाला शोध शायद ही कभी एक-दूसरे से जुड़ पाए। परिणामस्वरूप शोध पुस्तकालयों और रिपोर्टों तक सीमित रह गया, जबकि स्कूल पुराने ढर्रे पर चलते रहे। एनसीईआरटी का यह नया रूप अब इस दूरी को समाप्त करने वाला सशक्त सेतु बनेगा। जो विशेषज्ञ पाठ्यक्रम तैयार करेंगे, वही शिक्षक गढ़ेंगे और वही शिक्षा पर शोध भी करेंगे। इससे नई खोजें और नए विचार सीधे कक्षा तक पहुंचेंगे। बच्चों की पढ़ाई अधिक व्यावहारिक, वैज्ञानिक और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बन सकेगी।

भारत की शिक्षा व्यवस्था में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक हमेशा से प्रशिक्षित और सक्षम शिक्षकों की कमी रही है। अनेक शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थान आज भी पुराने पाठ्यक्रमों और पारंपरिक तरीकों तक सीमित हैं। ऐसे समय में एनसीईआरटी का यह नया स्वरूप शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में नई क्रांति ला सकता है। अब वह ऐसे पाठ्यक्रम प्रारंभ कर सकेगा, जिनमें डिजिटल शिक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण, व्यावसायिक शिक्षा, समावेशी कक्षाएं और बहुभाषी अध्ययन जैसे आधुनिक विषय शामिल होंगे। क्षेत्रीय संस्थानों में पीजी और पीएचडी कार्यक्रम शुरू होने से युवा शोधकर्ताओं को विद्यालयी शिक्षा की वास्तविक चुनौतियों पर काम करने का अवसर मिलेगा। उनके शोध के परिणाम सीधे पाठ्यपुस्तकों और शिक्षा नीतियों में दिखाई देंगे, जिससे शिक्षा अधिक जीवंत, प्रभावी और समयानुकूल बन सकेगी। हर बड़ा परिवर्तन अपने साथ चुनौतियां भी लाता है। एनसीईआरटी के सामने भी कई गंभीर प्रश्न हैं। कुछ शिक्षाविदों का मानना है कि यूजीसी के नियमों के अधीन आने से उसकी स्वतंत्र कार्यशैली प्रभावित हो सकती है। जिस संस्था की पहचान अब तक विद्यालयी शिक्षा से रही है, उसके लिए विश्वविद्यालयी ढांचे में ढलना आसान नहीं होगा। नए विभाग, प्रशिक्षित संकाय, शोध सुविधाएं, पर्याप्त बजट और प्रशासनिक सुधारों की आवश्यकता पड़ेगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उच्च शिक्षा की नई भूमिका निभाते हुए एनसीईआरटी अपनी मूल जिम्मेदारी, यानी स्कूल शिक्षा को मजबूत बनाने, से दूर न हो। यदि योजना, पारदर्शिता और गुणवत्ता पर बराबर ध्यान दिया गया, तो यही चुनौतियां उसकी सबसे बड़ी शक्ति बन सकती हैं।

यदि यह परिवर्तन सफल हुआ, तो आने वाले समय में एनसीईआरटी केवल एक संस्था नहीं, बल्कि भारतीय शिक्षा का सबसे बड़ा केंद्र बन जाएगी। एक ओर देश का विद्यार्थी उसकी किताबों से पढ़ेगा, दूसरी ओर उसी संस्था का शोधकर्ता नई शिक्षा नीति तैयार करेगा और वही शिक्षक गढ़े जाएंगे, जो आने वाली पीढ़ियों को दिशा देंगे।

यह ऐसा मॉडल होगा, जहां शिक्षा, शोध और प्रशिक्षण एक-दूसरे से सीधे जुड़े होंगे। विकसित भारत का सपना केवल उद्योग, तकनीक और अर्थव्यवस्था से पूरा नहीं होगा; उसकी सबसे मजबूत आधारशिला शिक्षा ही बनेगी। एनसीईआरटी का यह नया स्वरूप उसी आधारशिला को अधिक मजबूत, व्यापक और विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम है।

नौकरी के लिए न्यूनतम अंक भी प्राप्त नहीं होना अध्ययन गुणवत्ता पर सवाल

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अभी मेडिकल पीजी में 0 पर्सेंटाइल पर प्रवेश का मुद्दा पुराना भी नहीं हुआ है कि राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा स्कूल लेक्चरर के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम ने देश की शिक्षा के हालातों के पोल खोलकर ही रख दी है। शिक्षा के मंदिर में बच्चों को पढ़ाने के लिए लेक्चरर के पद पर नियुक्ति के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में पोलिटिकल साइंस के लेक्चरर के पद के लिए हजारों युवाओं ने परीक्षा दी और 225 पद होने के बावजूद केवल 6 परीक्षार्थी चयन के योग्य पाये गये। मजे की बात है कि परीक्षा देने वाले हजारों युवाओं में मात्र 219 युवा भी न्यूनतम प्राप्तांक 40 प्रतिशत अंक भी प्राप्त नहीं कर पायें। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि फिजिकल एजुकेशन के 37 पदों के लिए एक भी नहीं और होमसाइंस जैसे विषय के लेक्चरर के पद के लिए केवल एक परीक्षार्थी ही सफल हो सका। अब एक और देश में प्रतिपक्ष बेरोजगारी की समस्या को गंभीरता से उठा रहे हैं तो दूसरी और भर्ती वाले पदों के लिए न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त करने में भी आज के युवा सफल नहीं हो पा रहे हैं। यह कोई राजस्थान की ही बात नहीं है अपितु यह समूचे देश की शिक्षा के स्तर की बानगी है। क्योंकि निश्चित रुप से राजस्थान लोक सेवा आयोग की परीक्षा में अन्य प्रदेशों के युवा भी परीक्षार्थी रहे होंगे। बेरोजगारी की समस्या अपनी जगह पर है पर दूसरी और स्नातक, स्नातकोत्तर और तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं के ज्ञान के स्तर को इससे आंका जा सकता है। यही कारण है कि आज मल्टी टास्क सर्विस जिसे परपंरागत शब्दों में कहा जाए तो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद या शहरी निकायों में सफाई कर्मचारी के कुछ पदों के लिए ही हजारों लाखों युवा आवेदन करने लगे हैं और तस्वीर का एक पहलू यह है कि इन युवाओं में उच्च और तकनीकी शिक्षा यहां तक की इंजीनियर, डॉक्टर, एमबीए तक आवेदन कर रहे हैं। यह हमारे शैक्षणिक संस्थानों के लिए किसी तमाचे से कम नहीं होना चाहिए। अब पोलिटिकल साइंस के स्कूल लेक्चरर के लिए परीक्षा देने वाले युवा निश्चित रुप से पोलिटिकल साइंस से स्नातक या स्नातकोत्तर और हो सकता है कि पीएच डी तक हो पर उनके द्वारा केवल और केवल न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक भी प्राप्त नहीं करना कहीं ना कहीं शिक्षा की स्थिति को स्पष्ट करती है। वैसे देखा जाएं तो 40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर चयनित होने वाले स्कूल लेक्चरर से आप बच्चों को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की अपेक्षा करेंगे तो बेमानी होगी। हालात वास्तव में गंभीर है और यही कारण है कि नौकरी के लिए आयोजित परीक्षाओं में नकल, गलत प्रयोग और पेपर आउट व डमी केंडिडेट द्वारा परीक्षाएं देने के माफियायों की बन पड़ी है। जहां तक मेडिकल पीजी में जीरो पर्सेंटाइल पर प्रवेश के निर्णय पर यह अवश्य संतोष की बात है कि फैडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने सरकार के इस निर्णय की खिलाफत करने की हिम्मत दिखाई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि देष में षिक्षण संस्थाओं का जाल बिछा कर सबके लिए शिक्षा की सुविधा उपलब्ध हो सकी। अब तो डीम्ड यूनिवर्सिटी सहित यूनिवर्सिटी नित नई खुलती जा रही है। इसे अच्छा भी माना जा सकता है पर सौ टके का सवाल यह है कि क्या शिक्षण संस्थान केवल डिग्री देने के माध्यम ही बन कर रह गए हैं। पोलिटिकल साइंस स्कूल लेक्चरर या अन्य पदों के लिए न्यूनतम योग्यता प्राप्त करने वाली युवाओं की पीढ़ी तैयार हो रही है तो इसके लिए सबसे अधिक शर्म की बात इन शिक्षण संस्थानों के लिए होनी चाहिए। पोलिटिकल साइंस तो उदाहरण मात्र है, सवाल यह है कि परीक्षा देने वाले हजारों प्रतियोगी किसी एक संस्थान से तो डिग्री प्राप्त नहीं होंगे। मजे और शर्म की बात यह है कि इन हजारों प्रतियोगी छात्रों में से कई युवा तो स्तरीयता का दावा करने वाले संस्थान के शिक्षार्थी रहे होंगे, उसके बाद नौकरी के लिए परीक्षा में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक भी प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो इससे अधिक बुरी बात क्या होगी? आखिर हम जा कहां रहे हैं। शिक्षण संस्थानों की स्तरीयता पर ही सवाल खड़े हो जाते हैं। इसके अलावा जिस तरह से कोचिंग संस्थानों और लाइब्रेरियों की बाढ़ आई हुई है उसके परिणाम भी इन परिणामों में कहीं दूर दूर तक लक्षित नहीं हो रहे।

सरकार और तकनीकी शिक्षण संस्थानों को कम से कम अपने स्तर का तो ध्यान रखना ही होगा। शिक्षा की गुणवत्ता और तकनीकी अध्ययन की वैश्विक पहचान बनाना सरकार और अध्ययन केन्द्रों की पहली और अंतिम प्राथमिकता होनी चाहिए, पर यहां तो स्थानीय स्तर पर ही खरे नहीं उतर पा रहे हैं। कल्पना कीजिए कि जीरो पर्सेंटाइल वालों को विशेषज्ञ बनाकर ईलाज का लाइसेंस देंगे तो यह आमनागरिकों की जिंदगी से खिलवाड़ और शिक्षा पद्धति को मजाक बनाना ही है। सरकार और आयोग को समय रहते शिक्षा के स्तर को बनाए रखने की पहल करनी होगी। इसी से देश की शिक्षा की गुणवत्ता देश दुनिया में बनी रह सकेगी। सरकारी और गैरसरकारी संस्थाओं को खासतौर से आगे आना होगा। हालात शिक्षण संस्थानों को शर्मिंदा करने के लिए काफी होने चाहिए। परिणाम एक बार युवाओं को तैयार कर रही इन संस्थानों के लिए भी आत्मचिंतन के होने चाहिए। परिणाम साफतौर पर इन संस्थानों को चेहरा दिखाते नजर आ रहे हैं।

मुश्किलों का अंत कहाँ?

डॉ टी महादेव राव

अखबार में आज देश विदेश के समाचार पढ़ रहा था कि अंदर से श्रीमती जी ने आवाज दी कुछ पैसे दे दो बाजार से सामान मंगवाना है। मैने कहा अभी दो दिन पहले तो तुम्हे अपना सारा वेतन सौंप चुका हूं और तुम फिर पैसे मांग रही हो?श्रीमान जी! आपको अपनी तनखाह मुझे दिए बाईस दिन हो गए। पैसे खत्म हो गए। पैसे तो देने ही पड़ेंगे। खाना बनाना है न?

श्रीमती पूरी माह की तनखाह बीस दिन में फूंक डाली। हे राम! क्या होगा बाकी दस दिनों का?

अब देश के वित्त मंत्री की तरह परेशान होने का नाटक मत करो। गला फाड़ फाड़ कर चिल्लाते हो और कहते हो कि मैं तुम्हारा गला दबा रही हूं। पैसे दो।अरे यार! तुम्हारी फिजूल खर्ची कुछ ज्यादा नहीं हो रही है? अपनी वित्त मंत्री को देखो पूरे देश को पूरे साल के लिए संभाली फिरती हैं। ऊपर से कहती फिर रही हैं रुपया डॉलर के मुक़ाबले में सुरक्शित है, अच्छा है। अच्छा बनाती फिरती है जनता को।

उनकी जैसी बढ़िया बनारसी साड़ी, उतने सारे सहायक और फ्री हैंड दिया जाय तो मैं भी उनसे बढ़िया कर सकती हूं। याद है न मैं भी अर्थशास्त्र में एम ए गोल्ड मेडलिस्ट हूं। मालूम है। मालूम है।

लेकिन तुम्हारा अर्थशास्त्र का ज्ञान मेरे घर के खर्चे में कमी तो नहीं कर रहा है बल्कि खर्चे बढ़ा रहा है। खैर। लेकिन औरतों का ध्यान सबसे पहले साड़ी, गहनों पर ही क्यों जाता है? मेरी समझ में नहीं आता। व्यक्तित्व और गुणों पर क्यों नहीं? यह तुम पुरुष कह रहे हो? तुम्हीं कहो गहनों और अच्छी साड़ी पहनी नारी पर पहले नजर जाती है या उनके गुणों और व्यक्तित्व पर? अपने नेताओं की तरह ज्ञान मत बांटो। हां हां। जानता हूं। शायद महिलाएं घर को अच्छा चलाती हैं सोचकर उन्हें फिर से वित्त मंत्री बनाया गया। यह अलग बात है की अब वह हम सबको "बना" रही है। पैसे देने की बात चल रही थी। बात को टालो मत। जब देश की अर्थ व्यवस्था को आगे बढ़ाना होता है कोई सेस, कोई टैक्स और कुछ महंगाई बढ़ाकर संतुलन किया जाता है। यह भी ऐसा ही है।एक तरफ सरकार टैक्स के नाम पर और चीजों के दाम बढ़ाकर जेब खाली करती है दूसरी तरफ तुम हर महीने दो बार पैसे मांगोगी तो मुश्किल होगी कि नहीं।लेकिन मैं भी क्या करूं। मजबूरी है। मजबूरी का नाम महात्मा गांधी है। जिन नोटों पर गांधीजी हैं, उन्हें तुरत मुझे दो वरना दोपहर को भूखे ही रहोगे। दो तीन दिनों में गैस भी खतम। उसके बाद क्या करोगे? बस बैचलरों की तरह होटल से खाना मंगाना होगा।

वैसे भी कई होटल बंद चल रहे हैं और जो हैं डेढ़ गुना दाम बढ़ा दिये हैं, सोच लो मुश्किलों का अंत होने वाला नहीं। जैसे वित्त मंत्री ने अपनी सरकार को बचाने के लिए दोनों बाबुओं के राज्यों को अच्छे अच्छे आर्थिक तोहफे दिए हैं वैसे ही तुम्हें भी कुछ पैसे खाने और जीने के लिए देने ही होंगे।जो जो मंगाना हो मंगा लो। भुगतान मेरे क्रेडिट कार्ड से कर देना। यह लो। कहते हुए मैं माथा पीटता हुआ टीवी देखने के लिए उठ गया। क्रेडिट कार्ड लेकर श्रीमती जी अंदर चली गईं।

'सैमसन की तरह करें वापसी'

पीएम मोदी ने भरा बीजेपी कार्यकर्ताओं में जोश

केरल में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को एक अनोखी प्रेरणा दी। उन्होंने भारतीय क्रिकेटर संजू सैमसन के हालिया प्रदर्शन का उदाहरण देते हुए कहा कि मुश्किल परिस्थितियों में कैसे वापसी की जाती है, यह सैमसन से सीखा जा सकता है।

पीएम मोदी ने दिया कार्यकर्ताओं को गुरु मंत्र

शुक्रवार को पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने टी20 विश्व कप 2026 में सैमसन के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा, 'संजू सैमसन ने दिखाया कि आलोचनाओं के बीच भी कैसे खुद को मजबूत रखते हुए सही समय पर बेहतरीन प्रदर्शन किया जाता है। जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।'

प्रधानमंत्री ने इसे सच्चे खिलाड़ी की पहचान बताते हुए बीजेपी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वह भी चुनावों में उसी जज्बे और आत्मविश्वास के साथ काम करें। उन्होंने खासतौर पर बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने, घर-घर संपर्क अभियान तेज करने और हर चुनावी गतिविधि में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया।

विश्व कप में चमके सैमसन

टी20 विश्व कप 2026 में संजू सैमसन ने 321 रन बनाकर भारत को दूसरी बार टी20 विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई। शुरुआती मुकाबलों में साधारण प्रदर्शन के बाद उन्होंने नॉकआउट चरण में जबरदस्त वापसी की। वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 रन, इंग्लैंड के खिलाफ 89 और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन की पारी खेलकर उन्होंने टीम को जीत दिलाई। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया।

दिल्ली के खिलाफ मैच से पहले मुंबई को राहत

टीम से जुड़े मिचेल सैंटनर; प्लेइंग-11 का होंगे हिस्सा?

न्यूजीलैंड के टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान मिचेल सैंटनर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले आईपीएल मैच से पहले मुंबई इंडियंस की टीम से जुड़ गए। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम शनिवार दोपहर को अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स का सामना करेगी। सैंटनर और इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स ही मुंबई इंडियंस से जुड़ने वाले आखिरी दो खिलाड़ी बचे थे। मुंबई इंडियंस ने पिछले रविवार को मुंबई में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपना पहला मैच शानदार तरीके से जीता था।

पिछले महीने संपन्न हुए टी20 विश्व कप में अपनी-अपनी टीमों के लिए अहम भूमिका निभाने वाले इन दोनों विदेशी खिलाड़ियों ने मुंबई इंडियंस से जुड़ने से पहले कुछ और समय मांगा था। टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने

पुष्टि की थी कि उन्होंने इन दोनों खिलाड़ियों को निजी कारणों से कुछ और समय दिया है। केकेआर के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर जयवर्धने ने संवाददाताओं से कहा था, जो खिलाड़ी देर से टीम में शामिल होंगे वे मिचेल सैंटनर और विल जैक्स हैं। दोनों ने निजी कारणों से थोड़ा और समय मांगा था और हमें इसमें कोई दिक्कत नहीं थी। लेकिन वे बहुत जल्द टीम में शामिल हो जाएंगे।

केकेआर के खिलाफ मुंबई को खली थी सैंटनर की कमी

हार्दिक पांड्या की कप्तानी में मुंबई ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में केकेआर को छह विकेट से हराया था। केकेआर से मिले 221 रनों के लक्ष्य को मुंबई ने 19.1 ओवर में सिर्फ चार विकेट खोकर हासिल कर लिया था। यह आईपीएल में मुंबई का अब तक का सबसे बड़ा सफल रन चेज भी रहा। मुंबई की ओर से रेयान रिकेल्टन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 43 गेंदों में 81 रनों की दमदार पारी खेली थी, जबकि रोहित शर्मा ने 38 गेंदों का सामना करते हुए 78 रन बनाए थे। दोनों ने पहले विकेट के लिए मिलकर 11.5 ओवर में 148 रन जोड़े थे और मैच को पूरी तरह से एकतरफा कर दिया था। हालांकि, मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों का प्रदर्शन केकेआर के खिलाफ निराशाजनक रहा था। मुंबई को पहले ही मैच में मिचेल सैंटनर के अनुभव की कमी बीच के ओवरों में साफतौर पर खली थी। अल्लाह गजनफर को स्पिनर के तौर पर प्लेइंग इलेवन में जगह दी गई थी। हालांकि, गजनफर काफी महंगे साबित हुए थे और उन्होंने चार ओवर में बिना कोई विकेट चटकाए 51 रन खर्च किए थे। वहीं, मयंक मारकंडे से कप्तान हार्दिक ने सिर्फ एक ही ओवर करवाया था, जिसमें उन्होंने 16 रन दे दिए थे। सैंटनर रनों पर लगाम लगाने और अहम विकेट चटकाने के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ ही वह बल्ले से भी अहम योगदान दे सकते हैं।

मोईन अली से भिड़े डेविड वॉर्नर?

अजय जडेजा की पोस्ट पर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने दिया जवाब

पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 के एक मैच के बाद डेविड वॉर्नर का एक अजीब सा ऑन-फील्ड मोमेंट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। इस वीडियो को लेकर फैंस तरह-तरह के कयास लगाने लगे, क्या वॉर्नर की अपने ही साथियों से बहस हुई थी? मामला बढ़ता देख खुद वॉर्नर को

सामने आकर सफाई देनी पड़ी।

क्या था पूरा मामला?

कराची किंग्स की जीत के बाद वॉर्नर अपने कुछ साथियों और टीम डायरेक्टर हैदर अजहर के साथ बातचीत करते दिखे। वीडियो में उनकी बॉडी लैंग्वेज थोड़ी असहज लगी, जिससे लोगों को लगा कि शायद कोई विवाद हुआ है। इस वीडियो को पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा ने भी अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसके बाद चर्चा और तेज हो गई।

वॉर्नर ने दी सफाई

जब एक फैन ने इस घटना के बारे में पूछा, तो वॉर्नर ने खुद जवाब देते हुए स्थिति साफ की। उन्होंने कहा कि वह बस हैदर अजहर से कह रहे थे कि पहले विपक्षी टीम के खिलाड़ियों से जाकर हाथ मिलाएं। यानी जो बहस लग रही थी, वो दरअसल एक सामान्य क्रिकेटिंग शिष्टाचार से जुड़ी बातचीत थी कोई विवाद नहीं है।

मैच में कैसा रहा प्रदर्शन?

मैच की बात करें तो कराची किंग्स ने शानदार जीत दर्ज की। डेविड वॉर्नर ने 46 गेंदों में 50 रन बनाकर टीम को मजबूत शुरुआत दी। असली हीरो रहे आजम खान, जिन्होंने 34 गेंदों में 74 रन ठोक दिए। विपक्ष की ओर से डेरिल मिचेल (65) और सैम बिलिंग्स ने अच्छा योगदान दिया, लेकिन टीम जीत नहीं पाई। अंत में मोहम्मद अब्बास अफरीदी ने चौका लगाकर मैच खत्म किया।

दिल्ली में पृथ्वी शॉ की एंट्री, मुंबई से होगी दो खिलाड़ियों की छुट्टी, सूर्या का क्या करेंगे हार्दिक?

आईपीएल 2026 के आठवें मैच में दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस की टीमें आमने-सामने होंगी. दिल्ली कैपिटल्स शनिवार को अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस से भिड़ेगा, तो सबकी नजरें उसके टॉप बल्लेबाजों पर होंगी. पिछले साल दिल्ली ने ओपनिंग के लिए सात जोड़ी आजमाई थीं, उम्मीद थी कि इस बार टीम ज्यादा स्थिरता लाएगी, लेकिन शुरुआती मैचों से लगता है कि परेशानी अभी भी बनी हुई है. टीम पृथ्वी शॉ को मौका दे सकती है. दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस ने भले ही सीजन की शुरुआत जीत से की, लेकिन उसकी गेंदबाजी कुछ खास नहीं दिखी. शार्दुल ठाकुर एकमात्र सफल गेंदबाज रहे, जबकि जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट ने कसी हुई गेंदबाजी की. बाकी गेंदबाजों ने निराश किया. ऐसे में टीम गेंदबाजी में कुछ बदलाव के साथ उतर सकती है. देखना यह भी होगा कि मैनेजमेंट सूर्यकुमार यादव को लेकर क्या फैसला लेता है, जो इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में बैटिंग करने आए थे.

पहले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 142 रन का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही. केएल राहुल पहली ही गेंद पर आउट हो गए, नितीश राणा और पथुम निसांका भी टिक नहीं पाए, जिससे स्कोर चार विकेट पर 26 रन हो गया. इसके बाद 22 साल के समीर रिजवी ने 'इंपैक्ट प्लेयर' के तौर पर उतरकर संयम और परिपक्वता दिखाते हुए नाबाद अर्धशतक लगाया. उन्होंने ट्रिस्टन स्टब्स के साथ मिलकर 119 रन की

साझेदारी की और टीम को छह विकेट से जीत दिलाई. रिजवी का प्रदर्शन दिल्ली के लिए अच्छा संकेत है, लेकिन टॉप ऑर्डर की कमजोरी चिंता की बात है.

अब टीम को जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाले मुंबई के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना है, जो आसान नहीं होगा. दिल्ली कैपिटल्स अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में है और टॉप ऑर्डर में ज्यादा स्थिरता देखना चाहती है. टीम के पास दो विकल्प हैं, या तो अभिषेक पोरेल पर भरोसा करे या फिर पृथ्वी साव को मौका दे, जिन्होंने पिछले सीजन में निरंतरता नहीं दिखाई थी. दूसरी तरफ, ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की अनुपस्थिति में भी दिल्ली की गेंदबाजी ज्यादा भरोसेमंद दिखी. स्टार्क इस मैच में नहीं खेलेंगे.

दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एनगिडी ने धीमी गेंदों का अच्छा इस्तेमाल किया और टी नटराजन ने लखनऊ के खिलाफ तीन विकेट लेकर योगदान दिया, जबकि मुकेश कुमार ने किफायती गेंदबाजी की. कुलदीप यादव और कप्तान अक्षर पटेल की स्पिन जोड़ी ने बीच के ओवरों में दबाव बनाए रखा, जिससे विरोधी टीम खुलकर नहीं खेल पाई. दिल्ली के गेंदबाजों को अब रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा जैसे बल्लेबाजों का सामना करना है, इसलिए उन्हें अपनी गति और स्पिन पर नियंत्रण रखना होगा.

रोहित शर्मा ने आईपीएल में ठोकी अपनी सबसे तेज फिफ्टी.

मुंबई इंडियंस टीम पिछले कई सालों से आईपीएल में अच्छी शुरुआत नहीं कर पा रही थी, लेकिन इस बार उसने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ जीत हासिल कर पहले मैच में हार के 14 साल पुराने सिलसिले को खत्म किया, जिससे टीम ज्यादा आत्मविश्वास के साथ उतरेगी. रोहित शर्मा ने 78 रन की तेज पारी खेलकर पुराने दिनों की याद दिला दी और टी20 क्रिकेट में शानदार वापसी की. उनके साथी ओपनर रयान रिकेल्टन ने भी 81 रन की आक्रामक पारी खेली, जिससे पूरी संभावना है कि वह टीम में अपनी जगह बनाए रखेंगे. उन्हें अनुभवी क्विंटन डीकॉक की जगह टीम में लिया गया था. सूर्यकुमार यादव की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मुंबई ने पिछले मैच में उन्हें इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर इस्तेमाल किया था।

MI की गेंदबाजी में हो सकता है बदलाव

मुंबई की गेंदबाजी में शार्दुल ठाकुर ने तीन अहम विकेट लिए, जबकि बुमराह और ट्रेंट बोल्ट ने कसी गेंदबाजी की. अल्लाह गजनफर और मयंक मारकंडे गेंदबाजी में फ्लॉप नजर आए. ऐसे में उनकी टीम से छुट्टी हो सकती है. मिचेल सैंटनर टीम से जुड़ गए हैं, उनके प्लेइंग-11 में आने की संभावना है.

खतरे में द्विपक्षीय सीरीज? 2027 से बदलेगा आईपीएल का कलेवर, विंडो और मैच दोनों बढ़ेंगे

इंडियन प्रीमियर लीग का 19वां सीजन खेला जा रहा है. पूरे सीजन में 10 टीमों के बीच कुल 74 मैच खेले जाएंगे, लेकिन अगले साल से टूर्नामेंट का कलेवर पूरी तरह से बदल सकता है. आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने कहा है कि साल 2027 में आईपीएल के विंडो को बढ़ाने पर विचार किया जा सकता है. ऐसे में आईपीएल विंडो बढ़ता है तो साफ है कि लीग में मैचों की संख्या भी बढ़ जाएगी. मौजूदा आईपीएल में कुल 74 मैच खेले जाते हैं.

हालांकि, लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस जैसी दो नई टीमों के आने के बाद अब मौजूदा व्यवस्था में सभी टीमें लीग चरण के दौरान एक-दूसरे से दो बार नहीं खेल पाती हैं. धूमल ने माना कि फिलहाल क्रिकेट कैलेंडर में इतनी जगह नहीं है कि मैचों की संख्या को 74 से बढ़ाकर 94 किया जा सके. उन्होंने एक ही दिन में दो मैच (डबल-हेडर) आयोजित करने के विकल्प को व्यावहारिक नहीं माना, लेकिन सुझाव दिया कि भविष्य में एक बड़ा विंडो मिलना असंभव नहीं है, क्योंकि 'कुछ द्विपक्षीय सीरीज' में दर्शकों की रुचि कम हो रही है.

एक इंटरव्यू में धूमल ने कहा कि पिछले कुछ सालों के बदलावों को देखें तो देशों के बीच होने वाली आपसी सीरीज में निश्चित रूप से दिलचस्पी घटी है. यही कारण है कि इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज जैसे देश अपनी खुद की टी20 लीग लेकर आ रहे हैं. धूमल का मानना है कि यदि यही चलन रहा तो हर देश कम द्विपक्षीय सीरीज चाहेगा या केवल उन्हीं सीरीज पर ध्यान देगा जो आर्थिक रूप से फायदेमंद हों.

ऐसी स्थिति में IPL का विस्तार करने की गुंजाइश बनेगी. उन्होंने उम्मीद जताई कि अन्य देशों के क्रिकेट बोर्ड के साथ चर्चा सकारात्मक रहेगी और 2027 के बाद के चक्र में 74 से अधिक मैचों के लिए एक बड़ा विंडो निकाला जा सकेगा.

उन्होंने इसके लिए सितंबर या अक्टूबर का समय भी एक संभावना के तौर पर बताया, जब इंग्लैंड का क्रिकेट सीजन खत्म होता है और ऑस्ट्रेलिया का सीजन शुरू होने वाला होता है.उन्होंने जोर देकर कहा कि बीसीसीआई का ध्यान केवल भारतीय क्रिकेट पर ही नहीं, बल्कि वैश्विक क्रिकेट के स्वास्थ्य पर भी है.

अभिषेक का कमाल: हैदराबाद के लिए आईपीएल में 100+ छक्के लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की। अभिषेक ने 21 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 48 रन बनाए। इसके साथ ही उन्होंने एक खास उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली। अभिषेक आईपीएल में सनराइजर्स के लिए 100+ छक्के लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे आगे इस मामले में बस डेविड वॉर्नर हैं जिन्होंने आईपीएल में इस फ्रेंचाइजी के लिए 143 छक्के लगाए हैं।

केकेआर के टॉस जीतकर हैदराबाद को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। सनराइजर्स की शुरुआत बेहद शानदार रही और अभिषेक तथा हेड ने सनराइजर्स को आक्रामक शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 82 रनों की साझेदारी हुई। कार्तिक त्यागी ने हेड को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा जो 21

गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुए।

पुराने लय में दिखे अभिषेक-हेड

अभिषेक और हेड आज पुराने अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे थे। इन दोनों की विस्फोटक पारी से ही सनराइजर्स ने पावरप्ले में एक विकेट पर 84 रन का स्कोर खड़ा किया। यह सनराइजर्स का आईपीएल में पावरप्ले में बनाया गया पांचवां सर्वोच्च स्कोर है। वहीं, किसी टीम का केकेआर के खिलाफ पावरप्ले में यह दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। सनराइजर्स से पहले पंजाब किंग्स ने 2024 में केकेआर के खिलाफ पावरप्ले में एक विकेट पर 93 रन बनाए थे। इस टूर्नामेंट में टीम का पावरप्ले में सर्वोच्च स्कोर 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बिना किसी नुकसान के 125 रन बनाना है।

वॉर्नर से पीछे हैं अभिषेक

अभिषेक ने इस मैच में चार छक्के लगाए जिससे वह सनराइजर्स के लिए आईपीएल में 100 से ज्यादा छक्के लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। अभिषेक ने अब तक सनराइजर्स के लिए 101 छक्के लगाए हैं, जबकि डेविड वॉर्नर ने टीम के लिए 143 छक्के लगाए हैं। तीसरे स्थान पर हेनरिच क्लासेन हैं जिन्होंने आईपीएल में सनराइजर्स के लिए 89 छक्के लगाए हैं।

शुभमन गिल के साथ अन्याय! युवराज सिंह ने उठाए सवाल

आईपीएल में बदला लेना चाहेंगे गिल

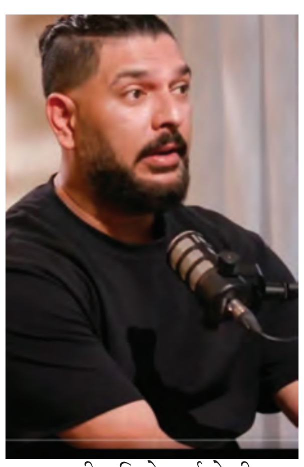

भारतीय सिलेक्टर्स ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए शुभमन गिल को ऐन मौके पर स्क्वॉड से ड्रॉप कर दिया था. बाद में भारत ने वर्ल्ड कप भी जीता, लेकिन युवराज सिंह ने चयनकर्ताओं के उस फैसले पर हैरानी और दुख दोनों जताया है. युवी को लगता है कि शुभमन गिल टीम में जगह पाने के हकदार थे. सिलेक्टर्स ने टॉप ऑर्डर के बल्लेबाजों के रूप में अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और ईशान किशन को चुना था. टीम इंडिया ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराते हुए कुल तीसरी और लगातार दूसरी बार खिताब पर कब्जा जमाया था.

युवराज ने गिल के सपोर्ट में क्या कहा?

युवराज ने कहा, 'तीनों प्रारूपों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना और कप्तान बने रहना बहुत मुश्किल है. विराट कोहली पिछली पीढ़ी के इकलौते खिलाड़ी हैं, जिन्होंने तीनों प्रारूपों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और एक सफल कप्तान भी रहे हैं. इनके बीच रोहित शर्मा भी थे, लेकिन मुझे लगता है कि अगर आप किसी को टी20I टीम में शामिल करते हैं और वह पूरे साल उस प्रारूप में खेलता है और फिर आखिरी समय में प्रदर्शन के कारण उसे टीम से बाहर कर दिया जाता है, तो यह एक कठिन फैसला होता है.

अभिषेक, संजू और ईशान के भरोसे था टॉप ऑर्डर

खब्बू विकेटकीपर बैटर ईशन किशन को पहले बैकअप के तौर पर रखा गया था, लेकिन विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड सीरीज में धांसू प्रदर्शन के कारण उन्हें टीम में वापस जगह मिली. न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने भारत के लिए पारी की शुरुआत की और किशन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे.

वर्ल्ड कप से ड्रॉप होने के बाद अब आईपीएल की शुरुआत के साथ ही शुभमन गिल के पास सिलेक्टर्स को गलत साबित करने का सुनहरा मौका है. इस सीजन में रनों का अंबार लगाकर गिल टीम इंडिया में अपनी जगह दोबारा हासिल कर सकते हैं, जहां अभिषेक, संजू, ईशान के साथ वैभव सूर्यवंशी भी दावेदार हैं. पंजाब किंग्स के खिलाफ गुजरात टाइटंस के आईपीएल 2026 के पहले मैच में गिल ने पारी की शुरुआत की और 144.44 की स्ट्राइक रेट से रन बनाते हुए 27 गेंदों में छह चौके सहित 39 रन बनाए.

कितनी है राघव चड्ढा और परिणीति चोपड़ा की कुल संपत्ति? बिल्कुल अलग क्षेत्रों में कपल ने कमाया नाम

परिणीति चोपड़ा के पति और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता राघव चड्ढा सुर्खियों में हैं। इस बार वह पार्टी के भीतर हुए एक बड़े बदलाव के कारण चर्चा में हैं। खबरों के मुताबिक, चड्ढा को राज्यसभा में आप के उपनेता के पद से हटा दिया गया है। इसके साथ ही, उनके निजी जीवन को लेकर लोगों की उत्सुकता बढ़ गई है। खास तौर पर उनके और उनकी पत्नी, बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के बीच की भारी संपत्ति के अंतर को लेकर।

राघव चड्ढा का करियर

चड्ढा ने राष्ट्रीय राजनीति में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। वह एक योग्य चार्टर्ड अकाउंटेंट रहे हैं। उन्होंने राज्यसभा सांसद के तौर पर काम किया। इससे पहले वह दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष और राजेंद्र नगर से विधायक रहे हैं।

राघव चड्ढा की कुल संपति

राघव चड्ढा की बताई गई कुल संपत्ति (नेट वर्थ) काफी कम है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी कुल संपत्ति लगभग 50 लाख रुपये है। बताया जाता है कि उनके पास 36 लाख रुपये का एक घर है, वे मारुति सुजुकी डिजायर चलाते हैं। उनके पास 4.94 लाख रुपये का सोना, साथ ही 6 लाख रुपये के बॉन्ड और शेयर भी हैं।

परिणीति चोपड़ा की नेट वर्थ

राघव के मुकाबले परिणीति चोपड़ा बिल्कुल अलग दुनिया से आती हैं। इस अभिनेत्री ने पिछले कुछ वर्षों में फिल्मों में एक सफल करियर बनाया है। उन्होंने अपना एक मजबूत पर्सनल ब्रांड भी बनाया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक परिणीति चोपड़ा की मौजूदा नेट वर्थ लगभग 74 करोड़ रुपये है।

घर और कारें

बांद्रा में उनका एक आलीशान घर है जिसकी कीमत लगभग 22 करोड़ रुपये है। उनके वाहनों में 1.30 करोड़ रुपये की रेंज रोवर वोग, 43.19 लाख रुपये की ऑडी Q4 और 69.27 लाख रुपये की ऑडी Q7 शामिल हैं।

परिणीति-राघव की कुल संपति

इन आंकड़ों के हिसाब से, परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की कुल नेट वर्थ लगभग 74.5 करोड़ रुपये है। जहां चड्ढा का राजनीतिक भविष्य सवालों के घेरे में है, वहीं परिणीति एंटरटेनमेंट की दुनिया में लगातार आगे बढ़ रही हैं। उनका ओटीटी डेब्यू भी जल्द ही होने वाला है।

'एक मां ऐसी ही होनी चाहिए', करिश्मा कपूर ने इस बात को लेकर की बबीता की तारीफ; गिनाई उपलब्धियां

बॉलीवुड स्टार करिश्मा कपूर अपने परिवार के साथ काफी जुड़ी रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी मां को लेकर कई अहम बातें बताई हैं। उन्होंने अपनी जिंदगी की सारी सफलता और अपनी सारी शोहरत का श्रेय अपनी मां को दिया है।

राज कपूर की पोती हाल ही में रियलिटी सिंगिंग शो 'इंडियन आइडल' में नजर आईं। यहां उन्होंने अपनी मां बबीता के बारे में खुलकर बात की और बताया कि कैसे मुश्किल से मुश्किल समय में भी उनकी मां उनके साथ खड़ी रहीं।

ऑफ-स्क्रीन सुपरस्टार थीं मां

कैसे करिश्मा कपूर की मां बबीता ही थीं, जिन्होंने उनके करियर में अपनी बेटी का साथ दिया। उन्होंने कहा कि करिश्मा कपूर, कपूर परिवार की ऑन-स्क्रीन सुपरस्टार थीं लेकिन ऑफ-स्क्रीन सुपरस्टार उनकी मां बबीता थीं। यह सुनकर करिश्मा भावुक हो गईं और कहा, 'आप मुझे अभी रुला रहे हैं। मैं अपनी मां की पूजा करती हूं। एक मां

ऐसी ही होनी चाहिए, मां तो मां ही होती है। बेशक, मेरे परिवार ने मेरा साथ दिया लेकिन मां का जो आत्मविश्वास था और जो संस्कार उन्होंने मुझे सिखाए, वे सबसे ज्यादा जरूरी हैं। मुझे लगता है कि इसलिए मैं आज जो कुछ भी हूं और जो कुछ भी थी, उसका सारा श्रेय मैं अपनी मां को ही दूंगी।'

बबीता ने कई कलाकारों के साथ किया काम

करिश्मा ने आगे बताया कि उनकी मां बबीता ने हिंदी सिनेमा इंडस्ट्री में सिर्फ सात साल काम किया, लेकिन उनकी लगभग सभी फिल्में सफल रहीं। उन्होंने बताया कि बबीता ने कई दिग्गज अभिनेताओं के साथ काम किया, जिनमें राजेश खन्ना, जितेंद्र, मनोज कुमार, धर्मेंद्र और कपूर परिवार के सदस्य, जैसे शम्मी कपूर और शशि कपूर शामिल हैं।

बबीता ने छोड़ी थी एक्टिंग

कपूर परिवार की परंपराओं और नियमों के अनुसार, परिवार की महिलाओं को पेशेवर तौर पर मनोरंजन जगत का हिस्सा बनने की इजाजत नहीं थी। ऐसे में बबीता ने हिंदी सिनेमा जगत को अलविदा कह दिया।

रजा मुराद ने दिवंगत मां को दी भावभीनी श्रद्धांजलि, लिखा- 'सबसे बड़ा आशीर्वाद माँ का'

दिग्गज अभिनेता रजा मुराद ने अपनी दिवंगत मां लियाकत जहां बेगम की 98वीं जयंती पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने अपनी मां को अपना सबसे बड़ा आशीर्वाद बताया है।

रजा ने दी मां को श्रद्धांजलि

रजा मुराद ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां की एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में उनकी मां उन्हें गोद में लिए हुए हैं, जब वे सिर्फ एक छोटे बच्चे थे। इस तस्वीर के साथ रजा ने कैप्शन में, 'आज मेरी दिवंगत मां लियाकत जहां बेगम की 98वीं जयंती है। उनकी गोद में जो बच्चा है, वह आपका दोस्त रजा मुराद है।'

मां के लिए लिखी खास बात

रजा मुराद ने इस तस्वीर के साथ लिखा कि मां जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने पुरानी कहावत दोहराई कि 'भगवान हर जगह नहीं रह सकते, इसलिए उन्होंने मां को बनाया।' उन्होंने आगे लिखा, 'दुनिया में सब कुछ मिल सकता है, लेकिन मां की जगह कोई नहीं ले सकता। निश्चित रूप से मां इस धरती पर

भगवान का सबसे बड़ा आशीर्वाद है।'

रजा मुराद का करियर

रजा मुराद ने 1972 में फिल्म 'एक नजर' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने मुख्य रूप से पिता, चाचा और खलनायक की भूमिकाएं निभाई हैं। उनकी यादगार फिल्मों में 'नमक हराम', 'प्रेम रोग', 'राम तेरी गंगा मैली', 'राम लखन', 'त्रिदेव', 'मोहरा', 'गुप्त' और 'पद्मावत' जैसी फिल्में शामिल हैं। उन्होंने 'जोधा अकबर' में भी काम किया है। इसके अलावा उन्होंने पंजाबी, तेलुगु फिल्मों और टीवी सीरियल 'मधुबाला' में भी अभिनय किया है। रजा मुराद अपनी भारी और गंभीर आवाज के लिए भी काफी मशहूर हैं।

'हमेशा पार्टनरशिप रही, कभी कॉम्पिटीशन नहीं' ऐश्वर्या राय संग शादी के रिश्ते पर बोले अभिषेक बच्चन

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन कई बार इस बारे में खुलकर बात कर चुके हैं कि बेटी आराध्या के जन्म के बाद उनकी जिंदगी, सोच और नजरिया बदल गया। एक बार फिर उन्होंने बताया कि बेटी को बड़ा होते देखना और उसकी परवरिश को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने ऐश्वर्या राय के साथ अपने रिश्ते पर भी अपना नजरिया साझा किय

हाल ही में लिलि सिंह के साथ बातचीत में अभिषेक ने कहा कि आराध्या के लगातार सवाल पूछने की आदत ने उन्हें ऐसी बातों का एहसास कराया, जिनके बारे में उन्होंने पहले कभी सोचा भी नहीं था।

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय की शादी अक्सर चर्चाओं और कयासों में रहती है। अब अभिषेक ने अपने रिश्ते, परिवार और मैरिज डायनामिक्स को लेकर बताया। अभिषेक बच्चन ने बताया कि उनके रिश्ते की नींव हमेशा पार्टनरशिप पर टिकी रही है, न कि किसी कॉम्पिटीशन या पारंपरिक जेंडर रोल्स पर। उन्होंने कहा कि जब उनके माता-पिता अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की शादी हुई थी, तब उनकी मां एक बड़ी स्टार थीं, इसलिए उनके लिए यह स्थिति कभी असामान्य नहीं रही।

अभिषेक ने यह भी बताया कि वह

ऐश्वर्या को अपने करियर की शुरुआत से जानते हैं और दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। उन्होंने कहा, "हम पहले दोस्त थे, फिर हमारा रिश्ता आगे बढ़ा। हमारी कोर्टशिप, सगाई और शादी-सब कुछ एक साझेदारी की तरह रहा। कभी ऐसा नहीं हुआ कि घर और काम को लेकर कोई तय भूमिका हो।"

'ईगो' पर बात करते हुए अभिषेक ने साफ किया कि वह इसे नकारात्मक रूप में नहीं देखते। उनका मानना है कि किसी रिश्ते में आगे बढ़ने के लिए एक-दूसरे को पीछे हटने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, "मैं ऐसा इंसान नहीं हूं जो चाहता है कि मेरी जीत के लिए कोई और रुक जाए। मैं ऐसी शादी नहीं चाहता, जहां मेरी पत्नी को सिर्फ मुझे 'मर्दाना' महसूस कराने के लिए अपने करियर से समझौता करना पड़े।"

अभिषेक ने यह भी बताया कि उनके पिता अमिताभ बच्चन ने उन्हें लॉन्च नहीं किया, लेकिन बाद में उनकी फिल्म 'Paa' (2009) को प्रोड्यूस किया था। एक्टर के मुताबिक, उनकी और ऐश्वर्या की सोच काफी हद तक मिलती-जुलती है और यही वजह है कि उनका रिश्ता बिना किसी दबाव या प्रतिस्पर्धा के सहज तरीके से आगे बढ़ता रहा है।

बेटी आराध्या के बारे में अभिषेक बच्चन ने बताईं ये बातें

अभिषेक बच्चन ने आराध्या के बचपन का एक किस्सा साझा करते हुए कहा, "जब वह छोटी थी, हम टीवी देख रहे थे और मैं Peppa Pig देखकर परेशान हो रहा था। मैंने कहा, 'अरे आराध्या' आप जानते हैं, बच्चे कभी-कभी जैसे किसी और दुनिया में खोए रहते हैं। मैंने कहा, 'आराध्या, क्या तुम पापा के लिए एक गिलास पानी ला सकती हो?' उसने मुझे ऐसे देखा जैसे कह रही हो, 'क्या?' मैंने फिर कहा, 'क्या तुम मुझे एक गिलास पानी दे सकती हो?' उसने पूछा, 'क्यों?' मैंने कहा, 'क्योंकि मैंने तुमसे कहा है।' यह सामान्य है, है ना? मैं पिता हूं, तो पानी ले आओ। वह उठी, बहुत प्यार से मेरे लिए पानी लेकर आई। मैंने उसे 'थैंक यू' कहा, एक किस दिया और वह फिर जाकर बैठ गई।"

अभिषेक ने आगे बताया कि थोड़ी देर बाद बहुत दिलचस्प कुछ हुआ। "करीब आधे घंटे बाद उसने कहा, 'पापा?' मैंने कहा, 'हां?' उसने पूछा, 'क्या आप मुझे एक गिलास पानी दे सकते हैं?' और मैंने कहा, 'तुम खुद जाकर ले आओ।' उसने कहा, 'क्यों? अगर आप मुझसे कह सकते हैं, तो मैं आपसे क्यों नहीं कह सकती?' मेरे पास इसका कोई जवाब नहीं था। और मुझे लगा, वह बिल्कुल सही है। मैं उस पर अपना हक या रुतबा नहीं दिखा सकता। अगर वह मेरे लिए पानी ला सकती है, तो मैं उसके लिए क्यों नहीं ला सकता? इसके बाद मैंने कभी उससे टकराव नहीं किया। उसकी बात बहुत तर्क वाली थी।"

पेरेंटिंग पर क्या हैं ऐश्वर्या और अभिषेक के विचार

पेरेंटिंग पर बात करते हुए अभिषेक ने कहा कि वह और उनकी पत्नी ऐश्वर्या बच्ची की परवरिश में सख्त या तय रोल्स में भरोसा नहीं रखते। आसान शब्दों में उनका कहना है कि वे आराध्या को यह नहीं बताते कि क्या सही है और क्या गलत, बल्कि खुद करके दिखाते हैं। यानी वे अपनी बेटी के लिए एक अच्छा उदाहरण बनने की कोशिश करते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि उनके घर में ऐसा कोई नियम नहीं है कि एक पैरेंट कुछ खास चीजें सिखाए और दूसरा कुछ और। दोनों मिलकर हर चीज सिखाते हैं।

लग्जरी लाइफस्टाइल और ग्लोबल बिज़नेस कॉमेडी किंग कपिल के पास 300 करोड़ की संपत्ति

कॉमेडी की दुनिया में मशहूर कपिल शर्मा 2 अप्रैल को अपना जन्मदिन मनाते हैं। कपिल शर्मा 45 साल के हो रहे हैं। अमृतसर में जन्मे कपिल ने संघर्ष से सफलता तक का लंबा सफर तय किया है। कभी आर्थिक तंगी झेलने वाले कपिल आज भारत के सबसे अमीर कॉमेडियंस में गिने जाते हैं।

कुल नेटवर्थ और कमाई

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कपिल शर्मा की कुल संपत्ति 300 करोड़ रुपये से आंकी गई है। उनकी कमाई टीवी शो, ओटीटी शो, फिल्मों, ब्रैंड एंडोर्समेंट और इंटरनेशनल लाइव शोज़ से होती है। बताया जाता है कि कपिल एक नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो के एक एपिसोड के लिए 5 करोड़ रुपये तक चार्ज करते हैं।

मुंबई से पंजाब तक फैली प्रॉपर्टी

कपिल शर्मा के पास कई हाई-एंड प्रॉपर्टीज हैं: मुंबई (अंधेरी वेस्ट) में उनका शानदार अपार्टमेंट है, जिसकी कीमत करीब 15 करोड़ रुपये बताई जाती है।

पंजाब में उनका एक लग्जरी फार्महाउस है, जिसकी अनुमानित कीमत 25 करोड़ रुपये है- जहां वह अक्सर परिवार के साथ वक्त बिताते हैं। उनके पास एक आलीशान वैनिटी वैन भी है, जिसकी कीमत करीब 5.5 करोड़ रुपये बताई जाती है।

इंटरनेशनल बिज़नेस: कनाडा से दुबई तक

कपिल सिर्फ एंटरटेनमेंट तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बिज़नेस में भी हाथ आजमा चुके हैं। उन्होंने अपनी पत्नी गिन्नी चतरथ के साथ मिलकर कनाडा के British Columbia में Caps Caf शुरू किया। इसके बाद 31 दिसंबर 2025 को दुबई में इसकी नई ब्रांच लॉन्च की गई। यह कैफे उनके शो के सेट थीम से इंस्पायर्ड है।

लग्जरी कार कलेक्शन

कपिल शर्मा को महंगी गाड़ियों का खास शौक है। उनके गैरेज में Mercedes-Maybach S650, Mercedes S580, Range Rover Evoque, Volvo XC90 और Mercedes-AMG G63 जैसी गाड़ियां शामिल हैं।

कपिल शर्मा का वर्कफ्रंट

कपिल हाल ही में फिल्म Kis Kisko Pyaar Karoon 2 में नजर आए थे। अब वह अपनी अपकमिंग फिल्म 'दादी की शादी' में दिखाई देंगे, जिसमें उनके साथनीतू कपूर और रिद्धिमा कपूर साहनी भी होंगी। यह फिल्म 2026 में रिलीज होने की उम्मीद है। कपिल शर्मा सफलता के साथ संघर्ष, मेहनत और अपने कमबैक के लिए भी जाने जाते हैं। टीवी से लेकर OTT और इंटरनेशनल बिज़नेस तक, उन्होंने हर जगह अपनी पहचान बनाई है।

शादी के डेढ़ महीने बाद रशिमका मंदाना ने लिखा- 'अब हम 3 हो गए' तो नेटिजंस कर रहे फैमिली लाइफ में वेलकम

रश्मिका मंदाना और विजय देवराकोंडा की शादी 26 फरवरी को उदयपुर में हुई. दोनों की इस इंटिमेट वेडिंग में साउथ के सेलेक्टिव कलाकार ही शामिल हुए. बाद में कपल ने शादी की तस्वीरें शेयर कर फैंस को इंटिमेट वेडिंग झलक दिखाई. रश्मिका देवरकोंडा फैमिली की बहू बन गई हैं. अब रश्मिका की लेटेस्ट पोस्ट ने उनकी प्रेग्नेंसी को हवा दे दी है.

पैन इंडिया एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अपने लंबे समय के दोस्त विजय देवरकोंडा के साथ 26 फरवरी को शादी की थी. साल 2018 में 'गीता गोविंदम' से शुरू हुई दोस्ती अब खूबसूरत शादीशुदा जिंदगी तक पहुंच गई है. रश्मिका अब पत्नी और बहू बन गई हैं. क्या वह जल्द ही मां भी बनने वाली हैं? हां, ऐसी चर्चा अब जोरों पर है.

विजय देवरकोंडा संग शादी को सिर्फ डेढ़ महीना हुआ है और रश्मिका मंदाना ने अब हम तीन हो गए लिखकर एक वीडियो पोस्ट किया है. हाल ही में प्रेग्नेंट होकर शादी करने का ट्रेंड भी काफी चल रहा है, ऐसे में रश्मिका की इस पोस्ट ने सबका ध्यान खींचा है.

रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जो वीडियो शेयर किया है, उसमें विजय और रश्मिका जैसी दिखने वाली मूविंग ग्राफिक्स नजर आती हैं. उनके पास एक खूबसूरत पीले रंग का फूल आता है. वहां मूविंग रेड हार्ट इमोजी भी दिखती हैं. इसके साथ रश्मिका ने अब हम तीन हो गए लिखकर व्हाइट हार्ट इमोजी भी लगाई है.

रश्मिका मंदाना की इस पोस्ट पर फैंस कमें कर उनके प्रेग्नेंट होने के कयास लगा रहे हैं. लोग पूछ रहे हैं क्या वह मां बनने वाली हैं. एक यूजर ने लिखा, क्या रश्मिका मां बनने वाली हैं? दूसरे यूजर ने लिखा, क्या रश्मिका प्रेग्नेंट हैं? एक अन्य यूजर ने लिखा, अभी के लिए तीन का मतलब फूल है या फिर तीन का मतलब जूनियर विरोश है.

एक और यूजर ने लिखा, क्या आप मां बनने वाली हैं? फैमिली लाइफ में स्वागत है. रश्मिका मंदाना ने इस पोस्ट में 'टेरेबली टिनी पोस्ट' नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट को टैग किया है. उन्होंने एक और 'रश्मिकारू' नाम के अकाउंट को भी टैग किया है. 'रश्मिका & रू' लिखा हुआ अकाउंट है.

इसे देखकर लगता है कि अभी-अभी समर वेकेशन शुरू हुआ है. क्या रश्मिका ने बच्चों के लिए कोई कार्टून शो लॉन्च किया है? या फिर बच्चों की कोई सीरीज शुरू की है, ऐसे सवाल उठ रहे हैं. रश्मिका के पास पहले से ही 'रश्मिकारू' नाम का एक अकाउंट है, जिसे वह डायरी की तरह मेंटेन करती हैं. छोटी-छोटी लेकिन असरदार बातें वहां लिखती हैं. इसके अलावा रश्मिका रणबीर कपूर के साथ 'एनिमल पार्क', अल्लू अर्जुन के साथ 'पुष्पा 3', 'कॉकटेल 2', 'मैसा' समेत कई बड़े प्रोजेक्ट्स में काम कर रही हैं. एक्ट्रेस की शादी के कुछ ही दिन बाद 'राणाबाली' का पहला गाना रिलीज हुआ था.

क्या सीता के किरदार के लिए साई पल्लवी हैं बेस्ट च्वाइस?

रणबीर ने यश के स्टारडम को लेकर कही यह बात

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' फिल्म का टीजर हाल ही में लॉस एंजिल्स में एक खास स्क्रीनिंग के दौरान जारी किया गया। इस कार्यक्रम में रणबीर कपूर ने मीडिया और प्रशंसकों से बात की। रणबीर इस फिल्म में भगवान राम का किरदार निभा रहे हैं। इस दौरान रणबीर ने फिल्म में सीता का किरदार निभा रहीं साई पल्लवी और रावण के किरदार में यश के बारे में खुलकर बात की।

साई को लेकर रणबीर की राय

रणबीर कपूर ने बताया कि सीता का किरदार साई पल्लवी को देने का फैसला बिल्कुल सही था। उन्होंने कहा, 'जिस दिन मैंने साई पल्लवी को सीता के रूप में देखा, मुझे और नितेश सर को तुरंत समझ आ गया कि उनसे बेहतर कोई और इस भूमिका के लिए नहीं हो सकता। साई बहुत प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं।'

यश को लेकर रणबीर की राय

इस दौरान रणबीर ने रावण के किरदार में यश को लेकर भी अपनी राय पेश की। रणबीर ने कहा कि यश में स्टारडम है और रावण जैसे शक्तिशाली किरदार के लिए उनकी दमदार व्यक्तित्व और स्क्रीन पर मौजूदगी बिल्कुल सही है।

टीजर में सीता के रूप में साई पल्लवी की सिर्फ धुंधली झलक दिखाई गई है, जबकि रावण के पुष्पक विमान का शानदार सीन दिखाया गया है, जिसमें यश विमान की तरफ बढ़ते दिख रहे हैं। राम का पहला लुक पहले ही जारी हो चुका है, जिसे देखकर प्रशंसक बहुत उत्साहित हैं। यह टीजर भारत में 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के मौके पर लॉन्च जारी किया गया था। इससे एक दिन पहले ही रणबीर लॉस एंजिल्स में फिल्म 'रामायण' की खास स्क्रीनिंग में शामिल हुए थे।

'रामायण' फिल्म को आईमैक्स फॉर्मेट में बनाया गया है और इसे दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा। फिल्म दो भाग में रिलीज होगी। 'रामायण' का पहला भाग दिवाली 2026 में और दूसरा भाग दिवाली 2027 में रिलीज होगा। इसमें रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सनी दिओल, रवि दुबे और यश ने अभिनय किया है। फिल्म के निर्माता नमित मल्होत्रा हैं और 'रामायण' का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है।

प्रियंका चतुर्वेदी की पीएम मोदी से मुलाकात

5 दिन में दो 2 बार तारीफ, फ्यूचर की पॉलिटिक्स पर बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी के सियासी इन दिनों बदले-बदले नजर आ रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने पीएम मोदी से एक बार फिर मुलाकात की। साथ ही फोटो शेयर करते हुए पीएम मोदी को 5 दिन में दो बार धन्यवाद दिया है और उनकी तारीफ की है।

हालांकि 5 दिन में इस दूसरी मुलाकात के बाद उन्होंने अपनी भविष्य की राजनीति को लेकर सियासी अटकलों पर विराम लगा दिया है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा है कि वह विपक्ष की मुखर सदस्य बनी रहेंगी क्योंकि देश को एक मजबूत विपक्ष की जरूरत है। उन्होंने कहा, मैं देश के लिए लड़ती रहूंगी और आवाज उठाती रहूंगी।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने राज्यसभा में उनके अनुभवों को सुना और अपने विचार भी साझा

किए। प्रियंका चतुर्वेदी ने लिखा कि यह मुलाकात उनके लिए काफी मायने रखती है।

साथ ही उन्होंने साफ किया कि वह आगे भी विपक्ष की एक मुखर आवाज बनी रहेंगी, क्योंकि देश के लिए मजबूत विपक्ष जरूरी है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि वह राष्ट्रहित के मुद्दों पर लगातार बोलती रहेंगी और देश के लिए काम करती रहेंगी। पोस्ट के अंत में उन्होंने 'जय महाराष्ट्र, जय हिंद' लिखा।

इससे पहले प्रियंका चतुर्वेदी ने 29 मार्च को पीएम मोदी के साथ तस्वीर शेयर की थी। जिसमें उन्होंने राज्यसभा से सम्मानजनक विदाई क्षण का जिक्र किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- कि जब खुद प्रधानमंत्री संसद से विदाई देते हैं, तो यह उनके लिए बेहद खास और यादगार पल बन जाता है।

इससे पहले भी करीब 7 महीने पहले शिवसेना (शिंदे गुट) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने पीएम मोदी से मुलाकात की थी, उन्होंने मुलाकात की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की थी।

प्रियंका चतुर्वेदी की पीएम मोदी से बार-बार मुलाकात और सोशल मीडिया मैसेज को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह कुछ बड़ा सियासी उलटफेर कर सकती हैं। प्रियंका चतुर्वेदी के इस कार्यकाल का राज्यसभा में 2 अप्रैल को आखिरी दिन था। उन्होंने साल 2010 में कांग्रेस पार्टी के जरिए सियासत में एंट्री ली। 9 सालों तक कांग्रेस में अपनी भूमिका निभाई।

2019 में उन्होंने कांग्रेस छोड़कर शिवसेना (अविभाजित) ज्वाइन कर ली। इसके बाद पार्टी ने उन्हें 2020 में राज्यसभा के लिए नामित किया था।

'आप' के वो बड़े चेहरे जो हुए बागी

इनमें से एक अब दिल्ली सरकार में मंत्री

दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच की तकरार अब सामने आ गई है। इस मामले ने एक बार फिर आप के भीतर चल रही उथल-पुथल को उजागर कर दिया है। राघव चड्ढा ने सीधे तौर पर पार्टी के फैसले पर प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर इशारों में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि 'मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझ लेना, मैं वो दरिया हूं जो वक्त आने पर सैलाब बनता है'। आइए जानते हैं कि इस पार्टी से जुड़े बड़े नाम कब और क्यों अलग हुए।

प्रशांत भूषण भी आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं में से एक थे लेकिन उन्होंने भी आम आदमी पार्टी के कामकाज के तरीके पर सवाल उठाए थे और कहा था कि पार्टी एक व्यक्ति केंद्रित है। प्रशांत भूषण ने कहा है कि पार्टी में आतंरिक लोकतंत्र तो है, लेकिन स्वराज नहीं है। पार्टी के कामकाज के तरीके पर सवाल उठाने के साथ पार्टी फंड की जांच के लिए एथिक्स कमेटी की मांग भी की थी। प्रशांत भूषण के पिता और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील शांति भूषण ने आप की स्थापना के समय एक करोड़ की राशि चंदे के रूप में दी थी। हालांकि जल्द ही उनका पार्टी से मोहभंग हो गया था और वो आम आदमी पार्टी से अलग हो गए थे।

शाजिया इल्मी ने आप में आंतरिक लोकतंत्र की कमी का आरोप लगाते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। शाजिया ने 2015 में दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी छोड़ी। साल 2014 में वो

आप के टिकट पर गाजियाबाद से लोकसभा चुनाव लड़ी थीं, लेकिन बीजेपी प्रत्याशी वीके सिंह से शिकस्त मिली। लेकिन इसके बाद उन्होंने आप छोड़ बीजेपी का दामन थाम लिया।

वहीं अगर योगेंद्र यादव की बात की जाए तो उनका कहना था कि आम आदमी पार्टी का जन्म भ्रष्टाचार के खिलाफ चले एक बड़े जनांदोलन के बाद हुआ। जनता ने अन्य राजनीतिक पार्टियों की तुलना में आप में एक विकल्प देखा। आप को जो भी सफलता मिली है, वह परंपरागत राजनीति के खिलाफ जनता के मन में बैठे असंतोष के कारण थी। लेकिन अब पार्टी की कार्य करने का तरीका अन्य पार्टियों की तरह ही हो गया है। इसके बाद योगेंद्र यादव ने अपनी एक अलग राजनीतिक पार्टी स्वराज अभियान बनाई।

2012 में अन्ना आंदोलन से जुड़ने और आम आदमी पार्टी के साथ सक्रिय राजनीतिक की शुरुआत करने से पहले कुमार विश्वास की राजनीति में एंट्री की बात करें तो वह किसी खास योजना के तहत राजनीति में नहीं आए थे। पहले वह लोकपाल को लेकर किए गए अन्ना आंदोलन में जुड़े। इसमें अरविंद केजरीवाल के साथ वह बड़े नामों में शामिल थे। अन्ना आंदोलन के कुछ समय बाद 2012 में जब अरविंद केजरीवाल ने पार्टी के गठन का फैसला किया तो वह उनके साथ नजर आए और आम आदमी पार्टी के जरिये राजनीति में आ गए। 2014 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव भी लड़ा। कुमार विश्वास से जब यह पूछा गया कि क्या आपकी राजनीति पर विराम लग गया है, तो उन्होंने कहा कि नहीं... मैं झूठ नहीं कह सकता कि बच्चों की कसम खाऊं की फिर कभी नहीं जाऊंगा। उन्होंने कहा कि मैं पार्टी में गलत कामों का विरोध करता था, इसलिए मुझे किनारे किया गया।

कपिल मिश्रा, जो अब दिल्ली सरकार में मंत्री

इसी क्रम में अगर बात करें तो कपिल मिश्रा ने अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाए थे। कपिल मिश्रा ने कहा था कि उन्होंने मुख्यमंत्री के घर पर केजरीवाल को मंत्री सत्येंद्र जैन से दो करोड़ रुपए लेते देखा था। इसके साथ ही कपिल मिश्रा ने 400 रुपये के पानी टैंकर घोटाले में अरविंद केजरीवाल के शामिल होने का आरोप लगाया थे। इसके बाद आम आदमी पार्टी की सरकार में मंत्री रहे कपिल मिश्रा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया गया था, इससे पहले उन्हें केजरीवाल की कैबिनेट से मंत्री पद से हटा दिया गया था। अब वह दिल्ली सरकार में मंत्री पद संभाल रहे हैं।

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल की शिकायत पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। मालीवाल ने शिकायत में कहा था कि जब वह 13 मई को सीएम आवास मुख्यमंत्री केजरीवाल से मिलने पहुंचीं थी तो बिभव ने उनके साथ मारपीट की। मालीवाल की शिकायत पर पुलिस ने बिभव कुमार को 18 मई को गिरफ्तार किया था। इस मामले के दौरान स्वाति ने पार्टी और उसके कद्दावर नेताओं पर कई आरोप लगाए थे।

अब आप और राघव के बीच कैसे बिगड़ी थी बात?

दरअसल केजरीवाल और राघव चड्ढा में दूरियां उसी दिन से नजर आने लगी थी जब केजरीवाल जेल में थे और राघव अपनी पत्नी परिनीति के साथ लंदन में घूमते व मस्ती की फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे थे। राघव को लोकसभा चुनाव में भी पंजाब से दूर रखा गया। औपचारिक तौर पर वे श्री आनंदपुर साहब सीट पर नजर आए थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पिछले कुछ समय से राघव चड्ढा पार्टी के अहम मुद्दों पर अपेक्षाकृत शांत नजर आ रहे थे।

सीमा हैदर ने बेटे का नाम 'भारत' रखा

सिर पर लोटा रखकर कुआं पूजन किया, बोलीं- हिंदू होने पर गर्व

नोएडा, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान से भारत आईं सीमा हैदर ने अपने बेटे का नाम 'भारत' रखा है। गुरुवार को नोएडा के रबूपुरा स्थित घर पर बेटे का नामकरण हुआ। नामकरण संस्कार के पहले सीमा ने जागरण कराया। इसके बाद कुंआ पूजन किया। डीजे की धुन पर नाचती-गाती मोहल्ले की महिलाएं पूजा के लिए निकलीं। घर पर भी संगीत समारोह का आयोजन किया गया।

पूजा के बाद घर वापस आते वक्त सीमा ने मीडिया से बात की। सीमा हैदर ने कहा-मेरे बेटे का नामकरण था। घर में जागरण भी कराया। हिंदू धर्म में जब घर में बेटा होता है तो नामकरण किया जाता है। बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं। बहुत खुशी का पल है। यह दूसरा कुआं पूजन है, इससे पहले जब मीरा हुई थी, तब कराया था। हिंदू धर्म बहुत खूबसूरत है। उन्हें हिंदू होने पर गर्व है।

सीमा हैदर ने कहा- मैं क्रिकेट मैच में भारत को सपोर्ट करती हूं। भारत जब मैच जीतता है तो मुझे खुशी होती है। मैच के दौरान भगवान से प्रार्थना करती हूं कि भारत की ही जीत हो।

भारत के लोग बहुत ही अच्छे हैं। वापस पाकिस्तान नहीं जाना चाहती। हर कास्ट के लोग रबूपुरा में रहते हैं। मुझे प्यार करते हैं, सम्मान देते हैं। मुझे अपनी बहू मानते हैं।

दरअसल, गुरुवार को सीमा हैदर के छठवें बच्चे का नामकरण संस्कार हुआ। उन्होंने 18 फरवरी 2026 को नोएडा के एक अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। इससे पहले एक बेटी को भी जन्म दिया था। सीमा के पाकिस्तानी पूर्व पति से चार बच्चे है। जबकि भारतीय पति सचिन मीणा से 2 बच्चे हैं। सीमा, पाकिस्तान छोड़कर चार साल पहले अपने प्रेमी सचिन के पास आ गई थी।

सीमा हैदर ने कहा- पंडित जी ने जब नाम निकाला तो 'भ' अक्षर से आया। हम लोगों ने बहुत देर तक सोच विचार किया। उसका बाद नाम 'भारत' रखा। भारत से सुंदर नाम कोई हो ही नहीं सकता है। पाकिस्तान से भारत आकर मैं बहुत खुश हूं। यहां आकर बहुत अच्छा लगता है। मुझे कभी पाकिस्तान छोड़ने का पछतावा नहीं होता है।

सीमा हैदर साल- 2023 से नोएडा के रबूपुरा में सचिन मीणा के साथ रह रही हैं। दोनों की कहानी पहले भी काफी चर्चा में रह चुकी है। यह दंपती सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहता है। इनके यूट्यूब चैनल को 2 मिलियन से अधिक लोग देखते हैं। बड़ी संख्या में लोग इन्हें फॉलो करते हैं।

पंचकूला एजेएल केस में पूर्व सीएम हुड्डा को राहत

पंचकूला, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पंचकूला में प्रकाशन समूह एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को प्लॉट आवंटन मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा को पंचकूला में सीबीआई की विशेष कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शुक्रवार को कोर्ट ने हुड्डा और एजेएल के चेयरमैन रहे मोतीलाल वोरा को आरोप मुक्त कर दिया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे वोरा का 6 साल पहले निधन हो चुका है, जबकि 78 वर्षीय हुड्डा खुद कोर्ट में पेश हुए। इससे पहले सीबीआई की स्पेशल कोर्ट द्वारा आरोप तय किए जाने के खिलाफ हुड्डा ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। जिसमें स्पेशल कोर्ट की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की थी। करीब एक माह पहले जस्टिस त्रिभुवन दहिया की एकल पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा था कि बिना पर्याप्त आधार के आपराधिक मुकदमा जारी रखना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। एचसी ने कहा था- प्रथम दृष्टया आरोप साबित नहीं हो रहे। अब शुक्रवार को इस मामले में सीबीआईकी विशेष कोर्ट में दोबारा सुनवाई हुई। हुड्डा के वकील एसपीएस परमार ने उनका पक्ष रखा।

कांग्रेस नेताओं ने एक-दूसरे को पीटा, कपड़े फाड़े

गिलास तोड़ी, कुर्सियां फेंकी, महासमुंद में पीसी की सही जानकारी नहीं देने पर हाथापाई, एफआईआर

महासमुंद, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में कांग्रेस नेता आपस में भिड़ गए। बात हाथापाई तक पहुंच गई। दरअसल, प्रेस कॉन्फ्रेंस की सही जानकारी नहीं देने को लेकर पूरा विवाद हुआ। इस दौरान एक दूसरे पर कुर्सियां फेंकी गई, कांच के गिलास तोड़ दिए गए। इसका वीडियो भी सामने आया है। हाथापाई के समय नेताओं के कपड़े भी फट गए।

मामला इतना बढ़ गया कि जिलाध्यक्ष को पुलिस बुलानी पड़ी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब नेताओं को समझाने की कोशिश की तब भी वे मानने को तैयार नहीं थे। सख्ती के बाद मामला शांत हुआ। इसमें 1 हफ्ते पहले कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष बने विजय साव के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

ये पूरा विवाद जिला उपाध्यक्ष विजय साव, पूर्व ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष ढेलू निषाद और शहर कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष निर्मल जैन के बीच हुआ। जानकारी के अनुसार, गुरुवार (2 अप्रैल) दोपहर करीब 3 बजे महंगाई पर जिलाध्यक्ष द्वारिकाधीश यादव ने पत्रकार वार्ता की।

पीसी के बाद जिला उपाध्यक्ष विजय साव ने आरोप लगाया कि, पार्टी पदाधिकारियों को पत्रकार वार्ता की सूचना ठीक से नहीं दी गई थी। इस बात को लेकर नेताओं के बीच पहले तो बहस हुई फिर नोकझोंक होते होते हाथापाई तक पहुंच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तीनों के बीच जमकर मारपीट भी हुई है। गुस्से में आकर प्लास्टिक की कुर्सियां और ग्लास फेंकी गईं, जिससे कई कुर्सियां और कांच के ग्लास चकनाचूर हो गए थे। आरोप यह भी है कि जिला उपाध्यक्ष विजय साव ने पूर्व कोषाध्यक्ष निर्मल जैन को मारा है। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि मौके पर मौजूद बाकी नेताओं को बीच-बचाव करना पड़ा। फिर भी माहौल शांत नहीं हुआ। आखिरकार, कांग्रेस जिलाध्यक्ष द्वारिकाधीश यादव ने पुलिस को फोन कर बुलाया।

रांची और कोडरमा में हुई जोरदार बारिश, चली तेज हवा

रांची, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में मौसम में परिवर्तन का दौर फिलहाल जारी है। शुक्रवार को राज्य में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और शाम होते ही रांची व कोडरमा में तेज हवा के साथ बारिश हुई।

मौसम विभाग के अनुसार, 4 अप्रैल शनिवार से 6 अप्रैल सोमवार तक बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

शनिवार को पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा, कोडरमा और धनबाद में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। वहीं, 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के साथ हवा भी चल सकती है और वज्रपात होने की भी संभावना है। रविवार और सोमवार को राज्य में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के साथ हवा भी चल सकती है और वज्रपात होने की भी संभावना है। इधर, मौसम विज्ञान केंद्र रांची के निदेशक अभिषेक आनंद के अनुसार, मौसम में लगातार हो रहा उतार-चढ़ाव अप्रैल में भी जारी रहेगा।

अब हाईकोर्ट में आमने-सामने होंगे राहुल गांधी और कार्तिकेय

जबलपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में जल्द ही कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी और शिवराज परिवार आमने-सामने होंगे। मामला मानहानि केस से जुड़ा है। इसे लेकर राहुल गांधी ने एमपी एमएलए कोर्ट के समन को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की बेंच एक सप्ताह बाद इस मामले में सुनवाई करेगी।

यह विवाद 29 अक्टूबर 2018 को झाबुआ में हुई एक चुनावी सभा से शुरू हुआ था। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि पनामा पेपर लीक मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री के बेटे कार्तिकेय चौहान का नाम शामिल है। हालांकि, बाद में राहुल ने इसे कंफ्यूजन बताया था, लेकिन कार्तिकेय ने इसे छवि खराब करने की साजिश बताते हुए मानहानि का केस दर्ज कराया।

इसके बाद कार्तिकेय ने भोपाल एमपी एमएलए कोर्ट में मानहानि का केस दर्ज कराया था। कोर्ट में मामला दायर करने के बाद कार्तिकेय ने कहा था कि राहुल ने उन्हें तथा उनके परिवार को बदनाम करने के लिए जान-बूझकर यह बयान दिया है।

अयोध्या में बुर्का पहनकर लूटने वाली महिला हिंदू निकली

4 महीने की गर्भवती, खिलौना पिस्टल दिखाकर ज्वेलरी लूटी, बॉयफ्रेंड के साथ गिरफ्तार

अयोध्या, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। अयोध्या में ज्वेलरी शॉप में बुर्का पहनकर लूट करने वाली महिला हिंदू निकली। बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर उसने वारदात की थी। पुलिस ने गुरुवार देर रात दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। महिला का नाम पायल (25) और लड़के का नाम राहुल (27) है। वारदात के वक्त राहुल ज्वेलरी शॉप से कुछ दूर बाइक लेकर खड़ा था। पायल ने खिलौना पिस्टल यानी नकली पिस्टल दिखाकर दुकान से 3.6 लाख का सोने का हार और चेन लूट लिया। फिर भागकर राहुल के पास पहुंची। उसके साथ बाइक से फरार हो गई।

आरोपी पायल की पिछले साल 5 अप्रैल को शादी हुई थी। वह 4 महीने की गर्भवती है। पति के साथ पंजाब में रह रही थी। 16 अप्रैल को इंटरमीडिएट की परीक्षा देने के लिए अयोध्या में मायके आई थी।

पायल के पिता राम नवल ने बताया कि गुरुवार को ताबीज बनवाने की बात कहकर घर से निकली थी। उसने बताया था कि उसकी तबीयत बार-बार खराब हो जाती है। उसने यह सब क्यों किया, नहीं पता।

वारदात गुरुवार दोपहर 12.30 बजे हुई। ज्वेलरी की दुकान में लगे 6 सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी। घटना रुदौली कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कोठी बाजार की है। राम मंदिर से घटनास्थल की दूरी करीब 45 किमी है।

शुरुआती जांच में पता चला कि राहुल ने बाजार से नकली पिस्टल खरीदी। पायल ने बुर्का अपनी सहेली से मांगा। पहचान छिपाने के लिए पायल ने बुर्का पहनकर वारदात की। जिस बाइक से दोनों फरार हुए थे, कैमरे में उसका नंबर कैद हो गया था। इसे ट्रेस कर पुलिस आरोपियों तक पहुंची।

गोला वन क्षेत्र में जंगली हाथियों का तांडव

रामगढ़, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथियों के झुंड ने शुक्रवार की सुबह तीन लोगों को कुचलकर मार डाला। मृतकों में ईंट भट्ठा पर काम करने वाले दो मजदूर और एक बुजुर्ग ग्रामीण शामिल हैं। घटना के बाद से पूरे इलाके में भय और वन विभाग के खिलाफ आक्रोश का माहौल है।

पहली घटना बांदा गांव की है, जहां तड़के सुबह करीब चार बजे ईंट भट्ठा पर काम करने वाले दो मजदूर धीरज भुइयां और जुगल भुइयां शौच के लिए निकले थे। इसी दौरान हाथियों के झुंड ने उन्हें घेर लिया और पटक-पटक कर मार डाला। धीरज मूल रूप से पतरातू के तालाटांड़ का रहने वाला था, जबकि जुगल रामगढ़ के कुजू का निवासी था। दूसरी घटना मुरपा गांव में हुई, जहां 80 वर्षीय रामदेव साव सुबह-सुबह महुआ चुनने के लिए घर से निकले थे। हाथियों ने उन पर हमला कर दिया और कुचलकर उनकी जान ले ली। बताया जा रहा है कि 12 हाथियों का यह झुंड बोकारो के जंगलों से होते हुए रामगढ़ जिले के रिहायशी इलाकों में दाखिल हुआ है। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग के अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बांदा पंचायत के मुखिया कुलदीप तिवारी ने वन विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि हाथियों के आने की सूचना विभाग को पहले ही दे दी गई थी, लेकिन रिहायशी इलाकों से उन्हें खदेड़ने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

केंद्र सरकार ने एनसीईआरटी को डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने नेशनल काउंसिल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) को 'डीम्ड यूनिवर्सिटी' का दर्जा दिया।

यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) की सलाह पर शिक्षा मंत्रालय ने 30 जनवरी को नोटिफिकेशन जारी कर इसकी घोषणा की।

इस घोषणा के साथ ही एनसीईआरटी के पांच रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन और भोपाल में सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन डीम्ड यूनिवर्सिटी बन गए हैं। ये यूनिट्स है-

रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, मानसगंगोत्री, मैसूर, कर्नाटक।

नॉर्थ ईस्ट रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, शिलांग, मेघालय।

पंडित सुंदरलाल शर्मा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, भोपाल, मध्य प्रदेश।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी की सलाह पर, नेशनल काउंसिल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) को एक अलग श्रेणी के तहत 'डीम्ड यूनिवर्सिटी' (मानित विश्वविद्यालय) घोषित करता है।

एक अधिसूचना में, मंत्रालय कहता है, "यूजीसी पोर्टल पर नेशनल काउंसिल ऑफ़ एजुकेशनल अनुसंधान और प्रशिक्षण एनसीईआरटी को यह दर्जा मिलने का मतलब है कि एनसीईआरटी अब सिर्फ स्कूल कोर्स डिजाइन करने तक सीमित नहीं है।

एनसीईआरटी अब अपने नए एकेडिमक प्रोग्राम्स के साथ ही डॉक्टरेट और नए डिग्री कोर्सेज भी लॉन्च कर सकता है।

यूनिवर्सिटीज के अलावा हायर एजुकेशन के स्पेशलाइज्ड इंस्टीट्यूट्स को केंद्र सरकार यूजीसी की सलाह पर 'डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी' का दर्जा देती है।

एनसीईआरटी एक ऑटोनोमस बॉडी है, जिसे 1 सितंबर 1961 को भारत सरकार ने सेंट्रल और स्टेट गवर्नमेंट्स को एकेडमिक और स्कूल से जुड़े मुद्दों पर सलाह देने और गाइड करने के लिए बनाया है।

एनसीईआरटी डीम्ड यूनिवर्सिटी बनने से पहले तक भारत में सर्वोच्च शैक्षणिक निकाय के रूप में काम करती थी।

इसके मुख्य काम हैं-

स्कूलों के लिए नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क तैयार करना।

क्लास 1 से 12वीं तक के बच्चों के लिए क्वालिटी टेक्स्ट बुक्स तैयार करना।

टीचर्स को ट्रेन करना।

स्कूल एजुकेशन से जुड़ी रिसर्च कंडक्ट और प्रमोट करना।

ई-पाठशाला और दीक्षा ई-लर्निंग प्लैटफॉर्म्स के लिए ऑनलाइन रिसोर्स तैयार करना।

नोटिफिकेशन के मुताबिक, यूजीसी पोर्टल पर एनसीईआरटी को एक स्पेशल केटेगरी के तहत 'डीम्ड यूनिवर्सिटी' का दर्जा देने के लिए एक ऑनलाइन आवेदन अपलोड किया गया था।

ये आवेदन यूजीसी एक्ट, 1956 के सेक्शन 3 के तहत एनसीईआरटी के 6 इंस्टीट्यूशंस को इसमें शामिल किया गया था।

दो करोड़ की ज्वेलरी लूटी

दरभंगा, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। दरभंगा के नगर थाना क्षेत्र स्थित बड़ा बाजार में शुक्रवार को दिनदहाड़े एक बड़ी लूट की वारदात सामने आई है। बाइक सवार चार अपराधियों ने 'प्रेम ज्वेलर्स' नामक दुकान को निशाना बनाते हुए करीब दो करोड़ रुपये मूल्य के गहनों के साथ लगभग 20 लाख रुपये नकद लूट लिए और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और व्यापारियों में दहशत का माहौल बन गया।

सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आया। एसएसपी जगुनाथ रेड्डी और डीआईजी मनोज तिवारी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास के इलाकों की घेराबंदी करते हुए अपराधियों की तलाश तेज कर दी है। साथ ही, आसपास की दुकानों और सड़कों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को खंगाला जा रहा है, ताकि अपराधियों की पहचान हो सके। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि अपराधियों ने पहले से रेकी कर इस वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने दावा किया है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल घटना को लेकर स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश देखा जा रहा है। इसी इलाके में करीब पांच साल पहले लाट मार्केट स्थित संतोष लाट की दुकान 'अलंकार ज्वेलर्स' में भी दिनदहाड़े पांच करोड़ रुपये से अधिक की ज्वेलरी लूट ली गई थी। हालांकि, दरभंगा पुलिस ने बाद में इस मामले का उद्भेदन कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था।

ट्रंप ने किया टैक्स नियमों में बड़ा बदलाव

दवाओं ही नहीं एल्युमीनियम और कॉपर पर भी लगाया टैरिफ

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्टील, एल्युमीनियम और कॉपर के आयात से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव किया है. यह कदम अमेरिका की इंडस्ट्री को मजबूत बनाने और टैक्स सिस्टम को आसान करने के लिए उठाया गया है. पहले जहां यह व्यवस्था काफी जटिल थी. वहीं, अब इसे सरल बनाने की कोशिश की गई है ताकि कंपनियों को नियम समझने और लागू करने में आसानी हो. नई व्यवस्था के तहत बेसिक यानी कच्चे स्टील और एल्युमीनियम पर 50% टैरिफ पहले की तरह ही लागू रहेगा. टेक्निकली यह नया टैरिफ ही होगा क्योंकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के पहले लगाए गए टैरिफ को अमान्य करार दे दिया है. लेकिन नए नियमों में अब खास बात यह है कि यह टैक्स आयात की घोषित कीमत पर नहीं, बल्कि वास्तविक बिक्री मूल्य पर लगाया जाएगा. इसका मकसद उन कंपनियों पर लगाम लगाना है जो कम कीमत दिखाकर टैक्स बचाने की कोशिश करती थीं.

डेरिवेटिव प्रोडक्ट्स को मिली राहत

जो प्रोडक्ट सीधे मेटल नहीं हैं, बल्कि उनसे बने होते हैं. जैसे मशीनें, उपकरण या रोजमर्रा की चीजें उन पर नियम बदल दिए गए हैं. अगर किसी प्रोडक्ट में स्टील, एल्युमीनियम या कॉपर की मात्रा 15% से कम है, तो अब उस पर कोई टैरिफ नहीं लगेगा. उदाहरण के तौर पर, अगर किसी परफ्यूम की बोतल में थोड़ा सा एल्युमीनियम इस्तेमाल हुआ है, तो अब उस पर टैक्स नहीं देना होगा. इससे छोटे और हल्के मेटल वाले प्रोडक्ट्स सस्ते हो सकते हैं.

भारी मेटल वाले प्रोडक्ट्स पर नया नियम

अगर किसी प्रोडक्ट में इन धातुओं की मात्रा 15% से ज्यादा है, तो उस पर 25% टैरिफ लगाया जाएगा. यह टैक्स केवल मेटल की कीमत पर नहीं, बल्कि पूरे प्रोडक्ट की कीमत पर लागू होगा. जैसे कि वॉशिंग मशीन या गैस चूल्हा, जो ज्यादातर स्टील से बने होते हैं, उन पर सीधे 25% टैक्स देना होगा. इससे ऐसे प्रोडक्ट्स की कीमत बढ़ सकती है.

इंडसट्रियल सेक्टर को मिली राहत

कुछ खास इंडसट्रियल मशीनों और इलेक्ट्रिकल उपकरणों पर टैरिफ को घटाकर 15% कर दिया गया है. यह राहत 2027 तक लागू रहेगी. इसका मकसद अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देना है, ताकि कंपनियां आसानी से जरूरी मशीनें आयात कर सकें. एक दिलचस्प बदलाव यह भी है कि अगर कोई प्रोडक्ट विदेश में बना है, लेकिन उसमें इस्तेमाल हुआ स्टील, एल्युमीनियम या कॉपर पूरी तरह से अमेरिकी है, तो उस पर सिर्फ 10% टैरिफ लगेगा. इससे अमेरिकी मेटल इंडस्ट्री को फायदा मिलेगा.

क्यों जरूरी था यह बदलाव?

पुरानी व्यवस्था में हजारों तरह के प्रोडक्ट्स के लिए अलग-अलग नियम थे, जिससे कंपनियों को काफी परेशानी होती थी. हर प्रोडक्ट में कितनी मेटल है, उसका हिसाब लगाना मुश्किल था. अब सरकार ने इसे आसान और पारदर्शी बनाने की कोशिश की है. सरकार का मानना है कि इससे टैक्स चोरी पर रोक लगेगी और सिस्टम ज्यादा साफ-सुथरा होगा. हालांकि, कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था पर इसका बहुत बड़ा असर नहीं पड़ेगा, लेकिन सरकार की टैरिफ से कमाई थोड़ी बढ़ सकती है.

भारत पर क्या होगा असर?

अमेरिका की ओर से स्टील, एल्युमीनियम और कॉपर पर 50% टैरिफ जारी रखने का असर सिर्फ उसकी घरेलू अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका प्रभाव भारत सहित वैश्विक बाजारों पर भी देखने को मिल सकता है. इन धातुओं से बने उत्पादों की लागत बढ़ने से कीमतों में उछाल आ सकता है, जिससे वैश्विक सप्लाई चेन पर दबाव बढ़ेगा. भारत जैसे देशों के लिए अमेरिकी बाजार में निर्यात करना महंगा हो सकता है, जिसका सीधा असर व्यापार पर पड़ेगा. इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में अस्थिरता भी बढ़ने की संभावना है.

अडानी टोटल गैस ने अहमदाबाद में बढ़ाए दाम, 83 रुपये के पार पहुंची कीमत

अलमदाबाद, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में सीएनजी की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी हो गई है। अडानी टोटल गैस ने सीएनजी के दाम में 1.50 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी की घोषणा की है। इस बढ़ोतरी के बाद अहमदाबाद में सीएनजी की नई कीमत 83.77 रुपये प्रति किलो हो गई है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब पहले से ही महंगाई का दबाव झेल रहे लोग रोजमर्रा के खर्चों को संतुलित करने की कोशिश कर रहे हैं। सीएनजी का इस्तेमाल बड़ी संख्या में ऑटो-रिक्शा, टैक्सी और निजी वाहनों में होता है। आम लोगों के लिए इसका मतलब है कि रोजाना का सफर अब थोड़ा और महंगा हो जाएगा। बता दें कि 1 अप्रैल से ही ईंधन और अन्य जरूरी चीजों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है जिससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है।

गौर करने वाली बात है कि हाल ही में देशभर में ईरान युद्ध के चलते कमर्शियल सिलेंडर के दाम में भारी बढ़ोतरी की गई थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी का असर कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में पर पड़ा। सरकारी तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम 195.50 रुपये बढ़ा दिए थे। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से उपजे संकट का असर अब भारत पर भी साफ दिखने लगा है। अभी तक सरकार यह दावा कर रही थी स्थिति नियंत्रण में है, मगर बुधवार को वाणिज्यिक एलपीजी और विमान ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से स्पष्ट हो गया है कि समस्या अब गहराने लगी है और इसकी सबसे गंभीर मार आम लोगों पर पड़ने वाली है। अगर ईरान तथा अमेरिका-इजराइल का संघर्ष लंबा चला, तो यह तय है कि हालात और ज्यादा बिगड़ेंगे।

रेलवे चलाएगा 2100 समर स्पेशल ट्रेनें

महाराष्ट्र–यूपी के लोगों का सफर होगा आसान

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। सेंट्रल रेलवे ने गर्मी की छुट्टियों में होने वाली अतिरिक्त भीड़ को मैनेज करने के लिए 2100 से ज्यादा समर स्पेशल ट्रेन चलाने का ऐलान किया है। ये स्पेशल ट्रेन सर्विस 15 अप्रैल से शुरू होकर 31 जुलाई तक चलेंगी। इनमें से 735 ट्रेनों को अनारक्षित जबकि 624 ट्रेनों को आरक्षित सर्विसेज के तहत चलाया जाएगा। सेंट्रल रेलवे ने एक्स पर समर स्पेशल ट्रेनों से जुड़ी यह जानकारी साझा की।

पोस्ट में कहा गया है, "यात्रियों की सुविधा के लिए मुंबई और पुणे से 2100 से अधिक समर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। महाराष्ट्र के लिए 735 अनारक्षित और 624 आरक्षित ट्रेनें शामिल हैं।" रेलवे ने यह भी कहा कि यात्रियों के लिए गर्मी की छुट्टियों के दौरान यात्रा को आसान बनाने के लिए इन विशेष ट्रेनों की योजना बनाई जा रही है। महाराष्ट्र में ये ट्रेनें मुंबई/दौंड से सोलापुर, पुणे से कोल्हापुर, नासिक रोड से बदनेरा और हड़पसर से हरंगुल जैसे रूटों पर चलेंगी। वहीं महाराष्ट्र के बाहर यात्रा के लिए, विशेष ट्रेनें मुंबई से बलिया और गोरखपुर, दौंड से कलबुर्गी व सोलापुर से कलबुर्गी और अनकापल्ले जैसे रूटों को जोड़ेंगी। रेलवे ने यह भी बताया कि इनमें पहले से चल रही 'ट्रेन्स ऑन डिमांड' के साथ-साथ पीक ट्रैवल पीरियड के लिए अतिरिक्त ट्रेनें भी शामिल हैं। सेंट्रल रेलवे के मुताबिक, इन अतिरिक्त ट्रेनों के चलने से यात्री गर्मियों की छुट्टियों के व्यस्त सीजन में अपनी यात्रा ज्यादा आसानी से प्लान कर सकेंगे।

2025-26 में 76,352 स्पेशल ट्रेनें

हाल ही में भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपनी ओवरऑल परफॉर्मेंस से जुड़े आंकड़े भी साझा किए। लोकसभा सत्र के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पूरे साल में कुल 76,352 विशेष ट्रेनें चलाई गईं। देशभर में रोजाना करीब 25,000 ट्रेनें ऑपरेट की जा रही हैं। वैष्णव ने कहा, "कल समाप्त हुए वित्त वर्ष में रिकॉर्ड 76,352 विशेष ट्रेनें चलाई गईं। रेलवे नेटवर्क पर रोजाना 25,000 ट्रेनें चल रही हैं।" भारतीय रेलवे ने माल ढुलाई के क्षेत्र में भी मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। एक साल में 1,670 मिलियन मीट्रिक टन सामान की ढुलाई की गई।

यह पिछले वर्ष की तुलना में 3.25% का इजाफा है जिसका मुख्य कारण आयरन ओर और सीमेंट के परिवहन में बढ़ोतरी रहा।सुरक्षा के मोर्चे पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में केवल 16 बड़ी रेल दुर्घटनाएं हुईं जो पिछले 50 सालों में सबसे कम हैं। राज्यसभा में वैष्णव ने कहा कि जल्द ही 76 रेलवे स्टेशनों पर विशेष यात्री होल्डिंग एरिया बनाए जाएंगे। इनका उद्देश्य प्लेटफॉर्म पर भीड़ कम करना है। इन क्षेत्रों में बैठने की व्यवस्था, पीने का पानी, शौचालय, टिकट काउंटर, डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड और सिक्योरिटी जांच जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी जिससे पीक ट्रैवल समय में भीड़ को बेहतर तरीके से संभाला जा सकेगा।

एलपीजी सिलिंडर को लेकर अफवाह फैलाने पर केंद्र की सख्ती, सभी राज्य सरकारों को रोजाना ब्रीफिंग की सलाह

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। एलपीजी की उपलब्धता को लेकर फैल रही अफवाहों पर केंद्र सरकार ने चिंता जताई है। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर कहा है कि सिर्फ 17 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश ही नियमित प्रेस ब्रीफिंग कर रहे हैं, जो स्थिति को संभालने के लिए पर्याप्त नहीं है।

राज्यों से संचार व्यवस्था को मजबूत करने की अपील

पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने अपने पत्र में कहा कि कुछ क्षेत्रों में अब भी अफवाहें और गलत जानकारी फैल रही है, जिससे लोगों में अनावश्यक डर पैदा हो रहा है और कई जगहों पर घबराहट में खरीदारी (पैनिक बायिंग) देखी जा रही है। मंत्रालय ने राज्यों से अपील की है कि वे संचार व्यवस्था को और मजबूत करें ताकि स्थिति सामान्य बनी रहे।वर्तमान में आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, नागालैंड, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे 17 राज्य/यूटी नियमित या अंतराल पर प्रेस ब्रीफिंग कर रहे हैं। केंद्र ने बाकी राज्यों से भी तुरंत इसी तरह के कदम उठाने को कहा है। मंत्रालय ने सलाह दिया है कि वरिष्ठ स्तर पर रोजाना प्रेस ब्रीफिंग की जाए और सोशल व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरिए सही और समय पर जानकारी दी जाए, ताकि लोगों को एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता और सुचारु वितरण का भरोसा मिल सके और अफवाहों पर रोक लगाई जा सके।इसके साथ ही केंद्र ने जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं। पत्र में कहा गया है कि इस तरह की गलत गतिविधियों को रोकने के लिए जरूरी कदम लगातार उठाए जाएं।यह निर्देश 27 मार्च को जारी उस चेतावनी के बाद आया है, जिसमें मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के कारण वैश्विक सप्लाई चेन पर असर की बात कही थी। इन परिस्थितियों के चलते पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों व उपलब्धता को लेकर सोशल मीडिया पर फर्जी खबरें तेजी से फैल रही हैं, जिससे घरेलू वितरण प्रणाली पर दबाव बढ़ा है।

वैश्विक तनावों के बीच अगले सप्ताह रेपो रेट या आरबीआई एमपीसी के रुख में बदलाव की संभावना नहीं: विशेषज्ञ

नई दिल्ली,3 अप्रैल(एजेंसियां)। अर्थशास्त्रियों ने शुक्रवार को कहा कि भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की अगले हफ्ते होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में इस बार रेपो रेट या पॉलिसी रुख में किसी भी बदलाव की उम्मीद नहीं है। इसकी वजह मौजूदा वैश्विक तनाव और अनिश्चितता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, आरबीआई का रुख इस बार सतर्क रहेगा और मौजूदा अनिश्चितता के बीच सबसे ज्यादा ध्यान जीडीपी और महंगाई के अनुमान पर होगा, जो मौजूदा हालात में काफी अहम हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) के चीफ इकोनॉमिस्ट मदन सबनाविस ने कहा, ₹हम लिक्विडिटी या करेंसी मैनेजमेंट को लेकर किसी नए कदम की उम्मीद नहीं कर रहे हैं, क्योंकि आरबीआई जरूरत पड़ने पर पहले भी ऐसे कदम उठाता रहा है। तीन दिन की यह पॉलिसी बैठक 6 अप्रैल से 8 अप्रैल तक चलेगी। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण ऊर्जा संकट बढ़ा है और मार्च में ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत करीब 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। बैंक के अनुसार, अगर महंगाई 6 प्रतिशत की ऊपरी सीमा को पार करती है, तो साल के अंत तक ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना बन सकती है।रिपोर्ट में कहा गया है, युद्ध का असर आर्थिक वृद्धि और महंगाई पर अगले 3-4 महीनों में साफ होगा। इसके बाद आरबीआई ब्याज दरों की दिशा पर फैसला करेगा। एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट रिसर्च के अनुसार, इस बार एमपीसी की बैठक पूरी तरह से तेल की कीमतों में आए अचानक झटके को लेकर फैली चिंता को दूर करने के लिए संचार पर केंद्रित होगी। एचएसबीसी के अर्थशास्त्रियों का कहना है, हमें उम्मीद है कि आरबीआई अलग-अलग संभावित स्थितियों, संवेदनशीलता और अपनी प्रतिक्रिया पद्धति के व्यापक सिद्धांतों की रूपरेखा प्रस्तुत करेगा। तेल कीमतों में उछाल के बावजूद निकट भविष्य में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना कम है, क्योंकि आरबीआई एक साल आगे की महंगाई को ज्यादा महत्व देता है, जो फिलहाल कम दिख सकती है।

क्या पीएफ पर मिलेगा 10% ब्याज? सरकार ने कहा ऐसा प्रस्ताव नहीं

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्मचारी भविष्य निधि प्राइवेट सेक्टर में काम करने वालों के लिए काफी बड़ा सहारा है. इसलिए इसमें किसी भी अपडेट का असर देश के करोड़ों कर्मचारियों पर सीधा पड़ता है. अभी बीते कई दिनों से सोशल मीडिया और अन्य मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर यह दावा किया जा रहा था कि सरकार पीएफ पर ब्याज को बढ़ाकर 10 फीसदी कर सकती है. जो ब्याज अभी कर्मचारियों को 8.25 प्रतिशत मिलता है उसे बढ़ाया जा सकता है मगर इन सभी खबरों पर खुद सरकार ने जबाव दिया है. संसद में लिखित बयान के जरिए सरकार की ओर से कहा गया है कि अभी ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है. यानी पीएफ पर ब्याज बढ़ाने का इरादा फिलहाल अभी सरकार का नहीं है. सरकार ने ब्याज बढ़ाने पर कहा कि पीएफ पर ब्याज कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की ओर से तय किया जाता है. इसके अलावा सरकार का कहना है कि मौजूदा दरें अन्य बचत योजनाओं के मुकाबले अब भी आकर्षक और सुरक्षित बनी हुई हैं. कर्मचारी भविष्य निधि पर सरकार की ओर से तय ब्याज दरें पिछले कुछ वर्षों में मामूली उतार-चढ़ाव के साथ अपेक्षाकृत स्थिर रही हैं.

1.3 लाख लोगों का इनकम टैक्स रिफंड अटका

पैन का यह मुद्दा बना वजह

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। देशभर में बड़ी संख्या में टैक्सपेयर्स अपने आयकर रिफंड का इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में सरकार ने संसद में बताया कि 1.3 लाख से ज्यादा मामलों में रिफंड अटका हुआ है। चौंकाने वाली बात यह है कि यह देरी स्क्रूटनी या किसी बड़ी गलती की वजह से नहीं, बल्कि इनऑपरेटिव पैन जैसी बेसिक कंप्लायंस समस्या के कारण हो रही है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, ऐसे मामलों में 340 करोड़ रुपये से अधिक का रिफंड फिलहाल रोक दिया गया है। लोकसभा में एक लिखित जवाब में डिटेल्स शेयर की गईं, जिससे यह साफ हो गया कि आसान टैक्स प्रोसेसिंग के लिए अब पैन-आधार लिंकिंग बहुत जरूरी है।

यह मुद्दा लोकसभा में एमपी कार्ति पी चिदंबरम, डॉ. अमर सिंह और बेनी बेहनन के उठाए गए सवालों के जरिए उठा। इसका जवाब देते हुए, वित्तीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने पैन इनऑपरेबिलिटी, रिफंड और शिकायतों पर डिटेल्ड डेटा दिया। एक बड़ा खुलासा, "इनऑपरेटिव पैन स्टेटस के संबंध में होल्ड पर रखे गए ऐसे रिफंड मामलों की संख्या 1,30,638 है और इसमें शामिल रकम 340.30 करोड़ रुपये है।"

9.25 करोड़ से ज्यादा पैन इनऑपरेटिव हो गए

सरकार ने साफ किया कि आधार-पैन लिंकिंग सिर्फ इंडिविजुअल टैक्सपेयर्स के लिए जरूरी है। ऑफिशियल जवाब के मुताबिकः "1 जनवरी, 2026 तक इनऑपरेटिव इंडिविजुअल कैटेगरी पैन की कुल संख्या 9,25,50,668 है।" सरकार ने यह भी बताया, "पैन को आधार से देर से लिंक करने के लिए जमा की गई लेट फीस की कुल रकम 2,338.31 करोड़ रुपये है।"वित्त मंत्रालय ने एक जरूरी टेक्निकल बात साफ की कि इनऑपरेटिव पैन के साथ फाइल किए गए आईटीआर अभी भी प्रोसेस किए जाते हैं। टैक्स क्रेडिट (जैसे टीडीएस) की इजाजत है लेकिन रिफंड रोक दिया जाता है। जवाब के मुताबिकः "इन रिटर्न की प्रोसेसिंग से मिलने वाले रिफंड को सेक्शन 139एए के प्रोविज़न के मुताबिक रोक दिया जाता है..." आसान शब्दों में, भले ही आपका रिटर्न वैलिड हो, आपको तब तक रिफंड नहीं मिलेगा जब तक आपका पैन फिर से ऑपरेटिव नहीं हो जाता। अगर आप नहीं चाहते कि आपका रिफंड अटके, तो आपको अपने पैन को आधार से तुरंत लिंक(अगर पहले से नहीं किया है) करना चाहिए।

सरकार ने फ्लाइट में 60 प्रतिशत मुफ्त सीट चयन अनिवार्य करने वाले आदेश को किया स्थगित

नई दिल्ली,3 अप्रैल(एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने फ्लाइट में कम से कम 60 प्रतिशत सीटें बिना अतिरिक्त शुल्क के देने के अपने पहले के आदेश को फिलहाल स्थगित कर दिया है, जो 20 अप्रैल से लागू होने वाला था। नागर विमानन मंत्रालय ने नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को भेजे गए एक पत्र में कहा कि इस फैसले की समीक्षा की गई है। यह समीक्षा फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस और अकासा एयर द्वारा उठाई गई चिंताओं के बाद की गई, जिसमें इस नियम के ऑपरेशनल और कमर्शियल असर को लेकर सवाल उठाए गए थे। एयरलाइंस ने कहा था कि यह नियम किराया ढांचे को प्रभावित कर सकता है और मौजूदा डिरेगुलेटेड टैरिफ सिस्टम के अनुरूप नहीं है। सरकार ने कहा कि इन सभी पहलुओं को देखते हुए और मामले की विस्तृत समीक्षा होने तक 60 प्रतिशत सीटें मुफ्त देने का प्रावधान फिलहाल अगले आदेश तक लागू नहीं किया जाएगा। वर्तमान में, फ्लाइट की 20 प्रतिशत सीटें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के बुक की जा सकती हैं, जबकि बाकी सीटों के लिए यात्रियों को शुल्क देना पड़ता है। एयरलाइंस आमतौर पर सीट चयन के लिए 200 रुपए से लेकर 2,100 रुपए तक चार्ज करती हैं, जो सीट की लोकेशन और अतिरिक्त लेगरूम जैसी सुविधाओं पर निर्भर करता है।

18 मार्च को नागर विमानन मंत्रालय द्वारा जारी मूल निर्देश का उद्देश्य यात्रियों की बढ़ती शिकायतों को दूर करना था, खासकर सीट चयन जैसे सेवाओं पर ज्यादा शुल्क को लेकर। मंत्रालय ने डीजीसीए के जरिए नए दिशा-निर्देश जारी किए थे, जिसमें एक ही पीएनआर पर यात्रा करने वाले यात्रियों को एक साथ बैठाने (अधिमानतः अगल-बगल की सीटों पर बैठाना) जैसे यात्री हित से जुड़े प्रावधान शामिल थे। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बन चुका है और भारतीय हवाई अड्डों पर रोजाना 5 लाख से ज्यादा यात्री यात्रा करते हैं।

मंत्रालय ने कहा कि वह यात्रियों की सुविधा, पारदर्शिता और विमानन क्षेत्र में सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	मीन	मे
चंद्र	तुला	मे
मंगल	मीन	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मेष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
मीन....	05-08	बजे
मेष.....	06-44	बजे
वृष....	08-28	बजे
मिथुन..	10-29	बजे
कर्क...	12-41	बजे
सिंह---	14-53	बजे
कन्या--	17-00	बजे
तुला----	19-05	बजे
वृश्चिक..	21-15	बजे
धनु.....	23-28	बजे
मकर...	01-35	बजे
कुंभ....	03-25	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्योदय **06-12**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष, सूर्यास्त. **18 -26**
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष शनिवार **04 April 2026**
तिथि - द्वितीया **10-08** तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - स्वाति **21-34** तक उप विशाखा
योग - हर्षण **14-16** तक उप वज्र
करण - गर **10-08** तक उप वणिज
विशेष: सर्वार्थ सिद्धि योग **06-30** से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-15 से 10-47 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06-12 - 07-42	अशुभ	लाभ	18-26 - 19-56	शुभ
शुभ	07-47 - 09-15	शुभ	उत्पात	19-56 - 21-24	अशुभ
रोग।।	09-18 - 10-47	अशुभ	शुभ	21-24 - 22-51	शुभ
उत्पात	10-50 - 12-19	अशुभ	अमृत	22-51_ - 00-19	शुभ
चंचल	12-21 - 13-52	शुभ	चंचल	00-19 - 01-46	शुभ
लाभ	13-53 - 15-24	शुभ	रोग	01-46 - 03-14	अशुभ
अमृत	15-24 - 16-56	शुभ	काल	03-14 - 04-41	अशुभ
काल	16-56 - 18-26	अशुभ	लाभ	04-41 - 06-12	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आज के दिन आपसे बहुत सारी अपेक्षाएं रहेंगी । आप अपने वर्त्तमान घर या नौकरी में बदलाव का फैसला ले सकते हैं । कशमकश में न रहें , बदलाव होना अच्छा ही रहेगा । आपको किसी ऐसे आदमी से बात करके अप्रत्याशित सहायता मिल सकती है जो चुपचाप आपकी भलाई चाहता रहा है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — अपने स्वतंत्र विचारों को अभिव्यक्त कर दें लेकिन आवाज को नीची रखें । पुरानी बातों में उलझे रहने के स्थान पर बदलाव के लिए जो कुछ जरूरी है उसपर फोकस करें । इस समय बेहतर यही होगा कि आप जिनके साथ रहते हैं उनके साथ विवादों में पड़ने की बजाय विवादों से दूर ही रहें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांच्छित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे । आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है । आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है । ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज आप खुद को उलझन में फंसा हुआ महसूस करेंगे । अपना भला चाहने वाले लोगों से उन चीजों के बारे में भी खुलकर बात करें,जो आपको परेशान कर रही हैं । अनिश्चितता के बादल एक सप्ताह में छंट जायेंगे । किसी परिजन या अन्तरंग दोस्त का साथ मिलेगा । बोलते हुए सावधान रहें । किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आप आज अपने परिवहन के साधन से परेशान हो सकते हैं । अगर कहीं किसी महत्वपूरण काम के लिए जाना है तो अपने लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था कर लें और कोई बैकअप योजना तैयार रखें । आज आप किसी भीतरी उलझन से परेशान हैं,लेकिन शांति बनाये रखें,यह समय जल्दी ही बीत जायेगा । परिवार के साथ समय बिताएं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — अब आपका हर काम और पूरा ध्यान अपने करियर के लिए है । आप इस पर बिलकुल अपना पूरा ध्यान और समय लगा रहे हैं । आपको थोड़ी सी राहत की जरुरत है और अच्छी बात यह है कि आप तब भी अपना लक्ष्य हासिल कर पायेंगे । अपने काम के जाल से बाहर निकलकर परिवार को भी समय दें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी । आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं । सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें । हालाँकि इन सबके चक्कर में उनकी भी उपेक्षा ना करें जो लम्बे समय से आपके ध्यान और समय की प्रतीक्षा में हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — यह सोचने और जानने के लिए कि आप अपने जीवन से क्या चाहते हैं,कुछ देर एकांत में बैठें । पिछले कई दिन काफी व्यस्त रहे हैं ।इसीलिए आपको अपने उद्देश्यों का फिर से मूल्यांकन करना है और यह भी देखना है की आपके काम किस प्रकार आपके जीवन और संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं । यात्रा संभावित है ,हालाँकि हमारा सुझाव यह है कि किसी रोमांचक ताबड़तोड़ यात्रा के स्थान पर शांतिपूर्वक अपनी छुट्टियाँ बिताएं ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं। आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है ।अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें । आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है । अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — इस समय आपको जीवन में दो ही विकल्प मिलेंगे और दोनों में से किसी एक को भी छोड़ना आपके लिए समान दर्दनाक होगा । आपको अब अपने दिल की सुननी चाहिए । अपने खाली समय में अपने लक्ष्यों की सूची बनाएं.लेकिन उनकी प्राथमिकताएं भी तय करें । आपकी महत्वकाक्षाएं बढ़ गई हैं और आप उन्हें जितनी जल्दी हो सके,पूरे कर लेना चाहते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आप अपने विस्तृत होते हुए परिवेश के बारे में बहुत अच्छा अनुभव करेंगे लेकिन आपके परिजन इसी को लेकर निराश होंगे । जो आप करना चाहते हैं ,उसके लिए स्वयम को समर्पित कर दें । पर्दे के पीछे काम न करें,आप जो भी कर रहे हैं,उसके बारे में जानने दें । अपनी जीवन में आये किसी नए दोस्त से आपको काफी लगाव का अनुभव होगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

एसआई भर्ती परीक्षा : मिशन इम्पॉसिबल मोड में एसओजी

नकल गिरोह का गेम ओवर करने के लिए 1 लाख का इनाम, चप्पे-चप्पे पर सादा वर्दी में स्पाई तैनात

जयपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। सब इंस्पेक्टर भर्ती-2025 की परीक्षा 5 और 6 अप्रैल को राज्यभर में आयोजित होगी। एसआई भर्ती परीक्षा को लेकर राजस्थान पुलिस सहित सभी एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं।

एसओजी की ओर से फर्जीवाड़ा व नकल रोकने के लिए निगरानी बढ़ा दी गई है। नकल गिरोह की सूचना देने पर एसओजी की ओर से 1 लाख रुपए का इनाम रखा गया है। एडीजी (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया- आगामी 5 व 6 अप्रैल को नई सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा होगी। राजस्थान के 26 जिलों के 41 शहरों में 1174 एग्जाम सेंटर पर 7.70 लाख कैंडिडेट एग्जाम में बैठेंगे। एसओजी, पुलिस सहित अन्य सभी एजेंसिया अलर्ट मोड पर हैं।

एग्जाम सेंटर्स के आस-पास फोटो कॉपी शॉप बंद रहेंगी

पेपर लीक और नकल गिरोह से जुड़े सभी बदमाशों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय से एक एसओपी भी जारी की गई है। परीक्षा के दौरान एग्जाम सेंटर्स के आस-पास संचालित फोटो कॉपी की शॉप और साइबर कैफे बंद रहेंगे।

एग्जाम तक होगी संदिग्ध वाहनों की चेकिंग

उन्होंने बताया कि सादावर्दी में तैनात जवानों की ओर से सभी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। प्रदेश में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग शुरू की गई है, जो एग्जाम तक जारी रहेगी। प्रश्न पत्रों की जिला ट्रेजरी में डबल लॉक में रखे जाएंगे। जहां पर विशेष सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे हैं।

नकल गैंग की सूचना देने वाले को 1 लाख का इनाम

परीक्षा केन्द्रों पर भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त फोर्स तैनात होगी। नकल गैंग की सही सूचना देने पर 1 लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। इस संबंध में किसी भी प्रकार की सूचना एसओजी के वॉट्सएप नंबर- 9530429258 पर दी जाएगी। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

फर्जीवाड़ा रोकने के लिए बढ़ाई निगरानी, नकल गैंग की सूचना देने पर मिलेगा 1 लाख इनाम

एसआई-भर्ती परीक्षा से 2 दिन पहले आरपीएससी पहुंची सुप्रीम कोर्ट

बोली-अभी 2.21 लाख अभ्यर्थियों के फॉर्म भरवाना संभव नहीं; छुट्टी के दिन स्पेशल बेंच करेगी सुनवाई

जयपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। एसआई भर्ती-2025 को लेकर आरपीएससी ने सुप्रीम कोर्ट में प्रार्थना पत्र दायर किया है। इसमें कहा है कि इस स्टेज पर करीब 2.21 लाख अभ्यर्थियों के फॉर्म भरवाना संभव नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने हमें सुने बिना ही आदेश पारित किया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 के सभी अभ्यर्थियों को 5 अप्रैल से होने वाली परीक्षा में शामिल करने के आदेश दिए थे। ये अभ्यर्थी ओवरएज होने के कारण एसआई भर्ती-2025 के फॉर्म नहीं भर पाए थे। अब आरपीएससी ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की है कि वह अपने ऑर्डर को मॉडिफाई करके उसे याचिकाकर्ताओं तक सीमित करे। 2.21 लाख लोग ऐसे हैं जो एसआई भर्ती-2021 में शामिल थे, लेकिन 2025 का फॉर्म नहीं भरा। आरपीएससी की ओर से अधिवक्ता राजेश सिंह चौहान ने प्रार्थना पत्र दायर किया है। इस पर छुट्टी के दिन यानी आज दोपहर 2 बजे जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच सुनवाई करेगी।

दो दिन बाद लिखित परीक्षा

आरपीएससी ने प्रार्थना पत्र में कहा- हमें इस पूरे मामले में नोटिस जारी नहीं हुए। ऐसे में हमें बिना सुने ही सुप्रीम कोर्ट ने आदेश पारित कर दिया। भर्ती के लिए दो दिन बाद 5 और 6 अप्रैल को लिखित परीक्षा प्रस्तावित है। 7.5 लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड जारी हो चुके हैं। परीक्षा केंद्रों पर सभी तैयारी हो चुकी हैं। इस स्टेज पर करीब 2.21 लाख अभ्यर्थियों से फॉर्म भरवाकर एडमिट कार्ड जारी करना और उन्हें परीक्षा में बैठाना संभव नहीं है।

जोधपुर नगर निगम का अजीब कारनामा

जनगणना के लिए मृतकों और रिटायर्ड कर्मचारियों की लगा दी ड्यूटी

> अपनों को खो चुके परिवारों में भारी नाराजगी

जोधपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर नगर निगम की कार्यप्रणाली एक बार फिर विवादों के घेरे में है। आगामी जनगणना कार्य के लिए निगम द्वारा जारी की गई ड्यूटी लिस्ट में भारी गड़बड़ी सामने आई है।

आयुक्त सिद्धार्थ पालानीचामी द्वारा जारी 2,084 कर्मचारियों की सूची में उन लोगों के नाम भी शामिल हैं जिनका निधन हो चुका है या जो विभाग से रिटायर हो चुके हैं। प्रशासनिक लापरवाही का सबसे चौंकाने वाला उदाहरण अब्दुल वाहिद (निवासीः लाला लाजपत राय कॉलोनी) का है। अब्दुल वाहिद का निधन 10 मई 2024 को हो चुका है, जिसका मृत्यु प्रमाण पत्र खुद नगर निगम ने ही जारी किया था। इसके बावजूद, उन्हें जनगणना की ड्यूटी अलॉट कर दी गई। उनकी पत्नी नसीम बानो ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि निगम अपने ही रिकॉर्ड की जांच करना भूल गया है। लापरवाही यहीं नहीं रुकी; रामापीर कॉलोनी के दीपक अवस्थी, जिनका निधन इसी वर्ष 13 फरवरी 2026 को हुआ था, उन्हें भी जनगणना कर्मी बना दिया गया है।

परिजनों का कहना है कि प्रशासन ने बिना किसी जमीनी सत्यापन के पुरानी फाइलों से नाम उठाकर सूची तैयार कर दी है। स्थानीय नागरिकों और कर्मचारी संगठनों का कहना है कि इतनी बड़ी सूची जारी करने से पहले सर्विस बुक या वर्तमान स्टेटस की जांच न करना अधिकारियों की गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। यह घटना साबित करती है कि निगम का डिजिटल डेटा और वास्तविक स्थिति के बीच कोई सामंजस्य नहीं है।

परिजनों ने की कार्रवाई की मांग

प्रभावित परिवारों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि इस तरह की गलतियों से न केवल जनगणना कार्य प्रभावित होगा, बल्कि सरकारी तंत्र की विश्वसनीयता भी कम होती है।

स्कूल बस के टायर के नीचे कुचलने से 3 वर्षीय मासूम की मौत, ड्राइवर फरार

कोटपूतली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पनियाला थाना क्षेत्र के कायमपुराबास गांव में गुरुवार दोपहर एक रूह कंपा देने वाला हादसा हुआ। निजी स्कूल की बस से घर लौट रहे 3 साल के मासूम लौकित की उसी बस के टायर के नीचे आने से दर्दनाक मृत्यु हो गई।

लापरवाही का आलम यह था कि जिस बस ने बच्चे को सड़क पर उतारा, उसी के चालक ने बिना देखे बस आगे बढ़ा दी, जिससे बच्चा अगले पहिए की चपेट में आ गया। हादसे का घटनाक्रमः आंखों के सामने उजड़ गई दुनिया मृतक बालक लौकित (3 वर्ष), पुत्र बबलू कुमार, स्थानीय निजी विद्यालय श्री प्रताप विद्या मंदिर में नर्सरी कक्षा का छात्र था। हादसे के बाद बस में मौजूद अन्य बच्चों में चीख-पुकार मच गई। मौका पाकर बस ड्राइवर वाहन छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद जब ग्रामीणों और परिजनों ने स्कूल प्रबंधन से संपर्क करने की कोशिश की, तो स्कूल संचालक का मोबाइल फोन बंद पाया गया, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

अखाड़ा बन गया मैरिज गार्डन, शादी में रसमलाई को लेकर मारपीट, फेंकी कुर्सियां

कोटा, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की शिक्षा नगरी कोटा में 'रसमलाई' के चक्कर में महाभारत हो गई। शादी में हुए इस हंगामें में रिश्तेदारों ने एक-दूसरे पर जमकर कुर्सियां बरसाईं बरसाई। वहीं यहां हलवाई के काम आने वाले कड़ाही के पलटे भी चले। हैरान कर देने वाला घटनाक्रम विज्ञान नगर थाना इलाके के एक सामुदायिक मैरिज गार्डन का है। बुधवार रात रसमलाई को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ा कि रिश्तेदारों ने एक-दूसरे घायल कर दिया।

छोटी से बात पर शुरू हुआ हंगामा

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शादी समारोह में खाने की मेज पर रसमलाई परोसने को लेकर दो युवकों के बीच मामूली कहासुनी हुई थी। देखते ही देखते यह बहस मारपीट में बदल गई। दोनों पक्षों के समर्थक आमने-सामने आ गए और मैरिज गार्डन में मौजूद कुर्सियां एक-दूसरे पर फेंकना शुरू कर दिया। हद तो तब हो गई जब गुस्से में आकर कुछ लोगों ने हलवाई के पास रखे लोहे के बड़े पल्टों से भी वार किए।

पुलिस मौके पर पहुंची, मामला करवाया शांत

इस दौरान हंगामा इतना बरपा कि लड़ते-लड़ते लोग गार्डन से बाहर सड़क तक आ गए। मौके पर मौजूद मेहमानों ने इस पूरी घटना का वीडियो भी बना लिए। झगड़े की सूचना मिलते ही विज्ञान नगर थाना पुलिस की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची थी। पुलिस ने स्थिति को संभाला। पूरे मामले को लेकर पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच हुई इस झड़प में कुछ लोगों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने बताया कि घटनाक्रम मामूली बात को लेकर शुरू हुआ था। दोनों तरफ से एक-दूसरे के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज करवाई गई है, जिसके आधार पर जांच जारी है।

ऑडी कार में नशे की तस्करी करती दो महिलाएं गिरफ्तार

कोटा, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। कोटा में दो महिलाएं ऑडी कार से नशे की तस्करी करते हुई गिरफ्तार हुई हैं। इसके साथ हरियाणा नंबर की कार को जब्त कर लिया गया है। दोनों महिलाएं डोडा चूरा की तस्करी कर रही थी। पुलिस ने आज पूरे मामले का खुलासा किया है। कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया- मामला 2 अप्रैल का है। दिल्ली, वडोदरा, मुंबई एक्सप्रेस-वे के चेचट इंटरचेंज पर पुलिस ने नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान हरियाणा नंबर की कार गरोठ (मध्यप्रदेश) की तरफ से आती दिखाई दी। पुलिस को देखकर वाहन चालक ने गाड़ी को अस्थायी टोल की बजाय मेन टोल की ओर तेजी से मोड़ने का प्रयास किया।

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को लगाई फटकार

चंबल के खनन माफिया को बताया 'आधुनिक डाकू', 732 हेक्टेयर जमीन पर रोक

जयपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार के उस फैसले पर कड़ा प्रहार किया, जिसके तहत राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल वन्यजीव अभयारण्य के 732 हेक्टेयर क्षेत्र को डिनोटिफाई करने की तैयारी थी। अदालत ने इस कदम पर तुरंत रोक लगाते हुए स्पष्ट किया कि संरक्षित प्रजातियों के लिए आरक्षित किसी भी जमीन को इस तरह व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं छोड़ा जा सकता।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने राजस्थान सरकार को 'अवैध खनन को बढ़ावा देने' के लिए कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी को इस मुद्दे की विस्तृत समीक्षा करने का आदेश दिया है।

'पुलिस से बेहतर हथियार हैं खनन माफिया के पास'

सुनवाई के दौरान कोर्ट की टिप्पणी बेहद सख्त रही। चंबल के बीहड़ों के इतिहास का जिक्र करते हुए जस्टिस मेहता ने कहा, 'ये खनन माफिया अब आधुनिक डाकू बन गए हैं। डकैती का पारंपरिक तरीका अब अवैध खनन में बदल गया है।' बेंच ने चिंता जताते हुए कहा कि रेत माफिया के पास पुलिस से भी बेहतर हथियार हैं और वे अपने रास्ते में आने वाले किसी भी व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर देते हैं। क्या आप कभी उस स्थान पर गए हैं? वहां का पारिस्थितिकी तंत्र कितना नाजुक है, जाकर देखिए। घड़ियाल और कई जलीय जीव वहां विलुप्ति की कगार पर हैं। राजस्थान सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने बचाव में कहा कि यह कदम अवैध खनन के लिए नहीं, बल्कि एक सीमित और वैज्ञानिक 'बाउंड्री करेक्शन' था।

उन्होंने तर्क दिया कि डिनोटिफाई की जाने वाली जमीन राज्य में अभयारण्य क्षेत्र का मात्र 1% है। इस विशिष्ट भूमि पर कोई वन्यजीव नहीं रहता है। सरकार ने अभयारण्य के भीतर कोई भी खनन पट्टा जारी नहीं किया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इन तर्कों को नाकाफी माना और कहा कि यह अधिसूचना वैधानिक आवश्यकताओं को पूरा नहीं करती है।

चंबल अभयारण्य का महत्व

राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल वन्यजीव अभयारण्य लगभग 5,400 वर्ग किमी में फैला एक त्रि-राज्य (राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश) संरक्षित क्षेत्र है। यह दुनिया भर में घड़ियालों, गंगा डॉल्फिन और दुर्लभ कछुओं के संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। चंबल नदी का यह नाजुक ईकोसिस्टम अवैध बजरी खनन के कारण लंबे समय से खतरे में है।

रणथंभौर टाइगर सफारी में अब घूमना हुआ महंगा

300 रुपये तक बढ़े टिकट के दाम

सवई माधोपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के प्रसिद्ध रणथंभौर टाइगर रिजर्व में सफारी टिकट के दाम बढ़ा दिए गए हैं, जिसका सीधा असर अब देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों पर पड़ने लगा है. नई दरें लागू होते ही पर्यटकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है और इससे पर्यटन पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

पार्क में बेहतर सुविधाओं के लिए बढ़ाए गए शुल्क

वन विभाग की ओर से सफारी शुल्क में की गई इस बढ़ोतरी के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं. अधिकारियों का कहना है कि पार्क के रखरखाव, वन्यजीव संरक्षण और सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है. हालांकि, पर्यटक इस फैसले से खुश नजर नहीं आ रहे हैं। नई दरों के अनुसार, जिप्सी और कैंटर सफारी दोनों के टिकट पहले के मुकाबले महंगे हो गए हैं. खासकर विदेशी पर्यटकों के लिए शुल्क में अधिक बढ़ोतरी की गई है. वहीं, ऑनलाइन बुकिंग के दौरान भी अतिरिक्त चार्ज बढ़ने से कुल खर्च और ज्यादा हो रहा है. ऐसे में परिवार के साथ घूमने आने वाले पर्यटकों को अब पहले से ज्यादा बजट तैयार करना पड़ेगा।

कीमत बढ़ने से आम लोगों के लिए घूमना मुश्किल

पर्यटकों का कहना है कि पहले ही रणथंभौर की सफारी काफी महंगी मानी जाती थी और अब कीमत बढ़ने से आम लोगों के लिए यहां घूमना मुश्किल हो सकता है. कई पर्यटकों ने यह भी कहा कि अगर इसी तरह कीमतें बढ़ती रहीं, तो वे अन्य सस्ते पर्यटन स्थलों की ओर रुख कर सकते हैं। स्थानीय पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों की चिंता भी बढ़ गई है. होटल मालिकों, गाइड्स और ट्रैवल एजेंट्स का मानना है कि टिकट महंगे होने से पर्यटकों की संख्या में गिरावट आ सकती है, जिसका असर उनके कारोबार पर पड़ेगा. रणथंभौर का पर्यटन भी पूरी तरह से सफारी पर निर्भर है, ऐसे में टिकट की कीमत बढ़ना पूरे इकोसिस्टम को प्रभावित कर सकता है।

शुल्क बढ़ाकर भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश

हालांकि, वन विभाग का तर्क है कि सीमित संख्या में ही पर्यटकों को एंट्री दी जाती है ताकि वन्यजीवों को कोई नुकसान न पहुंचे. ऐसे में शुल्क बढ़ाकर भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है. साथ ही, इससे मिलने वाली राशि को संरक्षण कार्यों में लगाया जाएगा। फिलहाल, टिकट दरों में हुई बढ़ोतरी को लेकर पर्यटकों और स्थानीय कारोबारियों में असंतोष देखा जा रहा है।

पति की हत्या कर कचरा गाड़ी में फेंका शव

जयपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर में युवक की हत्या कर शव प्लास्टिक के कट्टे में बांधकर फेंकने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. शव की पहचान छिपाने के लिए आरोपी ने ज्वलनशील केमिकल डालकर आग लगा दी, हालांकि शव पूरी तरह नहीं जल पाया.

मामला करधनी थाना इलाके का है. जहां गुरुवार सुबह निवारू पुलिया से कुछ ही दूरी पर एक खाली प्लॉट की झाड़ियों में अधजला शव मिला. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को देखते हुए एफएसएल टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाकर साक्ष्य जुटाए।

मंडोर मंडी में शुद्ध के लिए युद्ध

14,800 किलो संदिग्ध घी और खाद्य सामग्री सीज, सेंट्रल टीम की छापेमारी से मचा हड़कंप

जोधपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। शहर के मंडोर मंडी क्षेत्र में मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। आयुक्त टी. शुभमंगला और सीएमएचओ डॉ. एस.एस. शेखावत के निर्देशन में जयपुर से आई केंद्रीय टीम ने दो अलग-अलग फर्मों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में संदिग्ध घी और अन्य उत्पाद जब्त किए हैं।

दो फर्मों पर एक साथ कार्रवाई

केंद्रीय टीम ने मंडोर मंडी में स्थित दो प्रमुख व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निशाने पर लिया है।

रिद्धि सिद्धि ट्रेडर्स (12 वीर सावरकर ब्लॉक): यहाँ से बड़ी संख्या में विभिन्न ब्रांड्स के घी और खाद्य उत्पाद सीज किए गए। इनमें बाबा, हरियाणा फार्म, चक्र सुदर्शन, डेयरी मिल्क, उरमूल प्योर, वेज फैट विजेता डीप और रॉयल जैसे ब्रांड शामिल हैं।

जब्त सामग्री का ब्यौरा

कुल मिलाकर दोनों स्थानों से लगभग 14,800 किलो (करीब 15 टन) संदिग्ध घी और अन्य खाद्य सामग्री को सीज कर गोदामों को सील कर दिया गया है। विभाग को लंबे समय से इन ब्रांड्स के नाम पर मिलावटी सामग्री बेचे जाने की शिकायतें मिल रही थीं।

जांच के लिए भेजे गए सैंपल

इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में केंद्रीय टीम के सदस्य विनोद कुमार शर्मा, लोकेश शर्मा, रजनीश शर्मा और विजय कंवर शामिल रहे। टीम ने मौके से संदिग्ध उत्पादों के नमूने लिए हैं, जिन्हें तत्काल जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। अधिकारियों का कहना है कि लैब रिपोर्ट आने के बाद संबंधित फर्मों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई और एफआईआर (एफआईआर) दर्ज की जाएगी।

व्यापारियों में हड़कंप

जैसे ही केंद्रीय टीम के मंडी में पहुँचने की सूचना मिली, कई अन्य दुकानदार अपनी दुकानें बढ़ाकर वहां से खिसक गए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी मिलावटखोर को बख्शा नहीं जाएगा और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बकरे के विवाद में ली थी एएसआई के बेटे की जान, 8 साल बाद कोर्ट ने एक ही परिवार के 12 लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई

कोटा, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में एक बेहद मामूली विवाद ने जो खूनी रूप लिया था, उसका इंसाफ आखिरकार आठ साल बाद मिला। कोटा की अदालत ने बकरे के विवाद को लेकर हुई हत्या के मामले में एक ही परिवार के 12 सदस्यों को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक आरोपी पर 13 हज़ार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

यह कोटा जिले के इतिहास में पहली बार हुआ है जब एक साथ 12 लोगों को उम्रकैद की सज़ा दी गई हो। इससे पहले इसी साल एक पुलिसकर्मी की हत्या के मामले में 10 लोगों को आजीवन कारावास हुई थी। अधिवक्ता रियाज़ अहमद ने बताया कि यह वारदात 31 अगस्त 2018 को शहर के उद्योग नगर थाना क्षेत्र की बॉम्बे योजना कॉलोनी में हुई थी। फरियादी हिद जाहिद हुसैन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उनके मुताबिक उनके मामा अब्दुल अज़ीज़ उर्फ पप्पू का पड़ोसी रमजानी से बकरे को लेकर झगड़ा हो गया था। मामले को शांतिपूर्वक सुलझाने के इरादे से कुछ लोग रमजानी के घर पहुंचे, लेकिन वहां हालात बिल्कुल उलट निकले।

जोधपुर पुलिस की जांबाजी

नाकाबंदी तोड़कर भाग रहे हिस्ट्रीशीटर हनुमान विश्नोई को खदेड़कर दबोचा

जोधपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर के देवनगर थाना पुलिस ने राज्य स्तरीय 'ए' श्रेणी की नाकाबंदी के दौरान एक शातिर अपराधी को फिल्मी अंदाज में पीछा कर गिरफ्तार किया है।

आरोपी हनुमान विश्नोई (32), जो लंबे समय से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहा था, अब सलाखों के पीछे है। रात 10 बजे डीजीपी के आदेशानुसार पूरे प्रदेश में 'ए' श्रेणी की विशेष नाकाबंदी की जा रही थी। जोधपुर पुलिस कमिश्नर शरत कविराज और डीसीपी (पश्चिम) कमल शेखावत के निर्देश पर देवनगर थानाधिकारी सोमकरण की टीम चौपासनी रोड स्थित लाल पुलिया के पास वाहनों की सघन चेकिंग कर रही थी। नाकाबंदी तोड़ फरारः इसी दौरान एक सफेद स्कॉर्पियो को पुलिस ने रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने रुकने के बजाय गाड़ी की रफ्तार बढ़ा दी और नाकाबंदी तोड़कर भागने लगा। खदेड़कर पकड़ाः पुलिस टीम ने तुरंत सतर्कता दिखाई और अपनी गाड़ियों से आरोपी का पीछा शुरू किया। कुछ ही दूरी पर घेराबंदी कर पुलिस ने स्कॉर्पियो को रुकवा लिया और आरोपी को धर दबोचा।

बीआरएस ने खोई प्रासंगिकता, भाजपा का राज्य में कोई आधार नहीं : गौड़

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने विपक्षी पार्टियों पर हमला बोलते हुए कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने तेलंगाना में अपनी प्रासंगिकता खो दी है, जबकि भाजपा का राज्य में कोई ठोस आधार नहीं है।

महेश गौड़ ने गांधी भवन में मीडिया से बातचीत में बीआरएस में आंतरिक मतभेदों का हवाला देते हुए कहा कि के. चंद्रशेखर राव के परिवार में सत्ता संघर्ष के कारण पार्टी कमजोर हुई है। उन्होंने कहा कि के.टी. रामाराव और टी. हरीश राव के बीच सत्ता संघर्ष है और केसीआर ने सक्रिय राजनीति से पीछे हट गए हैं। पूर्व सांसद कविता की स्वतंत्र राह ने पार्टी को और भी अस्थिर स्थिति में ला दिया है। गौड़ ने भाजपा को भी खारिज करते हुए कहा कि राज्य में उसकी कोई पैठ नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता का भरोसा कांग्रेस पर बना हुआ है और हाल के चुनावों के नतीजे इसका प्रमाण हैं। उन्होंने दावा किया कि यदि अभी चुनाव होते हैं, तो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 100

सीटों पर पूर्ण बहुमत हासिल करेगी।

रिपोर्ट सामान्य होने पर भी दिल का खतरा

अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अगर आपकी जांच रिपोर्ट में दिल की स्थिति सामान्य बताई गई है, तो इसे पूरी तरह सुरक्षित होने की गारंटी न मानें। एक नए अध्ययन में सामने आया है कि यह भरोसा कई बार खतरनाक साबित हो सकता है। दिल्ली में लगभग 5,000 मरीजों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि दिल का दौरा पड़ने वाले 80 प्रतिशत लोगों को पहले कम या मध्यम खतरे वाली श्रेणी में रखा गया था। यानी सामान्य जांच के बावजूद उन्हें बड़ा खतरा था। विशेषज्ञों के अनुसार, दिल के खतरे का आकलन करने के लिए जो तरीके अपनाए जाते हैं, वे अधिकतर पश्चिमी देशों के आधार पर बने हैं, जो भारतीयों पर पूरी तरह सही नहीं बैठते।

अध्ययन में यह भी सामने आया कि भारतीयों को पश्चिमी लोगों की तुलना में लगभग 10 साल पहले दिल का दौरा पड़ रहा है, जबकि कई मामलों में वजन और कोलेस्ट्रॉल सामान्य होता है। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. सुधीर कुमार ने कहा कि केवल रिपोर्ट के आधार पर खुद को सुरक्षित मानना गलत है। उन्होंने बताया कि भारतीयों में कुछ अलग जोखिम कारक होते हैं, जैसे आनुवंशिक कारण और मानसिक तनाव, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। अध्ययन के अनुसार, भारतीयों में गंभीर दिल के दौरे का खतरा अधिक होता है और मौजूदा मापदंड उनकी सही पहचान नहीं कर पा रहे हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे

सं. डीवाय. सीईई-जीएस-बीजेडए-39-2025-26 दि.01-04-2026 PUB/012

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, विजयवाडा द्वारा निम्न कार्यों हेतु निविदाकरण की खुली निविदा/एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं. बीजेडए-जीएसयु-इलेक-39-2025-26 दि.16-03-2026, कार्य विवरण: बीजेडए डिवीजन-बिट्रागुन्टा (बीटीआर) पर सीसी रेक रखरखाव के लिए फ्राइट ट्रेन एग्जामिनेशन सुविधाओं के विकास हेतु ऊर्जा (पावर) आपूर्ति व्यवस्थाओं का प्रावधान। निविदा मूल्य रु.70,86,461.33; अग्रधन रु. 1,41,700.00; कार्य पूरा करने की अवधि: 09 महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य, बंद करने की तिथि & समय: 13-04-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइट: https://ireps.gov.in पर लागिन करें।

अग्रधन का भुगतान केवल आनलाइन पर आईआरईपीएस पर उपलब्ध नेट बैन्किन्ग/पेमेन्ट गेटवे सुविधाओं द्वारा किया जाना चाहिए (अथवा) बोली सुरक्षा के प्रति बैंक गारण्टी को, मैन्युएल रुप में एफए & सीएओ/निर्माण/द.म. रेलवे, सिकंदराबाद पक्ष में प्रस्तुत करना चाहिए।

निविदाकार, अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति/बिड्डिंग अवधि के दौरान निविदा बंद करने के पहले, पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।

निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति/बिड्डिंग अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, विजयवाडा

निविदा सूचना सं. एलजीडी/एल/01/2026-27/ओटी, दि.02-04-2026 PUB/014

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय. सीईई/एलजीडीएस द्वारा निविदा सं.एलजीडी/एल/01/2026-27/ओटी के प्रति -ई-टेन्डर -बंद करने की तिथि 30-04-2026 के 5.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

ठेकेदारों (कान्ट्रेक्टर्स) को यह अनुमति है कि, वे इस निविदा के अग्रधन (बोली सुरक्षा) का भुगतान ई-पेमेन्ट गेटवे द्वारा नकद रूप में कर सकते है या भारत के किसी भी अनुसूचित बैंक द्वारा आहरित बैंक गारण्टी बान्ड के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं या निविदा दस्तावेजो में विवरित नुसार तत्संबंधित का भुगतान कर सकते है। बैंक गारण्टी बान्ड जोकि, अनुलग्नक -VIA नुसार होना चाहिए तथा यह बान्ड, बोली वैधता से परे, 60 दिनों की अवधि तक वैध होना चाहिए। मूल बैंक गारण्टी बान्ड को, व्यक्तिगत रुप में, निविदा दस्तावेज में निर्देशानुसार, तय सीमा में बोली की प्रस्तुति की 5 कार्यालयीन दिनों के भीतर, नामित पदाधिकारी के सुपुर्द करना चाहिए। ई-टेन्डरिंग पोर्टल (आयआरईपीस) पर बिड सहित बी.जी. की स्कैन की हुई प्रतिलिपि की अप्रस्तुति एवम्/या निर्धारित अवधि के भीतर ओरिजीनल बी.जी. की अप्रस्तुति पर बोली या बिड को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

क्रम सं. 1, निविदा सं. एलजीडी/एल/01/2026-27/ओटी, कार्य विवरण: पावर कारों में बैटरी शुरू करने के लिए आइसोलेशन स्वीच का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट करना। अनुमानित मूल्य रु. 1,63,34,350.69 (रु. एक करोड, तिरसठ लाख चौंतीस हजार, तीनसौ पचास तथा उनहत्तर पैसे मात्र), बोली सुरक्षा रु.3,26,700.00, कार्य पूरा करने की अवधि: स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से लेकर 24 महिने, बंद करने की तिथि: 30-04-2026 के 15.00 बजे

वेबसाइट विवरण:www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थान: उप मुख्य बिजली अभियंता का कार्यालय, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद-500017

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजो मे उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्रों हेतु कृपया हमारा वेबसाइट: http://www.ireps.gov.in / देखें।

उप मुख्य बिजली अभियंता/ कैरेज वर्कशाप, लालागुडा/ सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. इएलएस-केजेडजे-218, दि.01-04-2026 PUB/015

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु अनुभवी ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं. & दि.-इएलएस-केजेडजे-218, दि.01-04-2026 कार्य विवरण: इएलएस/केजेडजे पर दो वर्ष की अवधि हेतु मेसर्स एचवायटी मेक के फ्लूर पिट व्हील लेथ (एनजीयुएफ-16) के तहत गैर विस्तृत वार्षिक रखरखाव ठेका (नान काम्प्रेहेन्सिव एन्युवल मेनटेनेन्स कान्ट्राक्ट)। निविदा मूल्य रु.46,76,539.27 अग्रधन (बोली सुरक्षा) रु.93,500.00 निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य कार्य पूरा करने की अवधि: 24 महिने बंद करने & खोलने की तिथि व समय: 22-04-2026 के 15.00 बजे & 22-04-2026 के 15.30 बजे

आईआरईपीएस वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्ते/अन्य विवरण उपलब्ध है।

सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, केवल आनलाइन पेमेन्ट्स द्वारा ही अग्रधन (बोली सुरक्षा) का भुगतान करें। आईआरईपीएस वेबसाइट: www.ireps.gov.in द्वारा निविदा दस्तावेज को प्रस्तुत करना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, इएलएस, काजीपेट

निविदा सूचना सं. 01/2026, दि.02-04-2026 PUB/016

भण्डारण मदों की आपूर्ति ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

निम्न निविदाएं आनलाइन पर प्रदर्शित की गयी है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर जाएं तथा अपने आफर्स को आनलाइन में प्रस्तुत करें। निविदा कार्य विवरण, मात्रा, अग्रधन, एसडी को वेबसाइट पर दिया गया है। मैन्युएल रुप से प्रस्तुत आफर्स अमान्य है। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा की निर्धारित तिथि की निविदा बंद करने का समय 14.30 बजे है। सभी स्वदेशी आफर्स, अग्रधन को, केवल आनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध वेबसाइट:www.ireps.gov.in द्वारा ही स्वीकार किया जायेगा।

निविदा सं.	संक्षिप्त कार्य विवरण
6026पीटी017	आर-260 वेल्डिंग पोर्शन का प्रापण
एलडब्ल्यू26 5018	लाइट वेट ट्रैक मीजरिंग ट्राली (एलडब्ल्यूटीएमटी) आरडीएसओ नं.टीएम/एसएम/एफआइएस/013
29265004	थर्मल की आपूर्ति तथा इंस्टालेशन
56265137	संबंधित 6 कैड केबुल 1.4 एमएम डाया कापर कन्डक्टर
60265228	विभिन्न प्रकार के स्ट्रेचर बार्स का प्रापण
6026पीटी015	एचवीएन लाइनर का प्रापण आरडीएसओ डीआरजी. नं. टी-3706 तथा आरडीएसओ डीआरजी नं. टी-8751
43265001	सीएमएस कियोस्क्स युक्त की आपूर्ति इंस्टालेशन व कमीशनींग
एलटी2552 99ए	एएमएफ कन्ट्रोल पैनल सहित डिजल जनरेटर 500 केवीए की आपूर्ति इंस्टालेशन व कमीशनींग

टिप्पणी: निविदा खोलने की निर्धारित तिथियां- क्रम सं.01 दि.21-04-2026, क्रम सं.02 दि.22-04-2026, क्रम सं.03 दि.27-04-2026, क्रम सं.04 दि.01-05-2026, क्रम सं.05 & 06 दि.04-05-2026, क्रम सं.07 दि.06-05-2026, क्रम सं.08 दि.08-05-2026

उपरोक्त निविदाओं के अलावा रु.50 लाख से भी अधिक मूल्य की अन्य निविदाएं भी उपलब्ध हैं। विस्तृत विवरण हेतु कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट देखें।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

A013

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स: http://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पत्नी की हत्या के आरोपी ने जमानत के तीन दिन बाद की आत्महत्या

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पत्नी की हत्या के मामले में जमानत पर रिहा हुए एक 33 वर्षीय व्यक्ति ने रायदुर्गम इलाके में आत्महत्या कर ली। मृतक राजू आंध्र प्रदेश का रहने वाला था और रेत व ईंट के कारोबार से जुड़ा था। वह अपनी पत्नी विजयलक्ष्मी और दो बेटों के साथ मियापुर में रहता था।

पुलिस के अनुसार, पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। पिछले साल दिसंबर में एक झगड़े के दौरान राजू ने कथित तौर पर पत्नी का गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी थी। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

29 मार्च को उसे जमानत मिल गई थी और वह रिहा हो गया था। बताया जा रहा है कि मानसिक तनाव के चलते उसने गुरुवार शाम अपने रिश्तेदारों को फोन कर बुलाया और अपनी लोकेशन भी भेजी। इसके बाद नानकरामगुडा के पास एक श्मशान घाट में पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मंत्री का पर्यटन परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने राज्य में लंबित पर्यटन परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की विशेष मुख्य सचिव वाणी प्रसाद और तेलंगाना पर्यटन विकास निगम (टीजीटीडीसी) की प्रबंध निदेशक पी. गौतमी ने मंत्री से मुलाकात की। इस दौरान मंत्री ने दोनों अधिकारियों को नई जिम्मेदारी संभालने पर बधाई दी और राज्य में पर्यटन ढांचे को मजबूत करने, विभिन्न पर्यटन स्थलों के विकास तथा नई परियोजनाओं की प्रगति को तेज करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजनाओं का प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन आवश्यक है।

आसिफाबाद ट्राइबल वेलफेयर हॉस्टल में नाश्ते के बाद 6 छात्र बीमार

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कुमारम भीम आसिफाबाद जिले के पेंचिकलपेट मंडल के येल्लूर गांव स्थित ट्राइबल वेलफेयर विभाग के आश्रम स्कूल हॉस्टल में शुक्रवार को नाश्ता करने के बाद छह छात्र अचानक बीमार हो गए। जानकारी के अनुसार, कक्षा 10 के शशि, अंजन्ना, कार्तिक और जॉनसन, कक्षा 9 के सुरेश तथा कक्षा 7 के सम्मैया को सुबह करीब 10:30 बजे नाश्ते के बाद उल्टी की शिकायत हुई। इसके बाद सभी छात्रों को तुरंत कागजनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है और वे डॉक्टरों की निगरानी में हैं। इसी बीच हॉस्टल के अन्य छात्रों ने भोजन की गुणवत्ता को लेकर चिंता जताई है। छात्रों का आरोप है कि सरकार द्वारा निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन नहीं दिया जा रहा है और हॉस्टल प्रबंधन लापरवाही बरत रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

21 साल से कम उम्र पर सरपंच अयोग्यता बरकरार

हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने धोरापल्ली गांव की सरपंच पद की उम्मीदवार सोयम समीरा की याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने उनकी अयोग्यता को सही ठहराया। समीरा ने अपनी उम्र 23 साल बताई थी, लेकिन नामांकन के समय 21 साल की न्यूनतम उम्र पूरी न होने के आधार पर उन्हें अयोग्य घोषित किया गया था। उन्होंने इस फैसले को चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा कि पंचायत चुनाव से जुड़े विवादों के लिए कानून में अलग व्यवस्था है और ऐसे मामलों को सीधे रिट याचिका से नहीं उठाया जा सकता।

न्यायालय ने यह भी माना कि राजस्व मंडल अधिकारी (आरडीओ) को इस तरह का फैसला लेने का अधिकार है। सरकार की ओर से कहा गया कि ऐसे विवाद केवल चुनाव याचिका के जरिए ही उठाए जा सकते हैं। वहीं, प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार ने भी दावा किया कि दस्तावेजों के अनुसार समीरा की उम्र कम है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि याचिकाकर्ता चाहें तो वह उचित न्यायालय में चुनाव याचिका दाखिल कर सकती हैं।

हैदराबाद में श्रद्धा के साथ मनाया गया गुड फ्राइडे

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर भर में ईसाई समुदाय ने गुड फ्राइडे श्रद्धा और शांति के साथ मनाया। यह दिन प्रभु यीशु मसीह के क्रूस पर चढ़ाए जाने की याद में मनाया जाता है। शहर के विभिन्न गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभाएं, चिंतन और सामूहिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सिकंदराबाद के सेंट मैरी गिरजाघर में सुबह धार्मिक नाटक हुआ और शाम को गंभीर प्रार्थना सभा आयोजित की गई। इसके अलावा क्लॉक टॉवर स्थित सीएसआई वेस्ली चर्च, गनफाउंड्री का सेंट जोसेफ गिरजाघर और आबिडस रोड का सेंट जॉर्ज गिरजाघर सहित अन्य स्थानों पर दिनभर प्रार्थना और चिंतन कार्यक्रम हुए। प्रार्थना सभाएं तेलुगु, तमिल, मलयालम सहित कई भाषाओं में आयोजित की गईं, ताकि सभी लोग आसानी से शामिल हो सकें। दिन की शुरूआत में 'क्रूस मार्ग' और धार्मिक नाटकों का आयोजन किया गया, जिनमें युवाओं ने भाग लिया। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। गुड फ्राइडे, मौंडी थर्सडे के बाद और ईस्टर रविवार से पहले मनाया जाता है, जो प्रभु यीशु मसीह के बलिदान की याद दिलाता है।

थैलेसीमिया मरीजों के लिए विधायक ने किया रक्तदान

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि के विधायक मर्री राजशेखर रेड्डी ने डुंडीगल स्थित अरुंधति अस्पताल में थैलेसीमिया मरीजों की मदद के लिए रक्तदान किया। उन्होंने बताया कि वे खास तौर पर थैलेसीमिया से पीड़ित मरीजों के लिए रक्तदान करते हैं और हर तीन महीने में नियमित रूप से रक्त देते हैं। विधायक ने कहा कि यदि लोग, खासकर युवा, डॉक्टरों की सलाह मानकर रक्तदान करें तो कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। उन्होंने संदेश दिया कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी माता के नाम पर यह अस्पताल शुरू किया है और इसमें अब तक 40,000 से अधिक सर्जरी मुफ्त में की जा चुकी हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि वे इस पहल को आगे बढ़ाते हुए समाज सेवा के कार्यों में लगातार जुड़े हुए हैं।

श्रीमद् भागवत कथा का अंतिम रूप की समीक्षा बैठक कल

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में श्रीमद् भागवत् कथा को अंतिम रूप देने के लिए 5 अप्रैल रविवार को सुबह 11.30 बजे सिद्धअम्बर बाजार स्थित बाहेती भवन में एक महत्वपूर्ण मीटिंग का आयोजन किया गया है। समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से उक्त जानकारी देते हुए बताया कि श्रीमद् भागवत कथा में मुख्य यजमान के साथ ही प्रतिदिन के सात दैनिक यजमान बनाये गये हैं। श्रीमद् भागवत कथा में समाज के बंधुओं को श्रीकृष्ण जन्म उत्सव यजमान, कृष्ण रूकमणि विवाह उत्सव यजमान बनने की इच्छा रखने वाले समिति अध्यक्ष व सदस्यों से सम्पर्क कर सकते हैं। समिति द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर गठित कि गई समितियों की जानकारी प्राप्त कर की जायेगी। कथा स्थल पर पंडाल कि व्यवस्था, व्यास स्टेज की व्यवस्था, प्रतिदिन कथा के पश्चात प्रसाद भोजन की व्यवस्था, अन्य व्यवस्थाओं कि तैयारियाओ को पूर्ण कि जायेगी। श्रीमद् भागवत कथा कि सायं आरती के पश्चात कथा श्रवण करने वाले धार्मिक बंधुओं को भोजन कि व्यवस्था रखी जा रही हैं। सभी बंधुओं को परिवार मित्रो सहित श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कर पुण्य के लाभार्थी बनने की अपील की गई है। सभी बंधुओ को श्रीमद् भागवत कथा में तन मन धन से सहयोग करने का आग्रह किया गया। मुख्य सायोजक महेश अग्रवाल ने सभी से भोजन प्रसाद में सहयोग करने का आग्रह किया है। बाहेती भवन में आयोजित बैठक में धार्मिक आस्था वाले सभी बंधुओ से भाग लेने की अपील की गई है।

हनुमान जन्मोत्सव पर श्री रामचरितमानस का अखंड पाठ संपन्न

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्री संकट मोचन वीर हनुमान भक्त मंडल भाग्यनगर द्वारा हनुमान जन्मोत्सव पर श्री रामचरितमानस का अखंड पाठ 1 अप्रैल दोपहर 12.30 बजे से 2 अप्रैल 2026 को मध्यान 11:00 बजे तक हिमायत सागर के सीआर नगर, कोतवालगुड़ा स्थित श्री संकट मोचन दक्षिण मुख वीर हनुमान मंदिर में भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। गुरुदेव श्री श्याम नारायनाचार्य महाराज (अयोध्या-हरिद्वार) के आशीर्वाद मिला।

आज यहां पंडित लालाजी शुक्ला महाराज एवं पंडित विनीत शुक्ला महाराज ने बताया कि श्री रामचरितमानस का अखंड पाठ, ब्रह्म मुहूर्त में हनुमानजी का अभिषेक, श्रृंगार आरती एवं सुमधुर भजन का कार्यक्रम हुआ। दोपहर 1 बजे श्रृंगार व आरती, इसके पश्चात 1:30 से प्रसाद का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जिसमें उपस्थित अतिथि एवं भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया समिति की ओर से पधारे हुए अतिथियों का सम्मान शाल, पुष्प माला एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया गया।

मंदिर में प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को हनुमान चालीसा, सुंदरकांड पाठ, हवन व आरती का आयोजन किया जाता है। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर में शिव मधुर भजनों की प्रस्तुति भी दी गई जिसका उपस्थित भक्तों ने आनंद उठाया वीर हनुमान भक्त मंडल भाग्यनगर द्वारा हनुमान जन्मोत्सव पर पधारे सभी भक्तों का हृदय से आभार प्रकट किया गया।

केबीआर पार्क के आसपास ट्रैफिक डायवर्जन रहेगा : जोएल डेविस

स्टील फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण कार्य जारी

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में स्टील फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण कार्य के चलते बंजारा हिल्स और जुबली हिल्स के आसपास यातायात प्रभावित रहेगा। केबीआर पार्क के चारों तरफ रविवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक सिंगल वे ट्रायल रन लागू किया जाएगा। संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, हैदराबाद, जोएल डेविस ने बताया कि मुख्य मार्ग परिवर्तन में एनएफसीएल से एसएनटी, सागर सोसायटी (मुग्धा), केबीआर पार्क प्रवेश और जुबली हिल्स चेकपोस्ट की ओर आने वाले वाहनों को एनटीआर भवन से बासवतरकम कैंसर हॉस्पिटल की ओर बाएं मुड़कर महाराजा अग्रसेन पार्क होते हुए ओमेगा हॉस्पिटल, रोड नं. 45, जुबली हिल्स चेकपोस्ट, केबल ब्रिज और आईकिया की ओर जाने का मार्ग अपनाने की सलाह दी गई है।

यूसुफगुडा और श्रीनगर कॉलोनी से रोड नं. 36 और 45, जुबली हिल्स और मधापुर की ओर जाने वाले वाहनों को इंडिरानगर गड्डा रोड (रोड नं. 5, जुबली हिल्स) से वेंकटगिरी जंक्शन तक पहुंचकर दाएं मुड़ने, रोड नं. 10 होते हुए डायमंड हाउस, अल-काज़र, रोड नं. 36, जुबली हिल्स और रोड नं. 45, मधापुर की ओर बढ़ने का मार्ग अपनाने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि निर्दिष्ट मार्गों पर यू-टर्न प्रतिबंधित रहेगा। वाहन चालकों से अनुरोध किया गया है कि सड़क के बाएं तरफ वाहन चलाएं और मार्ग पर बने निकास बिंदुओं का पालन करें। ऑन-ग्राउंड ट्रैफिक पुलिस और संकेतों का पालन करना अनिवार्य है। नागरिकों को नेविगेशन ऐप के जरिए रियल टाइम ट्रैफिक अपडेट लेने, सार्वजनिक परिवहन और कार पूलिंग का प्रयोग करने, तथा पीक समय में भारी वाहनों से बचने की सलाह दी गई है। हैदराबाद सिटी पुलिस ने कहा कि यह कदम शहर में निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षित और सहज यातायात सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। नागरिकों से संयम और ट्रैफिक नियमों का पालन करने का आग्रह किया गया है।

फोरम फॉर गुड गवर्नेंस ने मूसी नदी में धार्मिक निर्माणों के खिलाफ जताई आपत्ति

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। फोरम फॉर गुड गवर्नेंस (एफजीजी) के अध्यक्ष एम. पद्मनाभ रेड्डी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से अपील की है कि मूसी नदी की सफाई को प्राथमिकता दी जाए, इससे पहले कि नदी में धार्मिक निर्माण कार्य किए जाएं। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में एफजीजी अध्यक्ष ने नदी के जीर्णोद्धार के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की, लेकिन यह चिंता व्यक्त की कि नदी की गंभीर प्रदूषण समस्या को सुलझाए बिना मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च का निर्माण करना अनुचित है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में 29 मार्च को मंचिरेवुला में एक मंदिर का शिलान्यास किया। इसके अतिरिक्त नदी के मध्य में 108 फीट ऊँची भगवान शिव की मूर्ति लगाने और प्रस्तावित ओंकारेश्वर मंदिर को दो वर्षों में पूरा करने की योजनाएं भी हैं। एफजीजी ने कहा कि वर्षों में मूसी नदी को साफ करने के कई प्रयास विफल रहे हैं, बावजूद इसके कि इनपर भारी राशि खर्च की गई। 2001 में 405 करोड़ के प्रदूषण नियंत्रण परियोजना के सीमित परिणाम प्राप्त हुए। जीएचएमसी द्वारा 50 करोड़ खर्च कर बनाए गए रबर डैम को अप्रभावी होने के कारण बाद में हटा दिया गया। इसके बाद प्रस्तावित परियोजनाएं, जैसे मूसी फेज़ II (750 करोड़) और 2012 में प्रस्तावित 17,130 करोड़ की व्यापक योजना, या तो अप्रूव नहीं हुईं या दोषपूर्ण पाईं गईं। 2017 में स्थापित मूसी रिवर फ्रंट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने भी नदी की सफाई में अपेक्षित प्रगति नहीं दिखाई। एफजीजी ने यह भी बताया कि अतिक्रमण के कारण नदी कई हिस्सों में संकरी हो गई है और कई स्थानों पर नाले जैसी स्थिति हो गई है। सीवेज, औद्योगिक अपशिष्ट और दवा उद्योग के प्रदूषण ने नदी को अत्यधिक प्रदूषित और जलीय जीवन, कृषि और मानव उपयोग के लिए हानिकारक बना दिया है। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने इसे प्राथमिक प्रदूषित नदी क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया है। एफजीजी ने स्पष्ट किया कि प्रदूषित नदी में धार्मिक स्थल बनाना उचित नहीं है और सरकार से दृढ़ आग्रह किया कि निर्माण कार्य शुरू करने से पहले नदी की सफाई को प्राथमिकता दी जाए।

पारसीगुटा वडेर में सीरवी महासभा की आमसभा सम्पन्न

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी महासभा तेलंगाना प्रांत की आमसभा का आयोजन पारसीगुटा वडेर प्रांगण में किया गया। इसमें विभिन्न वडेरों के पदाधिकारी उपस्थिति रहे। अवसर पर संस्था के अध्यक्ष ने कहा कि समाज की मजबूती आपसी सहयोग और सहभागिता से ही संभव है। आमसभा के दौरान समाज सुधार से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में समाज में एकता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

सचिव ने कहा कि संगठित समाज ही प्रगति की दिशा में आगे बढ़ सकता है, इसलिए सभी को मिलकर समाजहित में कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर अभा. सीरवी महासभा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष हरजीराम काग महासचिव सोहनलाल हाम्बड़, कोषाध्यक्ष प्रभुराम, पारसीगुटा पूर्व अध्यक्ष जसाराम सोलंकी, पूर्व सचिव किशनसिंह राठौड़, शमशाबाद बडेर अध्यक्ष आशाराम गेहलोत, कोषाध्यक्ष राजुराम परिहार, भीकाराम काग, हरिराम परिहारिया, कोरेमुला से कालुराम काग, राजाराम गेहलोत, बालाजी अध्यक्ष जयराम पंवार, पुनाराम बर्फा, मल्लापुर अध्यक्ष तुलसाराम सीन्दड़ा, आईजी सेवा संघ अध्यक्ष भगाराम मुलेवा, बाबूलाल मुलेवा, भंवरलाल मुलेवा, मंगलाराम पंवार, पभुराम, लिकमाराम, चंद्राराम परिहारिया, मण्डिकोडा बडेर अध्यक्ष बाबूलाल भायल, भीकाराम परिहारिया सहित बडी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी ने समाजहित में अपने विचार रखे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

ट्रेनिंग में घायल ...

इन रिपोर्ट्स में बताया गया था कि सैन्य प्रशिक्षण के दौरान घायल होने के कारण कई कैडेट्स को टॉप सैन्य संस्थानों से बाहर कर दिया जाता है, जिसके बाद उनका भविष्य अनिश्चित हो जाता है। उन्हें भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। अदालत ने वरिष्ठ अधिवक्ता रेखा पल्लि को इस मामले में एमिकस क्यूरी नियुक्त किया। उन्होंने इस मामले में कई अहम सुझाव दिए, जिनमें सभी अमान्य कैडेट्स को भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के तहत लाना, लेफ्टिनेंट या फ्लाइंग ऑफिसर के बराबर अनुग्रह राशि बढ़ाना, दिव्यांग पेंशन लागू करना, एकमुश्त मुआवजा देना, समय-समय पर मेडिकल जांच, उच्च शिक्षा में आरक्षण और बेहतर बीमा शामिल हैं। एमिकस क्यूरी एक ऐसा व्यक्ति, वकील या संस्था होती है जो किसी मुकदमे में सीधे तौर पर पक्षकार नहीं होती, लेकिन कानून के पेचीदा मामलों में निष्पक्ष राय या जानकारी देकर अदालत की सहायता करती है।

जन विश्वास बिल ...

विधेयक की प्रमुख विशेषता यह है कि कई छोटे अपराधों में जेल की सजा को हटाकर मौद्रिक दंड (पेनल्टी) का प्रावधान किया गया है। सरकार पहले ही 183 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर चुकी है। नए कानून के तहत मामूली उल्लंघनों पर चेतावनी, सुधार नोटिस या जुर्माना लगाया जाएगा, जिससे अदालतों पर बोझ भी कम होगा। गोयल ने बताया कि देश में ऐसे प्रावधानों के तहत पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं, जिनमें अधिकांश मामूली उल्लंघन से जुड़े हैं। अब अधिकारियों को सीधे पेनल्टी लगाने का अधिकार मिलेगा, जिससे लंबी न्यायिक प्रक्रिया से बचा जा सकेगा।

विधेयक में चरणबद्ध कार्रवाई (ग्रेडेड एनफोर्समेंट) का प्रावधान है पहले सलाह, फिर चेतावनी और दोहराव पर बढ़ती पेनल्टी। हालांकि, गंभीर अपराधों को इसमें शामिल नहीं किया गया है और उनके लिए कड़े प्रावधान पहले जैसे ही रहेंगे।

गोयल ने कहा कि यह सुधार औपनिवेशिक मानसिकता वाले कानूनों से आगे बढ़ने का प्रयास है, जहां दंड को प्राथमिकता दी जाती थी। अब सरकार का फोकस भरोसे पर आधारित शासन पर है, जिसमें ईमानदार नागरिकों और व्यवसायों को अनावश्यक कानूनी दबाव से राहत मिलेगी।

विधेयक के तहत विभिन्न कानूनों में जुर्माने की राशि संशोधित की गई है और हर तीन साल में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रावधान जोड़ा गया है। साथ ही, विवादों के निपटारे के लिए निर्णायक और अपीलीय प्राधिकरण बनाए जाएंगे। कुछ मामूली अपराधों जैसे झूठा फायर अलार्म या जन्म-मृत्यु की सूचना न देना को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। सरकार का कहना है कि यह कानून 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे निवेश, व्यापार और उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा।

उद्योग संगठन सीआईआई ने इस विधेयक का स्वागत किया है। सीआईआई ने कहा कि इस कानून के लागू होने के बाद कारोबारियों के लिए अनुपालन (कॉम्प्लायंस) का बोझ काफी कम होगा और व्यापार करने में आसानी बढ़ेगी। संगठन के अनुसार, इससे विवादों के निपटारे की प्रक्रिया भी तेज होगी, जिससे उद्योगों को राहत मिलेगी। संगठन का मानना है कि यह कदम निवेशकों के भरोसे को मजबूत करेगा और देश में निवेश के माहौल को और बेहतर बनाने में मददगार साबित होगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

अभिषेक शर्मा पर मैच फीस का 25% जुर्माना

केकेआर के खिलाफ मैच में आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन, एक डिमेरिट पॉइंट भी मिला

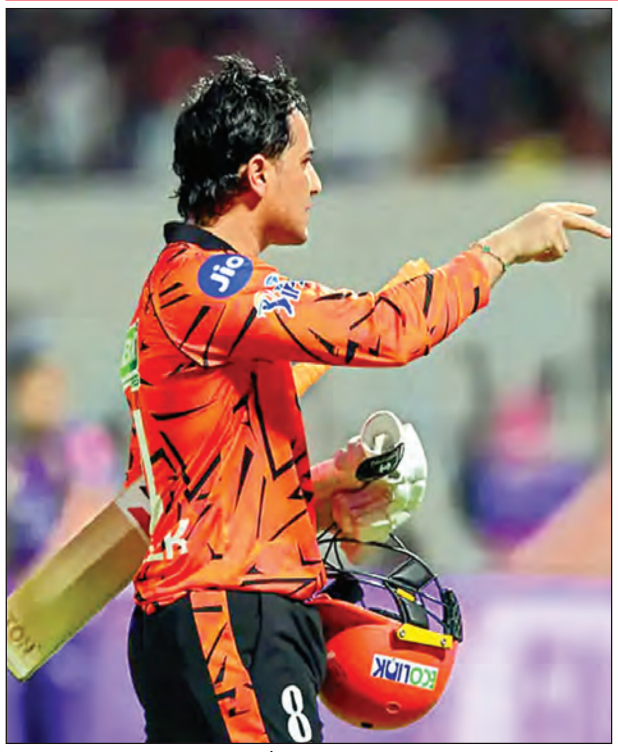

स्पोर्ट्स डेस्क, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा पर आईपीएल मैच के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ गुरुवार को ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में उन्होंने आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन किया, जिसके चलते उन पर मैच फीस का 25% जुर्माना लगाया गया। इसके साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ दिया गया है। अभिषेक ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। आईपीएल द्वारा जारी बयान के अनुसार, उन्होंने लेवल-1 के अपराध के तहत मैच रेफरी द्वारा दी गई सजा को मंजूर कर लिया है।

आर्टिकल 2.3 के उल्लंघन के दोषी पाए गए अभिषेक

अभिषेक शर्मा को आईपीएल की आचार संहिता के आर्टिकल 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। यह आर्टिकल आमतौर पर मैच के दौरान 'अनुचित व्यवहार' या खेल भावना के विपरीत कमेंट्स या इशारों से संबंधित होता है।

कैच आउट होने पर नाराजगी जताई

मैच रेफरी ने अभी तक उस घटना का खुलासा नहीं किया है, जिसके कारण यह कार्रवाई की गई। हालांकि, माना जा रहा है कि अभिषेक शर्मा ने कैच आउट होने पर थर्ड अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताई थी।

दरअसल, 8.4 ओवर में अभिषेक शर्मा आउट हो गए। ब्लेसिंग मुजरबानी ने 112 किमी/घंटा की धीमी शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद फेंकी, जिस पर अभिषेक ने पुल शॉट खेला। गेंद डीप स्क्वेयर लेग की ओर गई, जहां बाउंड्री पर मौजूद वरुण चक्रवर्ती तेजी से अपने दाईं ओर भागे, नीचे झुककर शानदार डाइव लगाई और कैच पकड़ लिया। हालांकि, रिप्ले से कैच पूरी तरह स्पष्ट नहीं लग रहा था, लेकिन तीसरे अंपायर ने अलग-अलग एंगल से जांच करने के बाद अभिषेक को आउट करार दिया। फैसले से असंतुष्ट अभिषेक नाराज होकर मैदान से बाहर जाते नजर आए। अभिषेक अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर सके और 21 गेंदों पर 48 रन बनाकर आउट हुए।

मैच रेफरी का फैसला ही अंतिम

आईपीएल के नियमों के अनुसार, लेवल-1 के उल्लंघन के मामलों में मैच रेफरी का फैसला ही अंतिम और बाध्यकारी होता है। इसमें खिलाड़ी के पास अपील करने का विकल्प नहीं होता। अभिषेक ने अपनी गलती मान ली है, इसलिए अब इस मामले में आगे कोई औपचारिक सुनवाई नहीं होगी।

सस्पेंशन का भी खतरा

अभिषेक शर्मा के खाते में एक डिमेरिट पॉइंट जुड़ने का मतलब है कि उन्हें अब अगले मैचों में सावधान रहना होगा। आईपीएल के नियमों के मुताबिक, यदि कोई खिलाड़ी एक निश्चित समय सीमा के भीतर 4 या उससे अधिक डिमेरिट पॉइंट जमा कर लेता है, तो उस पर एक या अधिक मैचों का प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद मुकाबले के लिए टिकटों की बिक्री शुरू

मोहाली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। टाटा आईपीएल 2026 के रोमांच के बीच पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर है। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ होने वाले पंजाब के दूसरे घरेलू मैच के टिकटों की बिक्री आज, 3 अप्रैल 2026 से शुरू हो गई है।

यह मुकाबला शनिवार, 11 अप्रैल को न्यू चंडीगढ़ स्थित न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दोपहर 3:30 बजे खेला जाएगा। क्रिकेट प्रेमी आज शाम 4 बजे से जिला ऐप और आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अपनी सीटें बुक कर सकते हैं। जो प्रशंसक ऑफलाइन टिकट खरीदना चाहते हैं, उनके लिए 6 अप्रैल से निम्नलिखित स्थानों पर बॉक्स ऑफिस खोल दिए जाएंगेः न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम,

न्यू चंडीगढ़।

घरेलू मैदान पर जीत का सिलसिला जारी रखने की चुनौती

सीजन के पहले मैच में गुजरात टाइटंस को 3 विकेट से हराकर पंजाब किंग्स ने अपने नए होम ग्राउंड पर शानदार आगाज किया था। भरे हुए स्टेडियम और प्रशंसकों के जबरदस्त शोर के बीच टीम के हौसले बुलंद हैं। अब सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले इस अहम मुकाबले में भी टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों को उसी प्रकार के भारी घरेलू समर्थन की उम्मीद है, ताकि आईपीएल 2026 के खिताब की ओर मजबूती से कदम बढ़ाए जा सकें।

पापा के पुराने शतरंज बोर्ड से शुरुआत, यू ट्यूब से सीखीं बारीकियां

11 साल की भारतवंशी बनीं इंग्लैंड की नंबर-1 महिला खिलाड़ी

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। शतरंज की दुनिया में 11 साल की भारतवंशी बच्ची बोधना शिवानंदन ने इतिहास रचा है। बोधना शिवानंदन ने पापा के पुराने शतरंज बोर्ड से खेल की शुरुआत की, यू ट्यूब से बारीकियां सीखीं और अब 2366 की शानदार रेटिंग के साथ इंग्लैंड की नंबर-1 महिला शतरंज खिलाड़ी बन गई हैं। कम उम्र में ही बड़े-बड़े रिकॉर्ड अपने नाम करने वाली बोधन बोधना शिवानंदन की यह यात्रा किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है।

बोधना शिवानंदन को जुनून, परिवार का साथ और आत्मविश्वास ने शिखर तक पहुंचा दिया। बोधाना शिवानंदन की जड़ें भारत से जुड़ी हैं। बोधना शिवानंदन का परिवार मूल रूप से भारत के तमिलनाडु राज्य के एक शहर तिरुचिरापल्ली का रहने वाला है। उनके पिता शिवानंदन वेलायुथम 2007 में अपने परिवार के साथ इंग्लैंड चले गए थे। बोधना का जन्म 7 मार्च 2015 को लंदन में हुआ। उत्तरी लंदन में रहने वाली बोधना शिवानंदन ने एक अप्रैल 2026 को यह रिकॉर्ड (इंग्लैंड की नंबर-1 महिला

शतरंज खिलाड़ी) बनाया। बोधना शिवानंदन ने 25 साल की लैन याओ की जगह ली है। लैन याओ चार बार की ब्रिटिश महिला चैंपियन रह चुकी हैं।

अब बोधना शिवानंदन इंग्लिश फेडरेशन की शीर्ष महिला खिलाड़ी हैं। अब उनकी रेटिंग ब्रिटेन के बाकी सभी देशों की शीर्ष महिला खिलाड़ियों से भी ज्यादा है। बोधना शिवानंदन पहली बार दुनिया की शीर्ष 100 महिला खिलाड़ियों की सूची में भी शामिल हो गईं, जहां वह 72वें स्थान पर हैं। प्राइमरी स्कूल में पढ़ने वालीं बोधना शिवानंदन पिछले सप्ताह आइसलैंड में थीं। वहां उन्होंने बेहद कड़े 'रेक्जाविक ओपन' में हिस्सा लिया और चार जीत हासिल कीं। बोधना शिवानंदन ने अपने छोटे से शतरंज करियर में एक के बाद एक कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। बोधना शिवानंदन पिछले साल तब सुर्खियों में आईं जब पहली बार किसी विश्व चैंपियन को हराया। बोधना शिवानंदन ने तब ग्रीस के रोड्स में आयोजित 'यूरोपियन क्लब कप' में यूक्रेन की पूर्व विमेंस चैंपियन ग्रैंडमास्टर मारिया मुज़िचुक को मात दी थी।

बोधना शिवानंदन की कुछ प्रमुख उपलब्धियां

सात साल की उम्र में यूरोपियन स्कूल्स चैंपियनशिप में अपने सभी 24 मैच जीते और तीन गोल्ड मेडल अपने नाम किये।

साल 2024 में बोधना शिवानंदन शतरंज ओलंपियाड के लिए चुना गया। तब वह किसी भी खेल में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं। साल 2025 में बोधना शिवानंदन ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप में 60 वर्षीय ग्रैंडमास्टर को हराने वाली अब तक की सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी बन गईं।

इंग्लैंड के शतरंज महासंघ की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'यह हैरो की एक स्कूली छात्रा के लिए बड़ी उपलब्धि है, जिन्होंने (2020 के कोविड-19) लॉकडाउन के दौरान उस बैग में शतरंज का बोर्ड और सेट मिलने के बाद इस खेल को अपनाया, जिसे उनके पिता फेंकना चाह रहे थे।'

एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका पर भड़के ललित मोदी

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी एक बार फिर चर्चा में हैं। ललित मोदी ने आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका के खिलाफ विवादित टिप्पणी की है और बीसीसीआई से टीम को बैन करने की मांग की है।

ललित मोदी ने एक्स पर लिखा, मैंने आपसे कहा था कि लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका पूरी तरह से लूजर और सबसे बड़ा जोकर है। मैं उसके बर्ताव से सच में शर्मिंदा हूं। मैंने आईपीएल को फैंस और खिलाड़ियों दोनों के लिए बनाया था, न कि हर बार, हर साल ऐसा होने के लिए। उन्होंने लिखा, अगर मैं अभी भी चेयरमैन और कमिश्नर होता, तो मैं उसे तुरंत बैन कर देता और टीम की ओनरशिप हमेशा के लिए छीन लेता। वह पूरी तरह से घमंडी जोकर है। इसी मुद्दे के लिए फ्रेंचाइजी अनुबंध में एक क्लॉज है। बीसीसीआई इसे लागू करे—ईमानदारी सबसे ऊपर रहे। सत्ता में बैठे लोगों की चापलूसी करना उसे बचने का तरीका नहीं है। फैंस और खिलाड़ी दोनों इसे याद रखेंगे।

दरअसल, एलएसजी और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच 1 अप्रैल को इकाना स्टेडियम में हुए मैच में एलएसजी को हार का सामना करना पड़ा था। मैच के बाद संजीव गोयनका को पंत के साथ बातचीत करते हुए देखा गया था।

इस घटना को फैंस और आलोचक गोयनका और केएल राहुल के बीच आईपीएल 2024 में हुई घटना से जोड़ कर देख रहे हैं। गोयनका को सोशल मीडिया पर संजीव गोयनका से जुड़े मीम्स वायरल हो रहे हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा था कि टूर्नामेंट में एक गेम हुआ है। इसकी कोई जरूरत नहीं है। हालांकि ऋषभ पंत और संजीव गोयनका के बीच क्या बात हुई, यह स्पष्ट नहीं है। एलएसजी ने एक वीडियो पोस्ट करते हुए संजीव गोयनका और ऋषभ पंत के बीच सबकुछ ठीक होने का स्पष्टीकरण दिया था। वीडियो के कैप्शन में लिखा था कि आप जो कुछ भी देख रहे हैं वह सच नहीं है। यहां मैच के बाद की अनफिल्टर्ड वाइब्स हैं, जब कैमरे कट नहीं करते। मैच के बाद संजीव गोयनका ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा था, यह एक लंबा सीजन है, और ऐसे पल कुछ मतलब का बनाने का हिस्सा होते हैं। मुझे अपने कप्तान और टीम पर पूरा भरोसा है कि वे मजबूती से वापसी करेंगे। हमारे फैंस, इकाना में आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। हम और मजबूत होकर वापस आएंगे। इस सीजन में लखनऊ की कहानी अभी लिखी नहीं गई है।

'संजू के साथ ज्यादती हुई'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने अहमियत बताते हुए कहा कोहली-रोहित के बाद सबसे ज्यादा उनके फैंस

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। संजू सैमसन बेहतरीन क्रिकेटर हैं और आईपीएल 2026 में वो चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल रहे हैं। संजू सैमसन बैटर हैं, विकेटकीपर हैं मौका मिलने पर कप्तानी कर सकते हैं यानी एक संजू में कई सारे गुण हैं और कोई भी फ्रेंचाइजी इस तरह के खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ना चाहेगी। वैसे संजू का बल्ला आईपीएल 2026 के पहले लीग मैच में नहीं चला, लेकिन इसके बावजूद पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने बताया कि वो सीएसके के लिए कितने अहम हैं। मनोज तिवारी ने क्रिकबज पर बात करते हुए कहा कि हर इंसान के जीवन में एक ऐसा वक्त आता है जब उसके लिए सबकुछ सही होता है और संजू के साथ भी ऐसा ही हुआ। पिछले साल यानी आईपीएल 2025 में हमने देखा था कि दिल्ली के खिलाफ सुपर ओवर का गेम हुआ था और टीम के बीच बातचीत हो रही थी, लेकिन संजू उसका हिस्सा नहीं थे। उसके बाद से ही हमने अनुमान लगाया था कि कुछ गड़बड़ है।

बीसीसीआई के आगे गिड़गिड़ाने लगा बांग्लादेश!

मुस्तफिजुर विवाद के बाद झुकने को तैयार बीसीबी

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने सुरक्षा का हवाला देते हुए भारत में 2026 टी20 वर्ल्ड कप के मुकाबले खेलने से इनकार कर दिया था. अब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई के साथ अपने रिश्ते सुधारने की बात कही है. बांग्लादेश की तरफ से यह फैसला प्रधानमंत्री तारिक रहमान वाली नई सरकार के अंडर सामने आया है।

रिपोर्ट में बताया गया कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई को एक पत्र लिखा, जिसमें दोनों क्रिकेट नेशन के बीच मजबूत बॉन्ड बनाने पर जोर दिया. रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बीसीबी ने बीसीसीआई से बांग्लादेश के छह मैचों के व्हाइट-बॉल दौरे पर दोबारा सोचने के लिए कहा, जो पिछले साल अगस्त में होना था. इस सीरीज को सितंबर 2026 के लिए शिफ्ट कर दिया गया था। बता दें कि बांग्लादेश को अगले साल यानी 2027 में होने वाला एशिया कप होस्ट करना है. भारत के

चलते यह टूर्नामेंट श्रीलंका या दुबई में शिफ्ट करवाया जा सकता है क्योंकि भारत की तरफ से बांग्लादेश जाने के इनकार किया जा सकता है.

अगर टूर्नामेंट किसी दूसरे देश में शिफ्ट होता है, तो इससे बांग्लादेश को भारी नुकसान हो सकता है. हालांकि बीसीसीआई और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की तरफ से इस बारे में किसी भी तरह की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है. दोनों के बीच सितंबर 2026 के लिए पोस्टपोन हुई सीरीज को लेकर भी कोई ऑफीशियल जानकारी नहीं है.

मुस्तफिजुर रहमान के साथ शुरू हुआ था विवाद

गौरतलब है कि भारत और बांग्लादेश के बीच विवाद की शुरुआत मुस्तफिजुर रहमान के साथ हुई थी. आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को 9.20 करोड़ रुपये की कीमत में खरीदा था. इसके बाद बीसीसीआई के निर्देश के मुताबिक, फ्रेंचाइजी ने बांग्लादेशी खिलाड़ी को रिलीज कर दिया था. यहां से विवाद बढ़ा और बांग्लादेश ने में भारत ने टी20 वर्ल्ड कप के मुकाबले खेलने से इनकार कर दिया।

फीफा विश्व कप : ईरान के मैचों को अमेरिका की जगह मैक्सिको में कराने का मामला नहीं सुलझा

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और युद्ध जैसे हालातों के बीच फीफा और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल राजनीति (डिप्लोमेसी) एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले ने हालात को मुश्किल और जटिल बनाया था। ईरान की फुटबॉल टीम और उसके विश्व कप अभियान पर इसका सीधा असर पड़ा था। इस बीच फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो और ईरानी फुटबॉल अधिकारियों के बीच तुर्की में हुई बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब ईरान की विश्व कप भागीदारी को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे थे। हालांकि इस मुलाकात में सकारात्मक संकेत मिले, लेकिन एक बड़ा मुद्दा—ईरान के मैचों को अमेरिका से हटाकर मेक्सिको में कराने का—अब भी अनसुलझा है। मार्च 2025 के दौरान ईरान की स्थिति काफी अनिश्चित रही। सरकारी स्तर पर यह संकेत दिए गए कि टीम विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकती या उसे अमेरिका जाने में मुश्किल हो सकती है।

मैच छोड़कर फ्लाइट पकड़ने भागा अफ्रीकी क्रिकेटर, अब बोर्ड लेगा तगड़ा एक्शन

जोहानिसबर्ग, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के ऑलराउंडर बेयर्स स्वानपोल एक बड़े विवाद में फंस गए हैं. उन्हें काउंटी क्रिकेट खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने से साफ इनकार कर दिया गया है. वहीं उनकी घरेलू टीम लॉयन्स और क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पूरा मामला जोहानिसबर्ग में 29 मार्च को खेले गए सीएसए प्रोविंशियल वनडे चैलेंज डिवीजन वन के फाइनल से जुड़ा है, जहां लॉयन्स का सामना टाइटन्स से हुआ था. लॉयन्स के लिए खेल रहे बेयर्स स्वानपोल ने मैच के दौरान अपने 10 ओवर पूरे करने के बाद अचानक मैदान छोड़ दिया. उन्हें इंग्लैंड के लिए फ्लाइट पकड़नी थी, जहां वह काउंटी क्रिकेट में भाग लेते. इसी चलते उन्होंने ऐसा कदम उठाया.

हैरानी की बात यह रही कि टीम मैनेजमेंट को उनकी फ्लाइट की जानकारी पहले से नहीं थी. बेयर्स स्वानपोल ने मैच से एक दिन पहले ही एनओसी के लिए आवेदन किया था, जिसे मंजूरी नहीं मिली

थी. इसके बावजूद वह बीच मैच में टीम को छोड़कर रवाना हो गए. इस घटना को क्रिकेट की छवि के खिलाफ मानते हुए सीएसए ने सख्त रुख अपनाया है. सीएसए ने अपने बयान में कहा कि खेल की निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनाए रखना बेहद जरूरी है, ऐसे में इस तरह के व्यवहार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. रिपोर्ट्स के मुताबिक, बेयर्स स्वानपोल इस मामले में आरोपों को चुनौती नहीं देंगे. हालांकि उनका अगला कदम क्या होगा, यह अभी साफ नहीं है. अगर वह इंग्लैंड में ही काउंटी क्रिकेट खेलेंगे, तो उनके साउथ अफ्रीका के लिए खेलने के सपने खत्म हो सकते हैं।

कैसा रहा है स्वानपोल का प्रदर्शन?

बेयर्स स्वानपोल दाएं हाथ से तेज गेंदबाजीऔर बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं. 27 साल के स्वानपोल ने अब तक 48 फर्स्ट क्लास, 55 लिस्ट और 48 टी20 मुकाबले खेले हैं. फर्स्ट क्लास मैचों में स्वानपोल ने 187 विकेट झटकने के अलावा 1461 रन बनाए हैं. वहीं लिस्ट-ए क्रिकेट में स्वानपोल के नाम पर 83 विकेट और 663 रन दर्ज हैं. टी20 क्रिकेट में स्वानपोल ने 414 रन बनाए हैं और 54 विकेट झटके. पूरे मामले पर वॉर्सेस्टरशायर के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट एशले जाइल्स ने भी निराशा जताई है. उन्होंने कहा कि खिलाड़ी से गलती हुई है और अब टीम इस स्थिति को संभालने की कोशिश कर रही है. जाइल्स ने साफ किया कि क्लब की ओर से बेयर्स स्वानपोल पर किसी तरह का दबाव नहीं था. यह पूरी तरह खिलाड़ी का निजी फैसला था.

वे जलते हैं, मेरे खिलाफ एजेंडा है

अजिंक्य रहाणे ने तो आलोचना करने वालों को धो ही दिया

कोलकाता, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में गुरुवार को ईडन गार्डेन में कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला खेला गया। केकेआर को इस मैच में 65 रन से हार का सामना करना पड़ा। कप्तान रहाणे का बल्ला इस मैच में नहीं चला। वह 10 गेंदों पर 8 रन बनाकर आउट हुए। आलोचकों ने रहाणे के स्ट्राइक रेट पर सवाल उठाए जिसका जवाब उन्होंने मैच के बाद दिया।

अजिंक्य रहाणे ने स्ट्राइक रेट पर क्या बोला?

केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मेरा स्ट्राइक रेट 2023 से अब तक सबसे अच्छा है। जो लोग बात कर रहे हैं, वे शायद मैच नहीं देख रहे हैं या मेरे खिलाफ उनका कोई खास एजेंडा है। उन्हें मेरा खेलना पसंद नहीं है। मुझे खेलते हुए देखना पसंद नहीं है। मुझे जितनी सफलता मिली है, मुझे लगता है कि वे उससे जलते हैं।' केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा, 'मैं ज्यादा परेशान नहीं हूं। मेरा इरादा वहीं था। कभी-कभी एक बल्लेबाज के तौर पर आपको फ्लो नहीं मिल पाता। जो लोग बात कर रहे हैं वे या तो गेम को नहीं समझते हैं या वे चाहते हैं कि मैं एक अलग तरह की पारी खेलूं। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि अजिंक्य रहाणे अपने गेम में इतना सुधार करेंगे। मुझे खुशी है कि वे मेरे बारे में बात कर रहे हैं फिर चाहे वो सकारात्मक हो या नकारात्मक। उन्हें बात करने दो। मुझे पता है कि मैं क्या कर रहा हूं। मुझे पता है कि मैंने पहले क्या किया है। मैं दूसरों की बातों के बारे में सोचने के बजाय खुद पर भरोसा करता हूं। जो भी इस बारे में बात कर रहे हैं, उन्हें बात करने दें।' आईपीएल 2023 के बाद से भारतीय बल्लेबाजों में पावरप्ले में सिर्फ अभिषेक शर्मा (176.56) का स्ट्राइक रेट रहाणे (167.78) से बेहतर है। रहाणे के लिए दिक्कत यह है पावरप्ले के बाद उनका स्ट्राइक रेट गिर जाता है और इसी वजह से उनकी आलोचना होती है।मुंबई इंडियंस के खिलाफ सीजन के पहले मुकाबले में 40 गेंदों पर 67 रन बनाने वाले रहाणे का बल्ला एसआरएच के खिलाफ नहीं चला और टीम को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा।

"दक्षिण एशिया की टेक्सटाइल कैपिटल बनेगा तेलंगाना" : ए. रेवंत रेड्डी

> मुख्यमंत्री ने एटेक्सकॉन 2026 का उद्घाटन किया > राज्य में ग्रीन टेक्सटाइल हब बनाने की दृष्टि पर जोर

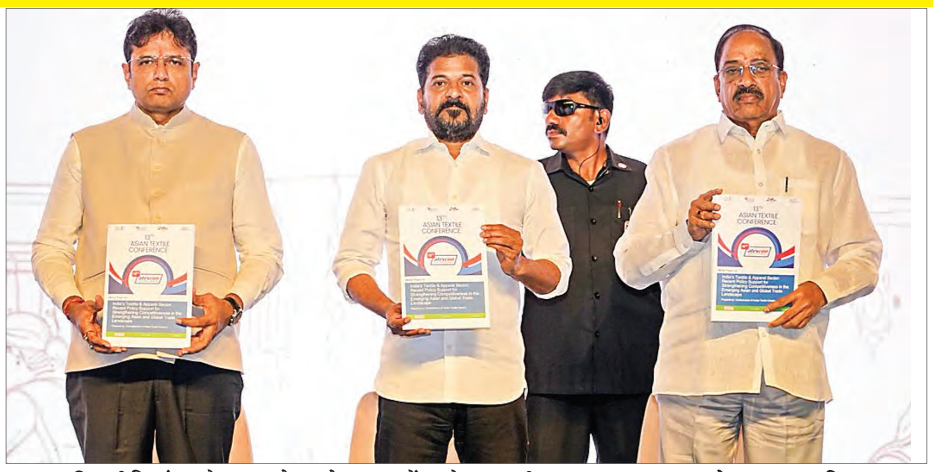

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने, मंत्री डी. श्रीधर बाबू और तुम्मला नागेश्वर राव के साथ, 13वें एशियन टेक्सटाइल कॉन्फ्रेंस (एटेक्सकॉन 2026) का उद्घाटन किया। यह टेक्सटाइल और परिधान उद्योग का एक प्रमुख वैश्विक सम्मेलन है, जिसका आयोजन तेलंगाना सरकार और कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री (सीआईटीई) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मुख्यमंत्री ने 2047 तक तेलंगाना को दक्षिण एशिया की टेक्सटाइल राजधानी बनाने की राज्य की दृष्टि को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि सरकार उद्योगपतियों और निवेशकों को बेहतरीन बुनियादी ढांचा, भूमि, बिजली, पानी, प्रोत्साहन और त्वरित कार्यान्वयन प्रदान कर सकती है। तेलंगाना राइजिंग विजन के तहत 2034 तक एक ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के पास वैश्विक स्तर की नीतियां और सबसे महत्वपूर्ण, उत्कृष्ट मानव संसाधन उपलब्ध हैं। पोच्चमपल्ली इकत, गदवाल साड़ियां, वारंगल की दरी और नारायणपेट की बुनाई का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल केवल एक उद्योग नहीं, बल्कि राज्य के बुनकर समुदायों की जीवनरेखा है। उन्होंने कहा, "ऐतिहासिक कारणों से तेलंगाना टेक्सटाइल क्षेत्र में अग्रणी रहा है। हम भारत में कपास के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक हैं और हमारी कपास गुणवत्ता और समृद्धि के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है।" भारत की समृद्ध परंपरा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सदियों से कला और संस्कृति ने भारत को उत्कृष्ट वस्त्र निर्माण में निपुण बनाया है। उन्होंने कहा, "परंपरा के अनुसार, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में मैं श्रीराम नवमी के अवसर पर भद्राचलम मंदिर में भगवान श्रीराम के लिए दिव्य वस्त्र अर्पित करता हूं।" निजाम शासनकाल के दौरान व्यापार के समृद्ध इतिहास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया भर के व्यापारी हैदराबाद में कपड़े और मोती खरीदने आते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना के पास टेक्सटाइल क्षेत्र में अग्रणी बनने के लिए 'स्किल और विल' दोनों हैं। "हमने वारंगल में काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क की स्थापना की है, जहां कई परिधान पार्क मौजूद हैं। हम डीप-टेक, फार्मा और लाइफ-साइंसेज, एयरोस्पेस और डिफेंस, मैन्युफैक्चरिंग और ऊर्जा जैसे कई क्षेत्रों में अग्रणी हैं।" उन्होंने देश-विदेश से आए 1200 से अधिक प्रतिनिधियों से अपील की: "यदि आपके पास दृष्टि है, तो हम वैश्विक सफलता के लिए आपके आदर्श साझेदार हैं। मिलकर हम एक एंड-टू-एंड टेक्सटाइल इकोसिस्टम बना सकते हैं, जो दुनिया के लिए गेम-चेंजर साबित होगा।"

उन्होंने कहा कि "टॉलीवुड और बॉलीवुड पहले से ही हैदराबाद को अपना आधार बना चुके हैं और अब हॉलीवुड ने भी यहां कदम रखा है। हम फिल्म उद्योग को प्रोत्साहित करेंगे कि वे अपनी फैशन आवश्यकताओं की पूर्ति भी यहीं से करें।"

एटेक्सकॉन 2026 में कई प्रमुख उद्योग नेता यंगवन कॉर्पोरेशन के चेयरमैन किहाक संग, सीआईटीआई के चेयरमैन अश्विन चंद्रन, डिप्टी चेयरमैन दिनेश नोलखा, संगम इंडिया के वाइस चेयरमैन डॉ. एस.एन. मोदी, और स्कूल नेट इंडिया के सीईओ एवं एमडी आरसीएम रेड्डी शामिल हुए ।

केरल में चुनाव प्रचार में रेवंत रेड्डी के दावे गलत : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने नामपल्ली स्थित भाजपा राज्य कार्यालय में मीडिया से बातचीत में कहा कि केरल में चुनाव प्रचार के दौरान तेलंगाना मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा दिए गए दावे पूरी तरह गलत हैं। किशन रेड्डी ने आरोप लगाया कि तेलंगाना में कांग्रेस द्वारा लागू की गई छह गारंटियों में से कोई भी योजना पूरी तरह सफल नहीं हुई। उन्होंने कहा, महिलाओं को महीने 2,500 रुपये, पेंशनधारियों को 2,000-4,000 रुपये, दिव्यांगों को 3,000-6,000 रुपये, दलित परिवारों को 12 लाख रुपये देने के वादे पूरे नहीं हुए। इसे लागू किया गया दिखाना जनता के साथ धोखा है।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि कांग्रेस केवल मामूली मामलों पर ध्यान दे रही है, जबकि कालेश्वरम परियोजना घोटाले की पूरी जांच सीबीआई द्वारा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले कांग्रेस ने भद्राचलम मंझम क्षेत्र को अनैतिक रूप से आंध्र प्रदेश को सौंपा था और इसमें भाजपा या केंद्र सरकार की कोई भूमिका नहीं थी।

किशन रेड्डी ने जनता से चेतावनी दी कि कांग्रेस के प्रचार पर विश्वास न करें और केवल जिम्मेदार और सक्षम शासन पर ध्यान दें।

सर्वोच्च न्यायालय के दिए गए फैसले का स्वागत : मुख्यमंत्री

ग्रुप-1 अभ्यर्थियों के लिए यह एक बड़ी राहत

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना ग्रुप-1 नौकरियों की भर्ती के मामले में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के दिए गए फैसले का मैं स्वागत करता हूं। इसे मैं हमारी सरकार की भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और ईमानदारी की पहचान के रूप में देखता हूं। उन्होंने कहा कि नौकरियों के लिए वर्षों तक इंतजार करते रहे, अपने परिवार की मेहनत पर निर्भर रहते हुए, नौकरी मिलेगी या नहीं इस चिंता में एक दशक गुजार देने वाले ग्रुप-1 अभ्यर्थियों के लिए यह एक बड़ी राहत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की सरकार बनने के बाद ही हमने तुरंत अधिसूचना जारी की, परीक्षाएं आयोजित कीं और कुछ ही महीनों में नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इन भर्तियों को रोकने की कोशिश करने वाली दुष्ट शक्तियों की साजिशों और कुटिल चालों को नाकाम करते हुए, राज्य के पुनर्निर्माण में पहले ग्रुप-1 अधिकारियों के रूप में युवाओं को भागीदार बनाया है। उन्हें एक बार फिर मेरी हार्दिक बधाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के विचारों और संकल्प के अनुरूप टीजीपीएससी प्रणाली को सुधारते हुए, बेरोजगार युवाओं का इस व्यवस्था पर विश्वास पुनर्स्थापित किया गया। उन्होंने अत्यंत पारदर्शिता के साथ इन भर्तियों को पूरा करने वाले टीजीपीएससी के अध्यक्ष, अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष बधाई दी।

कांग्रेस का पलटवार, हरीश राव पर साधा निशाना

गोला-कुरुमा समुदाय को लेकर आरोप-प्रत्यारोप तेज

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ आधिकारिक प्रवक्ता डॉ. चरण कौशिक यादव ने बीआरएस नेता हरीश राव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि हरीश राव गोला और कुरुमा समुदाय के प्रति 'मगरमच्छ के आंसू' बहा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने अपने दस साल के शासनकाल में गोला-कुरुमा समुदाय की अनदेखी की और अब सत्ता से बाहर होने के बाद बड़ी-बड़ी बातें कर रही है। डॉ. यादव ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व में भेड़

वितरण योजना के नाम पर समुदाय को ठगा गया। उन्होंने कहा कि भेड़ों के वितरण से गोला-कुरुमा समुदाय को आर्थिक नुकसान हुआ और दूसरी बार वितरण का वादा कर उनसे पैसे भी लिए गए, लेकिन योजना को पूरा नहीं किया गया। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि गोला-कुरुमा समुदाय को राजनीतिक रूप से महत्व देने का काम कांग्रेस पार्टी ने किया है। उन्होंने बताया कि सत्ता में आने के बाद कांग्रेस ने अनिल कुमार यादव को राज्यसभा भेजा, एक सरकारी व्हिप पद दिया और जुबली हिल्स उपचुनाव में नवीन यादव को टिकट देकर विजयी बनाया।

इसके अलावा, अंजन कुमार यादव को कांग्रेस पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। डॉ. चरण कौशिक यादव ने कहा कि कांग्रेस सरकार सामाजिक न्याय और सभी वर्गों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

चोरी के आभूषण के साथ तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कंचनबाग पुलिस ने चोरी के आभूषण के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार कंचनबाग पुलिस स्टेशन, हैदराबाद ने 31 मार्च को मोहम्मद रहमत शरीफ से लिखित शिकायत प्राप्त की। शिकायत में बताया गया कि उनकी पत्नी और बेटी के सोने के आभूषण घर के आलमारी में रखे थे। 29 मार्च को आलमारी की जांच करने पर आभूषण गायब पाए गए। पुलिस ने बताया कि यह चोरी किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा की गई हो सकती है। डीसीपी, राजेंद्रनगर ज़ोन, एस. श्रीनिवास ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया। कंचनबाग पुलिस ने तीन आरोपियों मो. अदनान शरीफ, निवासी, गुलमार्ग कॉलोनी, हफ़ीज़बाबानगर, मो. रेहानउद्दीन, निवासी हफ़ीज़बाबानगर, मो. समीर निवासी हफ़ीज़बाबा नगर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से लगभग 137 ग्राम के सभी सोने के आभूषण, चार मोबाइल फ़ोन, एक वेरना कार बरामद किया है।

सीएम ने तुम्मिडीकुंटा झील के पुनरुद्धार कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को माधापुर स्थित तुम्मिडीकुंटा झील के पुनरुद्धार कार्यों का निरीक्षण किया। वे हाईटेक्स में आयोजित टेक्सटाइल सम्मेलन में भाग लेने के बाद इसी क्रम में झील का दौरा करने पहुंचे। उन्होंने झील के आसपास के काम की प्रगति का जायजा लिया। आकस्मिक अतिक्रमण के कारण तुम्मिडीकुंटा झील पहले केवल 14 एकड़ तक सीमित रह गई थी। झील पुनरुद्धार परियोजना के अंतर्गत अतिक्रमण को हटाकर झील का विस्तार कर 28.05 एकड़ किया गया है। इस पुनरुद्धार कार्य के लिए राज्य सरकार ने 20 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है।

सभी प्रभावितों के पुनर्वास के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे : जग्गा रेड्डी

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जग्गा रेड्डी ने राष्ट्रीय राजमार्ग विस्तार कार्यों से प्रभावित लोगों के लिए महत्वपूर्ण घोषणा की है। उन्होंने कहा कि पहले हटाए गए भू लक्ष्मी मंदिर को भविष्य में सड़क किनारे उसके मूल स्थान पर पुनः स्थापित किया जाएगा।

जग्गा रेड्डी ने बताया कि हाईवे चौड़ीकरण के दौरान जिन लोगों ने अपने फल दुकानों, ठेलों और दुकानों के लिए स्थान खो दिया है, उन्हें कार्य पूरा होने के बाद पुनः दुकानें लगाने की व्यवस्था की जाएगी।

उन्होंने प्रभावित लोगों से अपील की कि वे इस सूचना पर ध्यान दें और अपने व्यवसाय से संबंधित विवरण जल्द से जल्द उपलब्ध कराएं। इसके लिए उन्होंने कहा कि प्रभावित लोग टीपीसीसी जनरल सेक्रेटरी तोपाजी अनंत किशन, संगारेड्डी नगर पालिका अध्यक्ष कूना संतोष, उपाध्यक्ष शफी हफीज और पार्टी के नगर अध्यक्ष जॉर्ज से संपर्क कर अपने ठेलों और दुकानों का विवरण जमा करें।

जग्गा रेड्डी ने भरोसा दिलाया कि सभी प्रभावितों के पुनर्वास के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

आदिवासी स्कूलों में शिक्षा सुधार के लिए वन विभाग की पहल

खम्मम, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के साथुपल्ली क्षेत्र के आदिवासी गांवों में स्थित सरकारी प्राथमिक स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए वन विभाग ने नई पहल शुरू की है। जिला वन अधिकारी सिद्धार्थ विक्रम सिंह ने बताया कि एचडीएफसी बैंक के सीएसआर फंड की मदद से चंद्रायापलेम और रेगल्लापाडु के स्कूलों में आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इस योजना का उद्देश्य आदिवासी बच्चों को भी शहरों जैसे बेहतर शिक्षा का माहौल देना है, ताकि वे पढ़ाई में रुचि लें और आगे बढ़ सकें। स्कूलों में इंटरैक्टिव पैनल लगाए गए हैं, बिजली की बेहतर व्यवस्था की गई है और कक्षाओं को नए रंगों से सजाया गया है। इसके साथ ही नए पंखे, लाइट, वायरिंग, पर्दे और छात्रों के लिए नई बेंचें भी लगाई गई हैं। अधिकारियों का कहना है कि इससे बच्चों की पढ़ाई में सुधार होगा और स्कूल छोड़ने की संख्या भी कम होगी। वन विभाग ने इस काम में सहयोग के लिए एचडीएफसी बैंक का धन्यवाद किया, वहीं छात्रों और शिक्षकों ने भी इस पहल की सराहना की है।

तेलंगाना में 24 अप्रैल से शुरू होंगी गर्मी की छुट्टियां

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के स्कूली बच्चों को इस बार लगभग 50 दिनों की गर्मी की छुट्टियां मिलेंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने 23 अप्रैल को शैक्षणिक सत्र 2025-26 का अंतिम कार्य दिवस तय किया है। स्कूलों में 24 अप्रैल से 11 जून तक छुट्टियां रहेंगी और नया शैक्षणिक सत्र 12 जून से शुरू होगा। छुट्टियों से पहले वार्षिक परीक्षाएं (समेकित मूल्यांकन-2) आयोजित की जाएंगी। पहले ये परीक्षाएं 10 अप्रैल से शुरू होनी थीं, लेकिन अब इन्हें 8 अप्रैल से कराया जाएगा। विभाग ने यह बदलाव तेलंगाना मुक्त विद्यालय की परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए किया है। नए कार्यक्रम के अनुसार परीक्षाएं 18 अप्रैल तक पूरी हो जाएंगी। अधिकारियों के अनुसार, परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव किया गया है, लेकिन गर्मी की छुट्टियों की तिथियों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। परीक्षाओं के बाद उत्तर पुस्तिकाओं की जांच होगी और परिणाम तैयार किए जाएंगे। साथ ही सत्र समाप्त होने से पहले स्कूलों में अभिभावक-शिक्षक बैठक भी आयोजित की जाएगी।

रासायनिक तरीके से पकाए आमों से सावधान रहने की चेतावनी

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी के मौसम में बाजारों में आमों की बढ़ती बिक्री के बीच हैदराबाद पुलिस ने लोगों को रासायनिक तरीके से पकाए गए फलों से सावधान रहने की सलाह दी है। पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने बताया कि कुछ व्यापारी जल्दी मुनाफा कमाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड जैसे हानिकारक पदार्थों से आम पकाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आम बाहर से बहुत चमकीले और एक जैसे पीले दिखते हैं, लेकिन अंदर से कच्चे हो सकते हैं। वहीं, प्राकृतिक रूप से पके आमों का रंग थोड़ा असमान होता है।

चिकित्सकों के अनुसार, ऐसे आम खाने से गले में जलन, पेट दर्द, उल्टी और दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लंबे समय में यह शरीर के तंत्रिका और श्वसन तंत्र को भी नुकसान पहुंचा सकता है। पुलिस खाद्य सुरक्षा विभाग के साथ मिलकर बाजारों में जांच कर रही है और नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। लोगों से अपील की गई है कि वे अजीब रंग, रासायनिक गंध या असामान्य स्वाद वाले आम न खरीदें। किसी भी मिलावट की सूचना 100 नंबर या हेल्पलाइन 8712661212 पर दी जा सकती है।

पब में छापे के दौरान सात ड्रग उपयोगकर्ता गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य टास्क फोर्स की ईगल टीम, साइबराबाद नारकोटिक्स पुलिस और गच्चीबावली पुलिस ने बीती रात कोंडापुर के एक पब में छापामारी कर सात व्यक्तियों को ड्रग्स के उपयोग के आरोप में गिरफ्तार किया।

अधिकारियों को एक अंतरराष्ट्रीय डीजे की विशेष पार्टी में ड्रग्स के उपयोग की विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई थी। इसके आधार पर छह टीमों का गठन किया गया और पार्टी को बाधित किए बिना अचानक कार्रवाई की गई। कुल 64 संदिग्धों का यूरिन ड्रग टेस्ट किट से परीक्षण किया गया, जिसमें सात व्यक्तियों में गांजा, बेंजोडायज़ेपाइन्स और मेथाम्फेटामाइन जैसे नशीले पदार्थ पाए गए। आरोपियों ने ड्रग्स के उपयोग की पुष्टि की और उनके विवरण दर्ज कर लिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि उनके माता-पिता या अभिभावकों को सूचित किया जाएगा और उन्हें डि-एडिक्शन कार्यक्रमों में शामिल कराने के प्रयास किए जाएंगे। गच्चीबावली पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट, 1985 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस ने यह भी पुष्टि की कि विदेशी कलाकार अलेक्जेंडर (स्पेन) और डीजे केवी का ड्रग टेस्ट नकारात्मक आया। ईगल टीम ने युवाओं और छात्रों से नशीले पदार्थों से दूर रहने की अपील की है और चेतावनी दी कि ड्रग्स का सेवन गंभीर अपराध और पारिवारिक संकट का कारण बन सकता है। साथ ही माता-पिता से अनुरोध किया गया है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध सूचना को टीम के साथ साझा करें।

कांग्रेस नेता लिंगम यादव का पूर्व विधायक पर हमला

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी भवन में कांग्रेस के आधिकारिक प्रवक्ता लिंगम यादव ने नाकिरेकल के पूर्व विधायक चिगुमर्ति लिंगैया पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि लिंगैया पार्टी के विधायकों और मंत्रियों पर अनुचित और आपत्तिजनक टिप्पणियां कर रहे हैं। लिंगम यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने लिंगैया को टिकट देकर जिताया, लेकिन उन्होंने उसी पार्टी के साथ विश्वासघात किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी संपत्तियों को बचाने के लिए लिंगैया ने बीआरएस का दामन थामा। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कठिन समय में वीरेशम ने जनता का साथ दिया, जबकि लिंगैया पर अवैध गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। लिंगम यादव ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि इस प्रकार की बयानबाजी जारी रही तो कांग्रेस पार्टी चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में लिंगैया के कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को उजागर किया जाएगा।

खैरताबाद में डॉक्टर सेल की अध्यक्ष के रूप में डॉ. तेजस्वी की नियुक्ति

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी डॉक्टर सेल, मेडिकल और हेल्थ विभाग के खैरताबाद ज़ोन की अध्यक्ष के रूप में डॉ. तेजस्वी को नियुक्त किया गया है। शुक्रवार को गांधी भवन में राज्य डॉक्टर सेल के अध्यक्ष डॉ.एम. राजीव ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर डॉ. तेजस्वी ने कहा कि उन्होंने जिस भरोसे के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी, उसके लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा, टीपीसीसी अध्यक्ष एवं एमएलसी महेश कुमार गौड़ का धन्यवाद किया। उन्होंने यह भी कहा कि वे जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए पूरी मेहनत करेंगी और उन पर सौंपी गई जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगी।

डोड्डी कोमरैया जयंती पर केसीआर ने दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने डोड्डी कोमरैया की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कोमरैया को तेलंगाना के सशस्त्र किसान आंदोलन का पहला शहीद और अन्याय के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक बताया। केसीआर ने कहा कि कोमरैया का बलिदान आज भी लोगों को अन्याय के खिलाफ लड़ने और सामाजिक न्याय, आत्मसम्मान तथा अधिकारों के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे महान लोगों के त्याग ने तेलंगाना आंदोलन और राज्य की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने यह भी कहा कि शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब सरकारें सभी वर्गों के संघर्ष को पहचानें और उनके अधिकारों की रक्षा करें।

वीएलएफ रडार परियोजना को हाईकोर्ट की मंजूरी

वृक्षारोपण पर नजर रखेगा न्यायालय

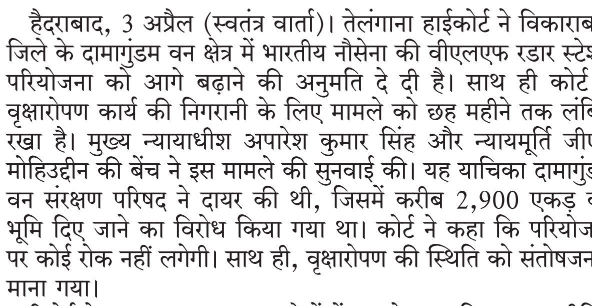

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने विकाराबाद जिले के दामागुंडम वन क्षेत्र में भारतीय नौसेना की वीएलएफ रडार स्टेशन परियोजना को आगे बढ़ाने की अनुमति दे दी है। साथ ही कोर्ट ने वृक्षारोपण कार्य की निगरानी के लिए मामले को छह महीने तक लंबित रखा है। मुख्य न्यायाधीश अपारेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जीएम मोहिउद्दीन की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। यह याचिका दामागुंडम वन संरक्षण परिषद ने दायर की थी, जिसमें करीब 2,900 एकड़ वन भूमि दिए जाने का विरोध किया गया था। कोर्ट ने कहा कि परियोजना पर कोई रोक नहीं लगेगी। साथ ही, वृक्षारोपण की स्थिति को संतोषजनक माना गया।

रिपोर्ट के अनुसार, लगाए गए पौधों में 70 से 80 प्रतिशत तक जीवित हैं, जबकि कुछ जगहों पर यह आंकड़ा लगभग 90 प्रतिशत तक पहुंच गया है। अब तक करीब 9 लाख से ज्यादा पौधे लगाए गए हैं, जिनमें से 8 लाख से अधिक जीवित हैं। वन विभाग ने बताया कि जो पौधे सूख गए हैं, उन्हें आने वाले मानसून में फिर से लगाया जाएगा। आगे भी बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण की योजना है। कोर्ट ने कहा कि अभी कुछ क्षेत्र में पौधारोपण बाकी है, जिसे आने वाले समय में पूरा किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई छह महीने बाद होगी, जिसमें प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.